▸ वर्ष : 3 ▸ अंक : 271 ▸ मूल्य : 4 रू.
▸ RNI No. -DELHIN/2019/78266
newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

मंगलवार, 31 मई 2022
राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र
दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

कोरोना की वजह से जिन्होंने अपनों को खोया है, उनका दर्द शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल: मोदी

केंद्र सरकार ने अनाथ हुए बच्चों के लिए शुरू की केयर फॉर चिल्ड्रन योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कोरोना महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए खास योजना शुरू की है। पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत बच्चों की मदद की जाएगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित प्रोग्राम के दौरान बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के पासबुक के साथ आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य स्कीम के तहत वर्चुअल रूप से हेल्थ कार्ड भी दिए।

इस स्कीम को लॉन्च करने के दौरान पीएम मोदी ने कहा, मैं जानता हूं कोरोना की वजह से जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके जीवन में आया ये बदलाव कितना मुश्किल है। हर दिन का संघर्ष, हर दिन की तपस्या। आज जो बच्चे हमारे साथ हैं, जिनके लिए ये कार्यक्रम हो रहा है, उनकी तकलीफ शब्दों में कहना मुश्किल है। पीएम मोदी के मुताबिक अगर किसी को प्रॉफेशनल कोर्स और हायर एजुकेशन के लिए लोन की जरूरत होगी तो तो पीएम-केयर्स की तरफ से उनकी मदद की जाएगी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों के लिए और अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए 4 हजार रुपये हर महीने की व्यवस्था भी की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की सहायता के लिए पिछले साल पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन स्कीम का ऐलान किया था। पहले इस स्कीम के तहत लाभ लेने की डेडलाइन 31 दिसंबर, 2021 थी, लेकिन बाद में इस डेडलाइन को 28 फरवरी, 2022 तक बढ़ा दिया गया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने यह भी कहा कि देश को 8 साल पहले मुश्किल हालात से निकाला गया। उन्होंने कहा आज जब हमारी सरकार अपने 8 वर्ष पूरे कर रही है, तो देश का आत्मविश्वास, देशवासियों का खुद पर भरोसा अभूतपूर्व है। भ्रष्टाचार, हजारों करोड़ के घोटाले, भाई-भतीजावाद, देशभर में फैल रहे आतंकी संगठन, क्षेत्रीय भेदभाव, जिस कुचक्र में देश 2014 से पहले फंसा हुआ था, उससे बाहर निकल रहा है। पीएम मोदी ने कहा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाकर हमारी सरकार ने गरीब को उसके अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अब गरीब से गरीब को भरोसा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ उसे मिलेगा, निरंतर मिलेगा। इस भरोसे को बढ़ाने के लिए ही हमारी सरकार अब शत प्रतिशत सशक्तिकरण का अभियान चला रही है।

मोदी सरकार के सफल 8 वर्ष, पीएम बोले- जिस दुष्चक्र में देश 2014 से पहले फंसा था उससे उबर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपानीत सरकार ने सफल 8 साल पूरे कर लिए है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा है कि जिस दुष्चक्र में देश 2014 से पहले फंसा था उससे उबर रहा है। पीएम ने कहा कि आज देश का आत्मविश्वास बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि देशवासियों का खुद पर भरोसा अभूतपूर्व है। पीएम ने कहा, ह्वभ्रष्टाचार, हजारों करोड़ के घोटाले, भाई-भतीजावाद, देशभर में फैल रहे आतंकी संगठन, क्षेत्रीय भेदभाव, जिस कुचक्र में देश 2014 से पहले फंसा हुआ था उससे बाहर निकल रहा है।ह्ल पीएम मोदी ने ये बातें पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के लॉन्च के मौके पर कही। बता दें कि साल 2014 में पीएम मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। पीएम के मुताबिक उनकी सरकार गरीबों की लगातार मदद कर रही है। उन्होंने कहा, ह्वटेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाकर हमारी सरकार ने गरीब को उसके अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अब गरीब से गरीब व्यक्ति को भरोसा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ उसे मिलेगा, निरंतर मिलेगा। इस भरोसे को बढ़ाने के लिए ही हमारी सरकार अब शत प्रतिशत सशक्तिकरण का अभियान चला रही है।' पीएम मोदी ने देश के युवा ताकत की जमकर सराहना की और कहा, ह्वबीते आठ वर्षों में भारत ने जो ऊंचाई हासिल की है, वो पहले कोई सोच भी नहीं सकता था। आज दुनिया में भारत की आन-बान-शान बढ़ी है, वैश्विक मंचों पर हमारे भारत की ताकत बढ़ी है। मुझे खुशी है कि भारत की इस यात्रा का नेतृत्व युवा शक्ति ही कर रही है।ह्ल पीएम मोदी ने कोरोना काल का ज़िक्र करते हुए कहा, ह्वनकारात्मकता के उस माहौल में भारत ने अपने सामर्थ्य पर भरोसा किया। हमने अपने वैज्ञानिकों, डॉक्टर्स, अपने युवाओं पर भरोसा किया और, हम दुनिया के लिए चिंता नहीं बल्कि उम्मीद की किरण बनकर निकले। हम समस्या नहीं बने बल्कि हम समाधान देने वाले बने।'

संक्षिप्त समाचार

पुलवामा में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के गुंडीपोरा इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने कहा कि एक और आतंकवादी मारा गया (कुल 2 आतंकी मारे गए), साथ ही दो एके राइफल बरामद की गईं है। रविवार को पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दी। जैसे ही सुरक्षा बल उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, आतंकवादियों ने गोलियां चलानी शुरू दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार के हवाले से कहा था कि हमारे शहीद कांस्टेबल रियाज अहमद के हत्यारे सहित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जेईएम के दो स्थानीय आतंकवादी मुठभेड़ में मारे गए। जेईएम आतंकवादी आबिद शाह ने हमारे निहत्थे सहयोगी की हत्या 13 मई को कर दी थी।

युवाओं को स्वावलंबी बनाने में विश्वास करती है हरियाणा सरकार : खट्टर

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार का अवसर देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने में विश्वास करती है। प्रगति रैली को संबोधित करते हुए खट्टर ने कहा यही वजह है कि हम स्वावलंबन नीति पर काम कर रहे हैं, लेकिन कुछ नेता जनता को हाथ-पर-हाथ धरकर बैठने की नीति के तहत उन्हें मुफ्त की चीजों का लालच देकर बहकाने की कोशिश कर रहे हैं। यह नीति नुकसानदेह है और लोग अब इस नीति की खामियों को समझने लगे हैं, क्योंकि दिल्ली और पंजाब की जनता के हाथ कुछ नहीं आया है। रैली को संबोधित करते हुए खट्टर ने शहर के लिए 2,711 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की घोषणा की।

सिंधु जल संधि बैठक के लिए भारत आया पाक प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, एजेंसी। तीन सदस्यीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत दो दिवसीय वार्षिक बैठक के लिए भारत आया है। इससे पहले, सिंधु जल संधि की 117वीं बैठक 1-3 मार्च को इस्लामाबाद में हुई थी। इस बैठक का नेतृत्व भारत के तत्कालीन सिंधु आयुक्त पीके सक्सेना ने किया था। सिंधु नदी जल संधि 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई थी। इसमें छह नदियों ब्यास, रावी, सतलुज, सिंधु, चिनाब और झेलम के पानी के वितरण और इस्तेमाल करने के अधिकार शामिल हैं। सिंधु बेसिन की छह नदियों में से, भारत का तीन पूर्वी नदियों सतलुज, ब्यास और रावी पर पूर्ण अधिकार है, जबकि पश्चिमी नदियों चिनाब, झेलम और सिंधु पर पाकिस्तान का अधिकार है।

पीएम मोदी की राय पर गौर किए बिना वैश्विक मंच पर कोई चर्चा पूरी नहीं होती : शाह

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के हर क्षेत्र में प्रगति करने पर जोर देकर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी की राय पर गौर किए बिना वैश्विक मंच पर कोई चर्चा पूरी नहीं होती, चाहे रूस और यूक्रेन का युद्ध हो, कोरोना का टीका, अर्थव्यवस्था या पर्यावरण का मामला हो। शाह ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल परिसर के निर्माण के साथ शहर को ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए तमाम सुविधाओं से लैस किया जायेगा। शाह ने अपने लोकसभा क्षेत्र गांधीनगर के नारनपुरा इलाके में एक लाख 15 हजार वर्गमीटर भूमि पर फैले और 632 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे नए अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल परिसर की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही।

उन्होंने कहा, 30 मई को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे होने वाले हैं। कुल मिलाकर इस सरकार के आठ साल पूरे हो रहे हैं। इन आठ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने देश को वैश्विक स्तर पर आगे ले जाने के लिए कार्य किया है। शाह ने कहा, कोराना का टीका बनाने की बात हो या अर्थव्यवस्था संबंधी फैसले लेने की बात हो, पर्यावरण से जुड़ी चर्चा हो या रूस और यूक्रेन के युद्ध पर बात हो , जब तक प्रधानमंत्री मोदी की राय नहीं ली जाती, चर्चा अधूरी रहती है। मोदी ने दुनिया में भारत का कद बढाने के लिये काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पहले प्रदेश दो बातों में दूसरे राज्यों से पीछे था, सेना में भर्ती का

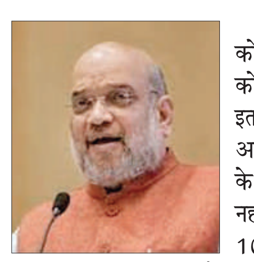

कोटा पूरा करने और खेलों को लेकर, उन्होंने कहा कि इतने साल में इसमें सुधार आया है, अब प्रदेश से सेना के कोटे का कोई पद रिक्त नहीं है और देश में अब यह 10वें स्थान पर है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का प्रयास है कि अगले दस साल में यह शीर्ष पर हो।

शाह ने कहा, सरदार पटेल खेल परिसर के निर्माण से अहमदाबाद में ओलंपिक की तैयारी के लिये सारी सुविधाएं होंगी। उन्होंने कहा, सरदार पटेल खेल परिसर, नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नारनपुरा खेल परिसर और तीन अन्य खेल सुविधाओं के साथ हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैदानों पर अभ्यास कर और सभी ओलंपिक खेलों के लिये स्टेडियम होगा। यह अहमदाबाद के लिये गर्व की बात है।ह्लह्ल उन्होंने कहा कि नारनपुरा खेल परिसर में देश के लिये पदक जीतने के लिये खिलाड़ियों को तैयार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों को इससे जोड़ा जाएगा, ताकि छात्र खेलों में अपनी प्रतिभा को निखारकर प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

इस मौके पर केंद्रीय खेल और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस खेल परिसर में इतनी सुविधाएं हैं, कि भविष्य में ओलंपिक की मेजबानी कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर विधायक और सांसद खेल आयोजनों की शुरूआत करें और उसके लिये सुविधायें दें तब भारतीय खिलाड़ी पीछे नहीं रहने वाले हैं।

उपराष्ट्रपति नायडू तीन देशों गेबन, सेनेगल और कतर की यात्रा पर हुए रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू सोमवार को तीन देशों गेबन, सेनेगल और कतर की यात्रा पर रवाना हो गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, ह्वउपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू गेबन, सेनेगल और कतर की यात्रा पर रवाना हो गए। भारत से उपराष्ट्रपति के स्तर पर इन तीन देशों की यह पहली यात्रा होगी।ह्ल वहीं, उपराष्ट्रपति सचिवालय के बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति नायडू की यात्रा से अफ्रीका के साथ भारत के संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है तथा यह अफ्रीकी महादेश को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इसमें कहा गया है कि उपराष्ट्रपति की कतर यात्रा का काफी महत्व है क्योंकि दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति 30 मई से एक जून तक गेबन की यात्रा पर रहेंगे। वह, गेबन की प्रधानमंत्री रोज क्रिश्चियन ओसोउका रापोंडा के साथ शिष्टमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। नायडू गेबन के राष्ट्रपति अली बोंगो ओंदिम्बा एवं अन्य गणमान्य लोगों से भी भेंट करेंगे। वह गेबन में कारोबारी समुदाय से बातचीत करेंगे और वहां भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे। गेबन, भारत का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है । भारत और गेबन अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य हैं । गेबन की यात्रा पूरी करने के बाद उपराष्ट्रपति 1 से 3 जून तक सेनेगल जायेंगे। इस दौरान वह सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी साल के साथ शिष्टमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। उपराष्ट्रपति वहां कारोबारियों एवं भारतीय समुदाय के लोगों से भी चर्चा करेंगे। सेनेगल अभी अफ्रीकी यूनियन का अध्यक्ष है। उपराष्ट्रपति 4 से 7 जून तक कतर की यात्रा पर जायेंगे जहां वह कतर के नायब अमीर शेख अब्दुल्ला बिन हमाद अल थानी के साथ शिष्टमंडल स्तर की वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करेंगे। नायडू अपनी यात्रा के दौरान कतर के कई गणमान्य लोगों से मुलाकात करेंगे और कारोबारियों को भी संबोधित करेंगे। छह जून को उपराष्ट्रपति कतर फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे।

राहुल गांधी ने यूपीएससी परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ट्वीट किया, 'यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में इस साल सफल होने वाले अभ्यर्थियों को बधाई। शीर्ष तीन स्थानों पर महिलाओं को देखकर खुशी होती है। आप लोगों पर पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ भारत की सेवा करने की बड़ी जिम्मेदारी है। भविष्य के लिए आप लोगों को शुभकामनाएं।'

यूपीएससी ने सोमवार को सिविल सेवा परीक्षा-2021 के परिणाम घोषित किये, जिसमें श्रुति शर्मा पहले स्थान पर रही हैं जबकि अंकिता अग्रवाल और गामिनी सिंगला ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। आयोग ने बताया कि लगभग 685 उम्मीदवारों ने परीक्षा पास की है। सफल परीक्षार्थियों में सामान्य वर्ग के 244, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 73, अन्य पिछड़ा वर्ग के 203, अनुसूचित जाति के 105 और अनुसूचित जनजाति के 60 परीक्षार्थी शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में शांति लाने के लिए अवाम का दिल जीतना होगा : अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा है, कि जम्मू-कश्मीर में शांति तब तक हासिल नहीं होगी, जब तक आप लोगों का दिल नहीं जीत लेते। भारत के पड़ोसियों को भी यह सोचना चाहिए कि हमें मिलजुल कर रहना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि आप जितने चाहें उतने सैनिक ला सकते हैं। लेकिन आप तब तक शांति नहीं ला सकते जब तक आप लोगों का दिल नहीं जीत लेते। अब्दुल्ला ने कहा कि युद्ध से यह संभव नहीं है।

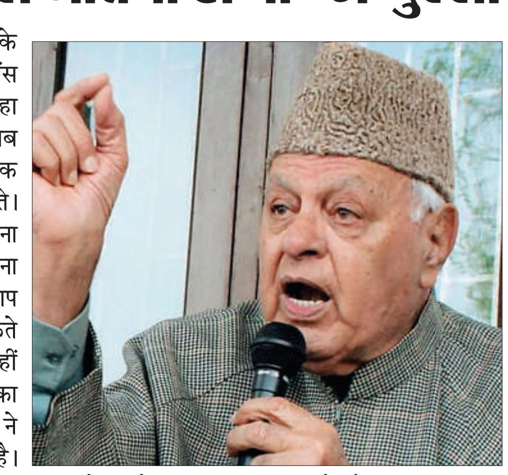

आप जितने चाहें उतने सैनिक ला सकते हैं, लेकिन कश्मीर में तब तक शांति नहीं होगी जब तक हम अपने पड़ोसियों से बात नहीं करते और वे भी शांति से साथ रहने के लिए तैयार नहीं हैं।

यूक्रेन का हवाला देकर अब्दुल्ला ने कहा कि आधुनिक युद्ध का मतलब है कि सामूहिक विनाश के हथियार पिछले 72 वर्षों में बनी हर चीज को नष्ट कर सकते हैं। 'जब हम बात करते हैं, तब उन्हें बुरा लगता है और हम किस बारे में बात कर रहे हैं ?उन्होंने अपील की हम भारतीय मुसलमान हैं, चीनी, रूसी या अमेरिकी मुसलमान नहीं, हम पर विश्वास करें। अबदुल्ला की ओर से यह बयान तब आया जब ईडी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब्दुल्ला की जांच कर रही थी। ईडी ने अब्दुल्ला को 31 मई को पूछताछ के लिए तलब किया है।

आईएनएस विक्रांत के लिए 26 लड़ाकू विमान खरीदेगा भारत इन दो देशों से चल रही बात

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वदेशी ट्विन-इंजन डेक-बेस्ड फाइटर प्लेन मिलने में करीब एक दशक का समय है, लेकिन उससे पहले नरेंद्र मोदी सरकार भारतीय नौसेना की सिफारिश पर सरकार-से-सरकार (जी-2-जी) के आधार पर 26 वाहक-आधारित लड़ाकू विमान खरीदेगी। यह लड़ाकू विमान जल्द ही नौसेना में शामिल होने वाले आईएनएस विक्रांत पर तैनात किए जाएंगे। इसी साल जनवरी में गोवा में भारतीय नौसेना के तट-आधारित परीक्षण सुविधा में फ्रेंच राफेल-मरीन विमानों का उड़ान परीक्षण यानी फ्लाइट टेस्ट पहले ही आयोजित किया जा चुका है। इसके अलावा यूएस एफ-18 सुपर हॉर्नेट का परीक्षण 15 जून तक पूरा होने की उम्मीद है। दो बोइंग एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान गोवा में नौसैन्य अड्डे में अपनी परिचालन क्षमता दिखाने भारत पहुंचे हैं क्योंकि भारतीय नौसेना अपने स्वदेशी विमानवाहक पोत (आईएसी) विक्रांत के लिए लड़ाकू विमानों का एक बेड़ा हासिल करने की योजना बना रही है। 26 विमानों में से, भारतीय नौसेना को 8 ट्विन सीटर ट्रेनर चाहिए, जिनका इस्तेमाल युद्ध की स्थिति में भी किया जा सकता है।

दोनों फाइटर्स (फ्रांस और अमेरिका के) वस्तुतः एक ही विंटेज के हैं और दोनों निमार्ताओं के पास भारत में मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल सुविधाएं भी हैं। गोवा में नौसैन्य अड्डे की टेस्ट फैसिलिटी में दोनों विमानों का गहन परीक्षण किया गया है, लेकिन भारत के एकमात्र विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रमादित्य पर नहीं उतरे हैं, क्योंकि कारवार में इसका मेंटेनेंस चल रहा है और जून में इसके फिर से अपने अभियान में उतने की उम्मीद है। वहीं भारत का स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत समुद्री परीक्षणों से गुजर रहा है और 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कमीशन किए जाने की उम्मीद है। भारत आईएनएस विक्रांत के लिए लड़ाकू विमानों को लीज पर नहीं लेना चाहता है, बल्कि भारतीय नौसेना के विमानन विंग के मूल्यांकन के आधार पर फ्रांसीसी डसॉल्ट या यूएस बोइंग से डेक-आधारित लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए सीधे जी-टू-जी का रास्ता अपनाएगा। भारतीय वायु सेना के साथ राफेल लड़ाकू विमानों की बिक्री करने वाली डसॉल्ट और बोइंग द्वारा पनडुब्बी रोधी युद्धक प्लेटफॉर्म, चिनूक हेलीकॉप्टर और सी-17 भारी लिफ्ट विमान बेचने के मामले में दोनों ही कंपनियों ने डील की है। अमेरिकी नौसेना द्वारा अफगान और इराक युद्धों में इस्तेमाल किए गए एफ-18 के साथ दोनों विमानों ने ट्रैक रिकॉर्ड साबित किया है। जनवरी में, भारतीय नौसेना ने लड़ाकू विमान राफेल के समुद्री संस्करण का उड़ान परीक्षण किया। भारतीय नौसेना की योजना आईएसी विक्रांत के लिए लड़ाकू विमानों का बेड़ा खरीदने की है। आईएसी विक्रांत को अगस्त में सेवा में शामिल किए जाने की संभावना है। चार साल पहले, भारतीय नौसेना ने अपने विमानवाहक पोत के लिए बहु-भूमिका वाले 57 लड़ाकू विमान हासिल करने की प्रक्रिया शुरू की थी।

नदियों के कारण पैदा हुई चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के बीच समन्वय जरूरी : आरके रंजन

गुवाहाटी, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री आरके रंजन ने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से गुजरने वाली नदियों के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निपटने की दिशा में काम करने के लिए देशों के बीच समन्वय की जरूरत है। उन्होंने कहा इस मामले में देशों को राजनीतिक सीमा से परे जाकर देखने की जरूरत है। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में लोग अपनी आजीविका के लिए प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष रूप से नदियों पर निर्भर हैं।

यहां ह्वविकास और परस्पर निर्भरता में प्राकृतिक सहयोगीह्ल सम्मेलन के तीसरे संस्करण के समापन दिवस पर अपने विशेष संबोधन में शिक्षा और विदेश मामलों के राज्य मंत्री ने कहा कि नदियां प्राचीन संस्कृति और लोकाचार की वाहक हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि लेकिन नदियां अपने साथ बाढ़ समेत अन्य आपदाएं भी लाती हैं। उन्होंने कहा इन चुनौतियों को कम करने के लिए राजनीतिक सीमाओं से परे घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता है। रंजन ने कहा कि देशों को एक साथ काम करने और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अनुभव साझा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा भारत और पूर्वोत्तर क्षेत्र में नदियों का फैलाव अद्वितीय है। मंत्री के मुताबिक 62.7 करोड़ लोग गंगा-ब्रह्मपुत्र घाटी से प्रभावित हैं। केंद्रीय मंत्री ने छात्रों, मीडियाकर्मियों और सांसदों के लिए ह्वविनिमयह्ल कार्यक्रमों की व्यवस्था सहित पड़ोसी देशों के साथ शैक्षिक संबंधों के विस्तार की दिशा में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका पर गर्व व्यक्त किया। यह दो दिवसीय सम्मेलन शनिवार को शुरू हुआ था। बंगाल की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में सहयोग के सामूहिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिए यह एक अंतरराष्ट्रीय मंत्री स्तरीय नदी सम्मेलन है।

एक हजार मासूम लोगो से ठगी के अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन जालसाजों के गिरोह का किया भंडाफोड़ : श्वेता चौहान उपायुक्त पुलिस

» विजय गौड़ ब्यूरो चीफ

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट दिल्ली की निवासी मनविंदर कौर (बदला हुआ नाम) ने नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया था कि उसने एक वैवाहिक साइट ह्लरंल्लें.ङ्केह्व पर एक प्रोफाइल बनाया था और साइट के माध्यम से, वह अंकित वर्मा के संपर्क में आई थी। अंकित वर्मा ने उसे बताया कि वह कनाडा में रहता है और पेशे से डॉक्टर है। बाद में, उन्होंने अपने व्हाट्सएप नंबर का आदान-प्रदान किया और व्हाट्सएप पर चैट करना शुरू कर दिया। 22.12.2021 को अंकित वर्मा ने कहा कि वह एयर कनाडा की फ्लाइट एसी 048 (सीट नंबर 23) से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा हैं और कस्टम अधिकारी ने उसे भारी मात्रा में कैनेडियन डॉलर ले जाने के लिए रोक दिया है। उसके बाद एक महिला ने दूसरे मोबाइल नंबर से फोन किया और बताया कि अंकित वर्मा को एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया गया है और . उसे रिहा करने के लिए 55,900/- रुपया का भुगतान करना होगा क्योंकि उसके पास भारी मात्रा में कैनेडियन डॉलर था। उनकी बातों पर विश्वास करते हुए शिकायतकर्ता ने उक्त महिला द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खाते में 55,900/- रुपए दो किश्तों में ऑनलाइन जमा करा दिए । बाद में, फोन करने वाली महिला ने आगे 1,50,000/- रुपये की मांग करते हुए कहा कि वित्त मंत्रालय को इस पैसे को इंडिया लाने की क्लीयरेंस लेनी होगी । इसके बाद, शिकायतकर्ता ने कुछ गड़बड़ महसूस की और आगे भुगतान करने से इनकार कर दिया। इसके बाद, शिकायतकर्ता की शिकायत पर, थाना साइबर सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में मामला प्राथमिकी संख्या 07/22 यू/एस 170/419/420/34/120बी आईपीसी दर्ज किया गया था और जांच शुरू की गई थी। अपराध की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए श्वेता चौहान आईपीएस उपायुक्त पुलिस (मध्य जिला) के समग्र पर्यवेक्षण में एवं योगेश मल्होत्रा एसीपी की देखरेख में के टीम का गठन किया गया जिसके नेतृत्व का दायित्व खेमेंद्र पाल सिंह, एसएचओ/साइबर पुलिस स्टेशन मध्य जिला को सौंपा गया टीम में एसआई दीपक, एएसआई पंकज यादव, एएसआई सिरमोर, एचसी सागर, एचसी तेजवीर, एचसी विजय शर्मा एवं तीन कॉन्स्टेबल कुदीप , सुरजीत एवं महिला कॉन्स्टेबल गीता तथा अन्य कर्मचारी वर्ग को भी शामिल किया गया जांच के दौरान, लाभार्थी के खातों का बैंक विवरण प्राप्त किया गया जिसमें शिकायतकर्ता ने धन हस्तांतरित किया था। इसमें खुलासा हुआ कि उक्त बैंक खातों से बड़ी संख्या में लेन-देन किया जा रहा था। इसके अलावा, इन खातों में जमा धन को अन्य बैंक खातों में स्थानांतरित किया जा रहा था या तुरंत एटीएम के माध्यम से निकाला जा रहा था। पैसे को घुमाने के लिए अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर विभिन्न बैंक खाते खोले गए। विभिन्न बैंकों से बैंक खातों का विवरण एकत्र किया गया। टीम ने उन एटीएम के सीसीटीवी फुटेज को भी एकत्र किया जहां से पैसे निकाले गए थे। अपराध में इस्तेमाल होने वाले मोबाइल फोन के सीडीआर का भी विश्लेषण किया गया। उक्त विवाह स्थल से विवरण भी एकत्र किया गया था। जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी व्यक्तियों ने एक ही तौर-तरीके से बड़ी संख्या में लोगों को ठगा है। वैज्ञानिक जांच के आधार पर, टीम ने ग्रेटर नोएडा से दो आरोपी व्यक्तियों पॉल ओनेजी अतुह और सैमुअल अनियागोर चिबुजोर को गिरफ्तार किया। आरोपी व्यक्तियों के मोबाइल फोन और लैपटॉप से विभिन्न फेसबुक और वैवाहिक प्रोफाइल बरामद किए गए। दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई और उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।निरंतर पूछताछ के दौरान, आरोपी व्यक्तियों ने खुलासा किया कि वे विभिन्न वैवाहिक साइटों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, मैसेंजर आदि पर अलग-अलग नामों से फर्जी प्रोफाइल बनाते थे। बाद में वे लोगों को लुभाते थे और उनके साथ व्हाट्सएप नंबर का आदान-प्रदान करते थे। कुछ दिनों के बाद, उन्होंने उन्हें लुभाया कि वे उनके लिए उपहार भेजेंगे या भारत में उनसे मिलने आएंगे। वे डमी पार्सल ट्रैकिंग रसीद भी बनाते थे और लक्षित व्यक्ति को उनका विश्वास हासिल करने के

लिए भेज देते थे। 3-4 दिनों के बाद, उनमें से कोई व्यक्ति लक्षित व्यक्ति को कस्टम अधिकारी या हवाईअड्डा प्राधिकरण अधिकारी के रूप में बुलाता था। फिर वे कहेंगे कि पार्सल में डॉलर/पाउंड हैं और उन्हें इसके लिए कस्टम ड्यूटी/रूपांतरण शुल्क देना होगा। एक बार राशि का भुगतान हो जाने पर वे किसी न किसी बहाने अपनी मांग बढ़ा देते थे। इसके अलावा, उनके कहने पर आरोपी चार्ल्स पायस चुकवुएबुका को भी ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया गया है, जिसने निरंतर पूछताछ पर कहा कि, उसने दिसंबर 2020 के महीने में बांग्लादेश की सीमा के माध्यम से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया। तब से, वह ग्रेटर नोएडा में रह रहा है। पीड़ित देश के सभी हिस्सों से हैं पैसा आगे बिचौलिए के जरिए नाइजीरिया भेजा गया। वे विपरीत लिंग का रूप धारण करके नर और मादा दोनों को धोखा देते थे। आरोपियों से बरामद आंकड़ों से पता चलता है कि आरोपी व्यक्ति अन्य एशियाई देशों में भी उक्त देशों में स्थापित अपने सहयोगियों के साथ काम कर रहे हैं। श्वेता चौहान आईपीएस उपायुक्त पुलिस (मध्य जिला) ने बताया कि चौंका देने वाली बात यह है कि आरोपियों ने पिछले 8 साल में 1000 से ज्यादा लोगों को ठगा है उन्होंने बताया कि आरोपियों से जालसाजी के 25 विभिन्न बैंक खातों का विवरण,. 2.02 लाख रुपए नकद बरामद, . विभिन्न बैंक खातों में लगभग 4.00 लाख नकद फ्रीज, अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए 15 मोबाइल फोन और 20 सिम कार्ड, अपराध में प्रयुक्त दो लैपटॉप/टैबलेट और 4 डोंगल और 2.20 करोड़. रुपये से अधिक का लेनदेन प्रमाण बरामद किया

संक्षिप्त समाचार

किसानों को नकली बीजों के बारे में जानकारी देने के लिए कृषि क्षेत्रों में अभियान चलाने पर जोर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय वस्त्र, वाणिज्य, उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने कल आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, मुंबई में नवगठित टेक्सटाइल सलाहकार समूह के साथ एक संवादमूलक बैठक का आयोजन किया। वस्त्र सचिव उपेंद्र प्रसाद सिंह ने टेक्सटाइल सलाहकार समूह के साथ विचार-विमर्श की शुरूआत की। इस समूह में केन्द्रीय वस्त्र, कृषि और किसान कल्याण, वाणिज्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी और अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र के अधिकारी तथा कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी और हितधारक शामिल हैं। इस बैठक में प्रमुख संघों और विशेषज्ञों के माध्यम से पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला का प्रतिनिधित्व किया गया। टेक्सटाइल सलाहकार समूह के अध्यक्ष और कपास के क्षेत्र में काम करने वाले प्रसिद्ध व्यक्ति सुरेश कोटक ने टेक्सटाइल सलाहकार समूह की बैठक की अध्यक्षता की। जिसका गठन 17 मई 2022 को नई दिल्ली में आयोजित हितधारकों की परामर्श बैठक के दौरान श्री गोयल के निदेशों के अनुपालन में किया गया है। उन्होंने विशेष रूप से जल्दी पकने वाली किस्मों की बुवाई के लिए बीज उपलब्धता सुनिश्चित करने की जरूरत और मौजूदा ठहराव से भारतीय कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए बीज प्रणाली में सुधार करने की जरूरत पर जोर दिया था। उन्होंने घरेलू और अन्य देशों से स्टॉक संभावनाओं के संबंध में कपास की उपलब्धता बढ़ाने के संभावित तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी।

पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ऑटोजेनस स्टूडियो के साथ दिल्ली पुलिस 'सोशल मीडिया सेल' का किया उद्धाटन

दिल्ली के पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने आज पीएचक्यू में अत्याधुनिक स्टूडियो फेस-2-फेस के साथ दिल्ली पुलिस के सोशल मीडिया सेल का उद्धाटन किया। दिल्ली पुलिस ने पॉडकास्ट, ट्विटर लाइव सत्र, पैनल चर्चा, प्रेस वार्ता और नकली समाचारों का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया सेल की स्थापना की है। इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी, दिल्ली ने आज के सुव्यवस्थित समाज में संचार के महत्व को रेखांकित किया। नकली समाचारों से लड़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सार्वजनिक क्षेत्र में वास्तविक तथ्यों का प्रचार करना। सोशल मीडिया जागरूकता फैलाने और कम से कम समय में फर्जी खबरों को खत्म करने का सबसे अच्छा माध्यम है। रटउ द्वारा निर्मित शैक्षिक और जागरूकता वीडियो एडह, रढवहअउ और दिल्ली पुलिस के अन्य वर्टिकल द्वारा साझा किए जा सकते हैं।हिंसा, आग की घटना, इमारत ढहने, बम की धमकी या ऐसी ही अन्य आकस्मिक स्थिति के मामले में सूचना के त्वरित प्रसार के लिए पुलिस मुख्यालय में सोशल मीडिया सेल की स्थापना की गई है। कई मौकों पर, शांति और सद्भाव को भंग करने के लिए कुछ झूठे आख्यानों के साथ सोशल मीडिया पर कानून

और व्यवस्था से संबंधित स्थितियों को शरारतपूर्ण तरीके से बढ़ाया जाता है। सोशल मीडिया सेल इस तरह की फेक न्यूज का मुकाबला करेगी। इसके अलावा, विशेष रूप से गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, शिखर सम्मेलन और सम्मेलनों जैसे मेगा-इवेंट पर वीडियो सलाह के साथ नियमित अपडेट के माध्यम से शहर के यातायात को नियंत्रित किया जा सकता है। नियमित संपर्क के माध्यम से आम जनता के लिए खानपान के अलावा प्रशिक्षण और कल्याण के उद्देश्य के लिए उपयोग की जाने वाली आंतरिक प्रस्तुतियों / सामग्री को बनाने के लिए बहुत उन्नत स्टूडियो का उपयोग किया जाएगा। जन सम्पर्क विभाग के विशेष प्रवक्ता ने ब्यूरो चीफ विजय गौड़ को बताया कि इस अवसर पर विशेष आयुक्त पुलिस सत्येंद्र गर्ग, विशेष आयुक्त पुलिस सुश्री सुंदरी नंदा, विशेष आयुक्त पुलिस संजय बनिवाल, विशेष आयुक्त पुलिस मुकेश कुमार मीणा , विशेष आयुक्त पुलिस संजय सिंह, विशेष आयुक्त पुलिस दीपेंद्र पाठक, विशेष आयुक्त पुलिस नुजहत हसन, श्री विशेष आयुक्त पुलिस वीरेंद्र कुमार, श्री विशेष आयुक्त पुलिस रॉबिन हिबू, सुश्री विशेष आयुक्त पुलिस गरिमा भटनागर, विशेष आयुक्त पुलिस रवींद्र यादव, विशेष आयुक्त पुलिस मधुप तिवारी, विशेष आयुक्त पुलिस सागरप्रीत हुड्डा , विशेष आयुक्त पुलिस एचजीएस धालीवाल और विशेष आयुक्त पुलिस सुरेन्द्र सिंह यादव भी उपस्थित थे।

डॉक्टरों के अनुसार, उच्च सामाजिक और आर्थिक समृद्ध परिवारों के 30% से ज्यादा बच्चे आयरन की कमी से पीड़ित हैं

» मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। बच्चों में आयरन की कमी अब गरीब परिवार के बच्चों में ही नहीं होती है बल्कि अमीर घरों के बच्चों में भी यह समस्या अब ज्यादा देखी जा रही है। पारस हॉस्पिटल्स के डॉक्टरों ने खुलासा किया है कि ओपीडी में समृद्ध घरों के बच्चों में आयरन की कमी के बहुत सारे केसेस देखने को मिल रहे हैं। पीडियाट्रिक्स और नियोनेटोलॉजी के एचओडी डॉ मनीष मन्नान ने कहा कि माता-पिता को उनके अपने बच्चे में त्वचा का पीलापन, थकान, भूख न लगने, खराब विकास, एकाग्रता की कमी, घबराहट, चिड़चिड़ापन के प्रमुख लक्षण होने के बावजूद गंभीर रूप से आयरन की कमी का अंदेशा नहीं है। शहरी भारत में बच्चों में आयरन की कमी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन गई है। आयरन की कमी हल्की से लेकर एनीमिया के स्तर तक हो सकती है। एनीमिया एक ऐसी बीमारी होती है

जिसमें खून में पर्याप्त स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं नहीं रह जाती हैं। अगर आयरन की कमी का इलाज न किया जाए तो इससे बच्चे का विकास बाधित हो सकता है। पारस हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक्स और नियोनेटोलॉजी के एचओडी डॉ मनीष मन्नान ने इस समस्या की भयावहता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ह्लहम अपने ओपीडी में हर दिन ऐसे बच्चों को देख रहे हैं जिनमे आयरन की कमी होती है। हमें लगता है कि अमीर और समृद्ध परिवारों के 30% से ज्यादा बच्चे आयरन की कमी से पीड़ित हो सकते हैं। माता-पिता को यह अंदेशा नहीं होता कि उनके बच्चों में आयरन की कमी है।

अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी द्वारा अमर शहीद विजय सिंह पथिक स्मृति दिवस पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले कई ऐसे वीर सपूतों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को इतिहास के पन्नों पर यथोचित स्थान नहीं दिया गया। इन्हीं अमर वीर बलिदानी में विजय सिंह पथिक का नाम भी है । भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनके अमूल्य योगदान एवं त्याग बलिदान की अमर गाथा को जन जन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है दिल्ली के तुगलकाबाद गांव निवासी प्रख्यात अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी ने। उन्होंने विजय सिंह पथिक का स्मृति दिवस 29 मई को इंडियन सोसायटी आफ इंटरनेशनल लॉ (करकछ) दिल्ली में आयोजित किया । जिसमें कई राज्यों के न्यायाधीश, गुर्जर समाज के प्रख्यात अधिवक्ता एवं गणमान्य लोगों ने भाग लेकर पथिक जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किया तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। इसकी जानकारी देते हुए विद्वान अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी ने बताया की इस अवसर पर गणमान्य लोगों में जम्मू कश्मीर से जस्टिस अकरम चौधरी, पटना से जस्टिस सुनील पवार, राजस्थान से जस्टिस वीरेंद्र सिराधना, एडीजे गाजियाबाद ईश्वर नागर, गुजरात से पवन सिंह भट्ट, एडीजे दिल्ली गजेंद्र नागर, एएजी चंडीगढ़ रमेश अंबावता, एएजी हरियाणा पवन झांडा, दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी, विधायक मदनलाल के अलावा दिल्ली हाईकोर्ट के वाइस प्रेसिडेंट जतन सिंह, मेंबर बार काउंसिल और चेयरमैन इनरोलमेंट कमेटी राजपाल कसाना, कड़कड़डूमा कोर्ट के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद नागर, साकेत कोर्ट के पूर्व अध्यक्ष करनैल सिंह, साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव धीर सिंह, गुड़गांव बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अभय दायमा, साकेत बार एसोसिएशन के एग्जीक्यूटिव मेंबर सत्येंद्र सिंह, एडवोकेट हरिचंद, प्रदीप नागर, सुनील खत्री, सत्येंद्र डेढा के अलावा गुर्जर समाज के अन्य गणमान्य अधिवक्ता इस अवसर पर उपस्थित रहे। स्वतंत्रता सेनानी विजय सिंह पथिक का जन्म 27 फरवरी 1882 को बुलंदशहर के एक गुर्जर परिवार में हुआ था तथा उनकी मृत्यु 28 मई 1954 को हुआ । महान स्वतंत्रता सेनानी के साथ श्री पथिक एक शिक्षाविद एवं सफल पत्रकार के रूप में भी अपनी अमिट छाप सभी के दिलों पर छोड़ी है। गांधीजी के सत्याग्रह आंदोलन के पहले बिजनौर के किसानों की दुर्दशा को लेकर श्री पथिक ने आंदोलन शुरू किया था। 1915 में 1857 की क्रांति के तर्ज पर रासबिहारी बोस के नेतृत्व में गदर आंदोलन का राजस्थान में कमान स्वतंत्रता सेनानी पथिक के हाथों में दिया गया। विजय सिंह पथिक एक पत्रकार के रूप में गणेश शंकर विद्यार्थी द्वारा संपादित प्रताप, राजस्थान केसरी, नवीन राजस्थान आदि समाचार पत्रों में किसानों की दुर्दशा तथा किसानों को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ जागृत करने में अपनी लेखनी के माध्यम से अहम भूमिका निभाई। 1920 में पथिक जी के प्रयास से अजमेर राजस्थान सेवा संघ की स्थापना की गई। ऐसे महान विभूति के बलिदान को इतिहास के पन्नों पर उचित जगह नहीं मिलना उनके साथ अन्याय ही कहा जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित न्यायाधीशों ने गुर्जर समाज के युवाओं का आह्वान किया की वह उच्च शिक्षा प्राप्त करें तथा विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर स्थापित होने के लिए लगातार संघर्ष करते रहे ।इसको लेकर जमीन जायदाद एवं मुआवजा से संबंधित मुकदमा में सिद्धहस्त अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी ने जन जन तक उनके महान व्यक्तित्व को पहुंचाने का संकल्प लिया है और इसी के तहत आयोजित स्मृति दिवस में प्रबुद्ध जनों के समक्ष राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान की चर्चा की गई। अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी चौधरी स्वरूप सिंह के पद चिन्हों पर चलते हुए गुर्जर समाज के सर्वांगीण विकास, गुर्जर समाज के युवाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं इस समाज के होनहार बच्चों की सफलता पर उन्हें प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने का काम काफी लंबे समय से करते आ रहे हैं। कोरोना काल के दौरान गरीबों एवं जरूरतमंदों को हर तरह की सहायता अधिवक्ता इंदर सिंह बिधूड़ी ने दिया । गुर्जर समाज के हर सुख दुख में वह हमेशा बराबर के भागीदार रहे हैं तथा जब भी जिस तरह की जरूरत समाज को पड़ती है वह हमेशा तन मन धन से उनके साथ खड़े रहते हैं। तुगलकाबाद गांव दिल्ली में किसी पहचान की मोहताज नहीं है, क्योंकि दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी भी तुगलकाबाद गांव के ही निवासी हैं ।

माननीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा कौशल विकास निगम मिशन के तहत युवाओं का उज्जवल भविष्य बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है: आरसी बिढ़ान, आइएएस

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम के में हरियाणा कौशल विकास निगम के तहत चल रहे कौशल केंद्र के बैच वेरिफि केशन समारोह के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर संजना कल्याण चक्रपुर केंद्र पहुंची। चक्रपुर केंद्र में एडसिल इंडिया लिमिटेड द्वारा हरियाणा कौशल विकास निगम की सूर्या स्किम के तहत डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स की ट्रेनिंग निशुल्क करवाई जाती है।

प्रोजेक्ट मैनेजर संजना ने बताया कि कौशल विकास निगम की सभी स्कीम को धरातल लेवल पर सुचारू रूप से शुरू करने और जरूरतमन्दों को ट्रेनिंग देकर रोजगार मुहैया करवाने के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर रमेश चंद्र बिडान के नेतृत्व में पुरजोर तरीके से स्किम को चलाया जा रहा है , साथ ही उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी द्वारा लागू की गई स्किम मुख्यमंत्री अंत्योदय योजना (जिसमें 1 लाख 80 हजार से कम वार्षीय आय वाले परिवार आते हैं) में आने वालों को इस स्कीम में पहल ढ़ी जा रही है ताकि उन्हें ट्रेनिंग देकर रोजगार मुहैया करवाया जा सका।

प्रोजेक्ट मैनेजर संजना ने बताया की बच्चो में कोर्स के प्रति उत्साह देखने को मिला। केंद्र में हरियाणा कौशल विकास निगम द्वारा डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स की ट्रेनिंग के साथ साथ स्किल कम्युनिकेशन भी सिखाई जाती है जो बच्चो को प्रतिभा को निखरती है

मैनेजिंग डायरेक्टर आरसी बिढ़ान का कहना है की हरियाणा सरकार द्वारा रोजगार के अवसर में वृद्धि करने का निरंतर प्रयास किया जाता है। जिसके लिए हरियाणा सरकार विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन करती है। हाल ही में हरियाणा सरकार हरियाणा कौशल विकास योजना के अंतर्गत एक पोर्टल लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से वह नौकरियां जो नोकरी आउटसोर्सिंग के माध्यम से प्रदान की जाती थी उनको ऑनलाइन कर दिया गया है।

पंजाब में सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या, भगवंत मान दे इस्तीफा : मोहम्मद शाहिद

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर, मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। पंजाब के गायक सिद्धू मूसेवाला की रविवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई है. घटना में मूसेवाला के साथ रहे दो अन्य लोग घायल हो गए हैं. हमलावर काले रंग की कार से आए थे. बता दें कि एक दिन पहले पंजाब सरकार ने मूसेवाला समेत 424 श्कढ की सुरक्षा वापस ली थी। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद भगवंत मान सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं. हत्या से एक दिन पहले सिद्धू मूसेवाला की सुरक्षा वापस लेने पर विपक्ष ने सवाल उठा रहा हैं। कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद शाहिद ने इस घटना पर दुख जताया है. उन्होंने कहा प्रतिभाशाली कलाकार सिद्धू मूसेवाला की हत्या से मैं स्तब्ध और दुखी हूं. दुनियाभर से उनके चाहने वालों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

मोहम्मद शाहिद ने कहा पंजाब में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी हैं. भगवंत मान पंजाब में लॉ इन ऑर्डर कायम रखने में नाकाम हैं. उन्होंने कहा पंजाब में अपराधियों के हौसलें इतने बुलंद हो चुके हैं की दिन दहाड़े हत्यारे हत्या की वारदात को अंजाम दे देते। मोहम्मद शाहिद ने कहा पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद अपराध में इजाफा हुआ हैं. उन्होंने कहा केजरीवाल, राघव चड्डा समेत कई नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई लेकिन सिद्धू मूसेवाला की सुरक्षा वापस ले ली गई।

मोहम्मद शाहिद ने कहा पंजाब में इस निर्मम हत्या पर पूरे देश में रोष है. पंजाब के मुख्यमंत्री पर कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं है उन्हे अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

इंटरनेशनल इनोवेटिव फ्यूचर एजुकेशन समिट 2022 में पीयूष पंडित के आमंत्रण पर आये 12 देशों के प्रतिनिधि

इंटरनेशनल इनोवेटिव फ्यूचर एजुकेशन समिट 2022 के शुभ अवसर पर, स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट (एसबीपी) ने इंटरनेशनल इंटर्नशिप यूनिवर्सिटी (आईआईयू) के सहयोग से श्री पीयूष पंडित और विभिन्न अन्य लेखकों के पुस्तकों का विमोचन को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में दुनिया के 12 देशों के लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें प्रमुख थी इंटरनेशनल जरनल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन इन मल्टीडिसीप्लेनरी स्टडीज , पीयूष पंडित और डा स्निग्धा कदम द्वारा लिखित हैंडबुक ओन राइट्स ऑफ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटीज एक्ट 2016, डा दीप्ती राजोत्या लिखित हैंडबुकॉफ काउंसलिंग चिल्ड्रन एंड एडोलेसेंट्स, पियूष पंडीत द्वारा लिखित ब्लॉकचैन , डा अर्चना बर्मन लिखित लीजेंड ऑफ टेनिस, डा निधि बंसल, डॉ. मसुदा यास्मीन, डॉ. अर्चना बर्मन, बीबी आयशा शेख, डॉ. निधि बंसल, सोनिया अचंतानी, डॉ. मंजीत लगा, स्मृति अग्रवाल लिखित लॉक स्टॉक एंड बैरल ऑफ अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन। इस अवसर पर *इंटरनेशनल इंटर्नशिप यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 10 देशों के 10 पैनलिस्टों के साथ पैनल चर्चा कि गयी चर्चा का विषय था वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्व में डिजिटल शिक्षा का भविष्य कीर्ति शर्मा, भारत की एक अनुभवी शिक्षाविद्, ने अपने अनोखे अंदाज में विभिन्न देशों के विशेषज्ञों,

साथी पैनलिस्टों ने डिजिटल मध्यम से शिक्षा पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया: सुश्री सुजाता कोइराला- नेपाल, डॉ. के.एल.गंजू- यूनियन ऑफ कोमोरोस , मिस्टर कूलिबली डी. हार्वे- बुर्किनो फासो, प्रो. डॉ. चैप। जनरल चार्ल्स - नाइजीरिया, सुश्री लेसेन्दी गेमेल्वे- बोत्सवाना, श्री विजय मेहता - रोमानिया, ब्रजेश माहेश्वरी- भारत, डॉ मालिनी ईगनाथन - मलेशिया, सुश्री एर्मिना ओप्रीकन - रोमानिया, सुश्री नाना क्वारत्सखेलिया - जॉर्जिया और भारत के वैज्ञानिक डॉ टी एन सुरेश कुमार जैसे बहुचर्चित व्यक्तियों ने सहभाग लिया। इस पैनल चर्चा का उद्देश्य विशेषज्ञों के एक समूह के बीच बातचीत को बढ़ावा देना था ताकि वे दर्शकों को अपनी चर्चा, प्रवचन और बातचीत से अवगत करा सकें।वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्व में डिजिटल शिक्षा का भविष्य पर पैनल चर्चा ने डिजिटल शिक्षा की जरूरतों और महत्व पर ध्यान केंद्रित किया है और शिक्षा की दिशा में एसबीपी और आईआईयू द्वारा किये गए प्रयास को एक क्रांतिकारी कदम बताया इस अवसर पर इंटरनेशनल इंटर्नशिप यूनिवर्सिटी के फाउंडर पीयूष पंडित ने शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने के लिए विश्व शिक्षा नीति (वर्ल्ड एजुकेशन पॉलिसी हएढ), एक शिक्षा-एक नींव-एक नीति, दुनिया भर में शिक्षा में क्रांति लाने के लिए, इस प्रस्ताव को घोषित किया पीयूष पंडित जी ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में सभी बाधाओं को दूर कर विश्व के हर एक कोने में शिक्षा पहुंचने का सपना साकार होगा , इस बात की घोषणा की उन्होंने अपने प्रस्ताव में कहा कि हएढ एक आदर्श वाक्य है जिसका उद्देश्य एक शिक्षा, एक फाउंडेशन और एक दुनिया है इस अवसर पर एक सत्र में इंटरनेशनल इंटर्नशिप यूनिवर्सिटी द्वारा दीक्षांत समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्र -छात्राओं को डिग्री वितरण के साथ विभिन्न देश की जनि मानी हस्तियों को मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया पीयूष पंडित स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट के संस्थापक-अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप

विश्वविद्यालय के संस्थापक ने ब्यूरो चीफ विजय गौड़ को बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुजाता कोइराला, नेपाल की पूर्व उप प्रधान मंत्री और नेपाल के पूर्व विदेश मंत्री; विशेष अतिथि श्री के.एल.गंजू, महावाणिज्यदूत (हाई।) कोमोरोस संघ; डॉ. श्याम सुंदर पाठक, सहायक आयुक्त जीएसटी, यूपी सरकार; डॉ. मालिनी ईगनाथन, तदिका मांजा पिंटार, मलेशिया की प्रधान संस्थापक ब्रजेश माहेश्वरी, निदेशक एलन कैरियर संस्थान, आयुषी डे मॉडल, अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता; डॉ. प्रकाश जोशी, भारतीय विदेश सेवा अधिकारी , इंद्रजीत घोष, अध्यक्ष एमएसएमई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया; विजय मेहता, सामाजिक-राजनीतिक उत्प्रेरक आदि प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को और गरिमामय बना दिया समारोह के श्रेष्ठ संयोजन में स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट के संस्थापक-अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप विश्वविद्यालय के संस्थापक पीयूष पंडित का उल्लेखनीय योगदान रहा

संक्षिप्त समाचार

एस डी एम ने ग्राम पंचायत टिंडोंली के कोटा डीलर की जांच के किये आदेश

अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी । तहसील मैनपुरी के ग्राम पंचायत टिंडों ली के उचित दर विक्रय केंद्र के कोटा डीलर राजवीर सिंह यादव के विरुद्ध उसी गांव के अधिवक्ता देवेन्द्र सिंह कटारिया ने जिलाधिकारी मैनपुरी व एस डी एम सदर मैनपुरी को यह कह कर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि कोटा डीलर राजवीर करीब 20 वर्षों से कोटा का संचालन कर रहा है उसे जो कोटा आवंटन हुआ है वह नियम विरुद्ध हैं क्यो कि उसके परिवार सीमा यादव टिंडों ली कि प्रधान हैं जो पूर्व में भी कई बार प्रधान रही हैं जब शासन का नियम हैं कि प्रधान के परिवार जनों को राशन का कोटा आबंटित नही हो सकता हैं पूर्व में सीमा यादव राजवीर यादव के सगे भाई की पत्नी हैं और अब भाई के स्वर्गवास के बाद वह राजवीर के साथ रह रही हैं राजवीर ने शासन व प्रशासन को गुमराह धोखाधड़ी करके अब तक संचालन करता आ रहा हैं क्योंकि की वह राजनीतिक दलों से मिला हुआ है और गांव में दबंग प्रवर्ति का है उसने कोटा डीलर के रहते हुये अवैध संम्पति अर्जित की हैं इसकी शिकायत कटारिया अधिवक्ता ने सी एम पोर्टल पर कमिश्नर आगरा को भी हैं कि राजवीर यादव कोटा डीलर के कोटा के अनुबंध की जांच कर उसे निरस्त किया जाये तथा उसने जो 20 वर्षों से जो कमीशन प्राप्त किया है वह वसूल करते हुए एफ आई आर दर्ज कराई जाए जिस पर एस डी एम निवेदिता शर्मा ने तुरंत जांच के आदेश किये ।

श्री अरूट महाराज की जयंती पर उन्हें यहां याद किया गया

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात । अरोड वंश समाज के आदि प्रवर्तक श्री अरूट महाराज की सोमवार को जयंती पर उन्हें वार्ड नं-14 विशाल भवन तावडू में याद किया गया । आमडा के महासचिव वीपी अदलखा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके तैलचित्र पर सभी ने नमन कर पुष्पांजलि भेंट की । महासचिव ने कहा कि अगर आप अपने पुर्वजों या गुरूओं की गाथा सभी के साथ सांझा नहीं करेंगे तो आने वाली पीढियों तक हमारा इतिहास नहीं पहुंच पायेगा । उन्होंने बताया कि उनकी शिक्षाएं हमारे लिए प्रासंगिक हैं और हम सबका भी दायित्व बनता है कि ऐसे मौके पर आयोजन करने से पुरखों की याद को ताजा किया जा सकता है । उन्होंने बताया कि श्री अरूट महाराज ने अरूट वंश की स्थापना की थी लेकिन मौजूदा भाग दौड की जीवन शैली ने समाज-वंश के संस्थापक को भूल बैठे हैं । जबकि ऐसे मौके पर ऐसे आयोजन लाजमी होने चाहिए, अंत में सभी ने संगठन मजबूती का संकल्प लिया । इस अवसर पर आमडा के प्रधान सुरेन्द्र सिंह, विशाल सहित संस्था के लोग भी मौजूद रहे ।

मेवात के छोरे फैसल खान ने बाजी मारी ,यूपीएससी में 364 रैंक आई

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात । संघ लोकसेवा आयोग(यूपीएससी) के नतीजों में मेवात के छोरे फैसल खान ने बाजी मारी हैं और उनकी 364 रैंक आई है । इससे पूर्व उनका आईआरएस में चयन हुआ था और उदयपुर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं । यहां यह बताना जरूरी है कि फैसल खान के पिता रफीक खान स्कूल में प्रिंसिपल हैं जो जिला नूंह की पुन्हाना तहसील के गांव डोंडल के रहने वाले हैं । वह बचपन से ही पढने वाला बच्चा था । वह सन 2019 में राजस्व विभाग में चयनित हुए थे । उनकी माता गृहणी हैं तथा उनकी बहन डाक्टर है । उनकी कामयाबी पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जाहिर की है । जबकि समीपवर्ती सोहना की अंबेडकर कॉलोनी वार्ड नंबर 6 में रहने वाले महेंद्र कुमार जाजोरिया के पुत्र अवधेश देश की सर्वोच्च परीक्षा पास करके आईपीएस सिलेक्ट हुए हैं ।

32 विद्यार्थियों का विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयनित होने से कार्यक्रम आयोजित

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात । बालाजी शिक्षण संस्था तावडू के अध्ययनरत 32 विद्यार्थियों का विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयनित होने से सोमवार को आर्य समाज मंदिर में एक समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में तहसील तावडू शालीनी लाठर, नपा अध्यक्ष मनीता गर्ग व सीडीपीओ मीरा कुमारी आदि समेत क्षेत्र के गणमान्य लोग भी मौजूद रहे ।

राज्य सरकार भी अपने कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान दे मकान बत्ता -डागर

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात । केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों जुलाई 2021 से मकान भता 9, 18, 27 फीसदी दे रही हैं । जबकि हरियाणा सरकार अपने कर्मचारियों को मकान बत्ता 8, 16, 24 फीसदी दे रही हैं । एमपीएचई के प्रधान सुरेन्द्र सिंह डागर ने बताया की जब 7जी पेय कमीशन लागू किया गया था तब एचआरए को 10, 20, 30 फीसदी के दायरे से घटाकर 8, 16, 24 फीसदी किया गया था ।इसके अलावा इसकी 3 कैटेगरी भी बनाई गई थी । सरकार की गलत नीतियों से राज्य सरकार के कर्मचारियों को काफी आर्थिक हानि हो रही हैं ।कर्मचारियों का सरकार से अनुरोध हैं कि राज्य सरकार भी अपने कर्मचारियों को जल्द से जल्द केंद्रीय कर्मचारियों के समान जुलाई 2021 से मकान भत्ता दे और जुलाई 2021 से अपने कर्मचारियों को एरियर भी दे ताकि कर्मचारी अपने कार्य क्षेत्र में और अच्छे से मन लागकर काम कर सके ।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद में और अर्जी ईदगाह में रोज जाने की मिले इजाजत

मथुरा, एजेंसी । मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद में सोमवार को और अर्जी दी गई कि प्रकरण की जून माह में प्रतिदिन सुनवाई हो । रोज ईदगाह जाने की अनुमति मांगी गई । सीविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में प्रार्थना पत्र देने वाले दिनेश धार्मिक चिन्ह मिटाने की आशंका जाहिर की है । कोर्ट की छुट्टी में सर्वे और निगरानी की मांग की गई है । सर्वे और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद बढ़ता जा रहा है । रोजाना कोर्ट में याचिका और प्रार्थना पत्र बढ़ते जा रहे है । इससे पहले बीते सोमवार को भी दो प्रार्थना पत्र दिये गए थे । सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में सौरभ गौड़ के वाद 950/20 में प्रार्थनापत्र देकर मांग की गई है कि ठा. केशवदेव जी महाराज 13.37 एकड़ के स्वामी हैं ।

ग्राम नगला तारा में चल रही श्रीमद भागवत कथा में चौथे दिन उमड़ी भक्तो की भीड़

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। कुसमरा क्षेत्र के ग्राम नगला तारा में इंद्रेश चतुर्वेदी के आवास पर चल रही श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन सैकड़ो में भक्तो की उमड़ी और आचार्य पंडित श्री संजीव त्रिपाठी ने पहलाद कथा प्रसंग सुनाया और कथावाचक ने बताया कि भगवान नारायण का जन्म राक्षसों का संहार करने के लिए हुआ था। श्रद्धालुओं ने भगवान नारायण की सामूहिक जय-जयकार की कार्यक्रम स्थल को विभिन्न प्रकार के रंगों के गुब्बारों से सजाया गया और बधाई गीतों के बीच

भक्तिमय वातावरण बना रहा।

चौथे दिन कथावाचक ने कहा कि संकल्प लेकर जो कार्य किया जाता है। उसको निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कथा श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं का आह्वान किया कि वह श्रवण की गई कथा से संबंधित बिंदुओं को कथा स्थल पर ही न छोड़कर अपने जीवन में उनको स्थान दिलाए। क्षत्रिय का जन्म भारत भूमि की पावन धरा पर इसीलिए होता है कि वह देश, धर्म, संत, सनातन और पितरो के साथ ही माताओं और बहनों की रक्षा कर सके। भागवत पुराण, वेद, उपनिषद, रामचरित मानस जैसे सभी ग्रंथों का नियमित रूप से वाचन और श्रवण करने की प्रक्रिया अपनाने की बात भी कही। कथा में श्री लालता प्रसाद चतुर्वेदी श्री किशन लाल चतुर्वेदी श्री कन्हैया लाल चतुर्वेदी श्री सिन्दू चतुर्वेदी अरविंद पांडेय बीरेन्द्र दुवे सनी दुवे मयंक चतुर्वेदी दीपू कृष्णा चतुर्वेदी अमित चतुर्वेदी अभिषेक मिश्रा आदि सैकड़ो भक्तिगढ मौजूद रहे।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाया गया

» मयंद मोहन,मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के मौके पर सोमवार को जिला नूंह(मेवात) प्रैस क्लब(पंजीकृत) के जिला मुख्यालय नूंह स्थित गोंदाराम चौक स्थित कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों ने एक मुखर होकर कहा कि आज हिन्दी पत्रकारिता के जनक पंडित युगल किशोर शुक्ल द्वारा 30 मई 1826 को आज के दिन कोलकता में देश का पहला हिन्दी पत्र उदंड मार्तंड की शुरूआत की थी और सर्वप्रथम हम सभी उन्हें नमन करते हैं।

वहीं, पत्रकारों ने कहा कि देश की आजादी में पत्र व पत्रकारों का अविस्मरणीय योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि देश में करगिल युद्व व कोरोना वायरस महामारी आपदा में भी कलमकारों ने अपनी जान हथैली में रखकर शासन-प्रशासन के बीच एक सेतू के तौर पर कार्य किया है। आज पत्रकारिता एक जौखिम भरा व्यवसाय है खासकर नूंह(मेवात) जैसे पिछड़े जिले में संसाधनों का अभाव होने के बावजूद मीडिया अपना दायित्व को पूरी निष्ठा से निभा रहा है।

इस मौके पर जिला नूंह(मेवात) प्रैस क्लब के प्रधान सुरेन्द्र दुआ, एडवोकेट संजय गुप्ता, वेदप्रकाश अदलखा, मयंद मोहन, सुरेन्द्र माथुर, ललित जिंदल, कृष्ण कुमार आदि भी मौजूद रहें।

उधर दूसरी तरफ हिन्दी पत्रकारिता दिवस को लेकर तावडू में आयोजित विचार गोष्ठी के दौरान पत्रकारिता की समाज में भूमिका को लेकर प्रकाश डाला गया और साथ ही कहा कि पत्रकार समाचार संकलन करने से पूर्व समाचार का तथ्यों से अवलोकन करें। इस अवसर पर रमेश कालडा, गुलशन कुमार आदि भी मौजूद रहे।

जिला में शनि जयंती(शनि अमावश्या) व सावित्री व्रत(वट अमावश्या)पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला में सोमवार को शनि जयंती(शनि अमावश्या) व सावित्री व्रत(वट अमावश्या)पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा था व्रत रखे श्रद्वालूओं ने अपने अराध्य शनि देव का तेलाभिषेक करने के बाद वट वृक्ष की पूजा अर्चना की। प्राचीन सिद्वपीठ देवीभवन तावडू के पंडित विनोद शर्मा ने बताया हमें इन पर्वों से अपनी संस्कृति का ज्ञान होता है। इस दिन दान, स्नान, व्रत का विशेष महत्व है। सावित्री वट(बड़ अमावश्या) के रोज सुहागिन अपने पति की दीघार्यु और उसके कष्ट दूर करने के लिए यह व्रत रखती हैं और साथ ही कहा कि व्रत से पूर्व हमें इनका संकल्प लेना चाहिए।

बता दें कि, न्याय के देवता भगवान शनिदेव के जन्मोत्सव को शनि जयंती के रूप में मनाया जाता है ,जबकि वट सावित्री का व्रत सुहागिन स्त्री अपने पति की लम्बी आयु व कष्ट दूर करने के लिए यह दोनों व्रत एक ही दिन मनाये जाते हैं।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिग्रेड की मासिक बैठक सम्पन्न

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी ।समाजवादी पार्टी के मागर्दशर्क तेज प्रताप सिंह यादव पूर्व सांसद मैनपुरी के निदेशार्नुसार जनपद मे समाजवादी पार्टी के सभी फ्रटल /प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित किए जाने के क्रम मे सोमवार को समाजवादी पार्टी कायार्लय पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिग्रेड की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष जीशान अली खान की अध्यक्षता मे आयोजित की गई । जिलाध्यक्ष जीशान अली खान ने कहा कि हम सभी संगठित होकर ही इन विषम परिस्थितियो का मुकावला कर सकते है देश में महगाई बेरोजगारी व दैनिक जीवन उपयोग की बस्तुओ की कीमत बढती जा रही है जनता मंहगाई से त्रस्त है गरीब और गरीब होता जा रहा है धनवान और धनवान होता जा रहा है बतर्मान सरकार पूजीपतियो को बढावा दे रही है इससे निजात पाने के लिए हम सभी संगठित हो कर अखिलेश यादव नेतृत्व मे समाजवादी पार्टी को सुदृढ करने का काम करे ।

इस अवसर जिला महासचिव रामनरायन बाथम ने कहा कि पार्टी तभी प्रगति कर सकती जब सभी सगठित हो कर वूथ स्तर पर जुट जाये एवं अनुशासन मे रहकर पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करे साथ नृप चैधरी ने कहा संगठित होकर पार्टी की रीति नीति को जनता तक पहुचाये। राजेश खटीक सदस्य जिला पंचायत ने सगठन का विस्तार किये जाने की उपेक्षा की इस अवसर पर शरफराज मंसूरी, शिवम सक्सैना, अभिषेक यादव आदि वक्ताओ ने विचार व्यक्त किये ।

इस अवसर पर अकित कठेरिया, यूसफ खान, विवेक यादव, अंकित राठौर, आकाश गुप्ता, सरफराज मंसूरी, अवनीश पाल, तुसार, नितिन भारद्वज, अभिषेक यादव, बली मोहम्मद, विकास, सतीश, आसिफ, रणवीर राठौर, मनीष कश्यप, शिवम वर्मा, जीतपाल यादव, विजय कठेरिया, दीपक यादव आदि पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

1 जून से गीष्म अवकाश, ज्ञानवापी मस्जिद मामले की सुनवाई अब 4 जुलाई को होगी

वाराणसी, एजेंसी। काशी ज्ञानवापी विवाद मसले की जिला सिविल कोर्ट में चल रही सुनवाई अब 4 जुलाई को होगी। दरअसल, 1 जून से अदालतों में गीष्म अवकाश की छुट्टियों के चलते सुनवाई की अगली तारीख 4 जुलाई दी गई है। वहीं सर्वे रिपोर्ट देने के बाद अब कुछ ही देर में जिला जज अपना फैसला जारी करेंगे। गौरतलब है कि सोमवार को कोर्ट में प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलीलें रखीं थीं। इस संबंध में हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने जानकारी दी। वहीं हिंदू पक्ष के वकील ने सुनवाई के बाद जानकारी दी कि मस्जिद के सर्वे संबंध वीडियोग्राफी की सीडी दोनों पक्षों को डिटेल ऑर्डर के बाद दे दी जाएगी। वहीं मुस्लिम पक्ष का बहस के दौरान कहना था कि मां श्रृंगार गौरी से संबंधित मामला सुनवाई के योग्य नहीं है। मुस्लिम पक्ष के वकील अभय यादव ने इस दौरान दलीलें पेश कीं और काफी देर तक कोर्ट में दोनों पक्षों के बीच तेज बहस हुई।

यादव ने इस दौरान दावा किया कि मां श्रंगार गौरी का मुकदमा पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम 1991 का पूरी तरह से उल्लंघन है। मुस्लिम पक्ष ने 1937 दीन मोहम्मद बनाम राज्य सचिव के मुकदमे का निर्णय भी पढ़ा। उन्होंने कहा कि अदालत ने मौखिक गवाही और दस्तावेजों के आधार पर फैसला किया था कि ये पूरा परिसर मुस्लिम वक्फ का है। उन्होंने कहा कि हिंदू पक्ष का दावा कि ये संपत्ति वक्फ की नहीं है गलत है। ये संपत्ति वक्फ की ही है।

इस दौरान कई बार दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई और आवाज कोर्ट के बाहर तक सुनाई दी। इस दौरान शुरूआत में जिला जज ने दोनों ही पक्षों को शांत रहने की अपील की। लेकिन मामला बढ़ता गया और दोनों पक्षों की आवाज तेज होती गई। इसके बाद जज गुस्सा गए और दोनों पक्षों को तेज आवाज में बात न करने के लिए कहा। जिसके बाद कोर्ट में आवाज कम हुई।

बजट पर चर्चा के दौरान अखिलेश ने सुनाया राहुल गांधी वाला किस्सा, हंस पड़े सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सोमवार को बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने खेती-किसानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश की। अखिलेश ने इस दौरान एक स्कूल का किस्सा भी सुनाया जब उन्हें एक बच्चे ने राहुल गांधी बता डाला ।अखिलेश ने जब यह वाकया बताया तब सदन में खूब ठहाके लगे। खुद सीएम योगी भी हंसने लगे। अखिलेश ने कहा, शिक्षा सूचकांक में यूपी सबसे नीचे राज्यों में चौथे स्थान पर है। आपको दुख हो, हमें भी दुख है। हमारा यूपी 25 करोड़ का। जिस यूपी ने इतने प्रधानमंत्री दिए हों, लगातार पीएम यूपी की वजह से बन रहे हों इनकी सरकार के। वहां सरकार दिल्ली और यूपी की सरकार में शिक्षा का यह स्तर ?"

अखिलेश ने शिक्षा के इस स्तर के लिए अपनी भी गलती मानी और कहा, " मैं प्राइमरी स्कूलों में हमेशा जानता हूं। मैं एक बार नहीं गया। जब मैं मुख्यमंत्री था तब भी गया। मैं अपनी कमी भी जानता हूं। जब मैं एक स्कूल में गया। मैंने छोटे बच्चे से पूछा पहचाना मुझे ? उसने कहा हां पहचान लिया। मैंने पूछा कौन हूं मैं, उसने कहा आप राहुल गांधी हैं। यह सुनते ही सदन में ठहाके गूंज उठे। खुद सीएम योगी भी खिलखिलाकर हंसते दिखे।

अपनी बात पर हंसने को लेकर सपा अध्यक्ष ने कहा कि इन्हें दुख इस बात का नहीं है कि यूपी नीचे से चौथे स्थान पर है, इन्हें खुशी इस बात की है कि मैंने कांग्रेस पार्टी के नेता का नाम ले लिया। दुख इस बात का नहीं है इन्हें कि स्वास्थ्य के आंकड़ों में हम कहां खड़े हैं। सब लाइव जा रहा है। आज स्कूलों में बच्चों की भारी कमी है, जो आप कहते हो कि 2 करोड़ बच्चों को पढ़ाएंगे। आप उनको पढ़ा रहे हैं जो सबसे गरीब हैं।

1 जून को अयोध्या में रामलला भवन का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या, एजेंसी। राम नगरी अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। अयोध्या के रामकोट स्थित श्री राम जन्मभूमि से चंद कदम दूर अयोध्या के पहले दक्षिण भारतीय शैली मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 31 मई को कलश यात्रा के साथ शुरू होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1 जून को समारोह का शुभारंभ करेंगे। अयोध्या का ये पहला मंदिर होगा जहां भगवान श्री राम के कुलदेवता भगवान विष्णु के स्वरूप भगवान रंगनाथन का मंदिर होगा। श्री रामलला देवस्थान के महंत जगतगुरु स्वामी राघवाचार्य महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। अयोध्या में बने दक्षिण भारतीय शैली के इस मंदिर की भव्यता दूर से ही बिखर रही है।

महत्वपूर्ण तथ्य ये है कि मंदिर में विराजमान श्री रामलला, माता जानकी व लक्ष्मणकी प्रतिमाएं भी दक्षिण भारत से आई हैं। मंदिर की डिजायनिंग चेन्नई के मशहूर आर्किटेक्ट स्वामीनाथन ने किया है। अयोध्या का ये पहला मंदिर है जो श्री राम जन्मभूमि से चंद कदम की दूरी पर बनकर तैयार हुआ है, जिसमें कदम कदम पर दक्षिण भारतीय परंपरा झलक रही है। रामलला सदन के पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी राघवाचार्य ने कहा कि श्री राम लला सदन अत्यंत प्राचीन स्थान है। 300 वर्ष पुराना आश्रम यहां था। 2012 से इसकी व्यवस्था मैं देख रहा हूं और मैं इसका सलाहकार हूं।

स्वामी राघवाचार्य कहते हैं कि दक्षिण भारत की शैली में अयोध्या में कोई मंदिर नहीं है, हमने सोचा दक्षिण भारत की शैली में अयोध्या में एक मंदिर का निर्माण हो उस भाव को मैंने अपने मन में संजोया और लोग जुड़ते गए और इस मंदिर का निर्माण हुआ। जगद्गुरु राघवाचार्य ने कहा कि 31 मई से 4 जून तक भगवान का महोत्सव होगा विधि विधान के साथ मंदिर में भगवान की मूर्ति प्रतिष्ठित होगी। मंदिर बड़ा होने के कारण कुछ बड़ी मूर्तियों की भी स्थापना होगी। दक्षिण भारत से लगभग 28 विद्वान आ रहे हैं। सारा कर्मकांड संपन्न कराएंगे। 1 जून को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पधार रहे हैं।

जनता दर्शन में फरियादियों की भीड़ देख सीएम योगी हुए नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में 800 से अधिक फरियादियों की समस्याएं सुनी। जनता दर्शन में उमड़े फरियादियों से एक एक कर सीएम योगी आदित्यनाथ मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। अधिकारियों से नाराजगी व्यक्त करते हुए थानों और तहसीलों में समस्याओं के निस्तारण पर सवाल खड़े किए। कहा कि यहां आने वाले फरियादियों की भीड़ यह बताती है कि जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं हो रहा। असंतुष्ट लोग बार-बार एक ही समस्या लेकर आ रहे। सीएम ने निर्देश दिया कि पारदर्शि सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 7.15 से 9.10 बजे तक हिन्दू सेवाश्रम एवं यात्री निवास में जनता दर्शन में फरियादियों से मिले। तकरीबन 800 लोगों से सीएम योगी आदित्यनाथ ने मिल कर उनका लिखित आवेदन लिया। शेष 300 के करीब लोगों से सीएम कैंप कार्यालय के प्रभारी मोतीलाल सिंह ने मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। मंदिर में फरियादी सुबह 6.30 बजे ही काफी संख्या में पहुंच चुके थे। जनता दर्शन के बाद मुख्यमंत्री कुछ लोगों से गोरखनाथ मंदिर के लालकक्ष में भी मुलाकात की ।जनता दर्शन में सर्वाधिक मामले जमीन से संबंधित राजस्व और थानों से जुड़े थे। इनमें ऐसे कई मामले थे जो पहले भी जनता दर्शन में सीएम के समक्ष आए थे लेकिन फरियादी निस्तारण की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं थे। कुछ मामलों में तो जमीनों की पैमाइश किए बिना ही, दोनों पक्षों पर थानों से निरोधात्मक कार्रवाई कर निस्तारण कर दिया गया था, जिस पर सीएम ने सवाल खड़े किए। तमाम मामले जमीन विवाद में हिस्सा और घरेलू हिंसा के भी आए। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से लोगों ने उपचार के लिए भी सीएम योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई जिस पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे प्रार्थना पत्रों का इस्टीमेट बनवा कर शासन को भेजे, किसी व्यक्ति का उपचार पैसे के अभाव में नहीं रुकना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पुण्यतिथि पर दी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की ! भारत के पूर्व प्रधानमंत्री किसान, मजदूर मसीहा स्व. चौधरी चरण सिंह की 35वीं पुण्यतिथि राष्ट्रीय लोकदल कार्यकताओं ने उन्हें नमन कर सच्ची श्रद्धांजलि दी ! गुरुकुल नारसन इंटर कॉलेज के प्रांगण में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया ! कार्यकताओं ने चौधरी साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया ! इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकताओं ने चौधरी साहब की नीतियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया ! युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष हरमीत चौधरी ने कहा की चौधरी साहब को सच्ची श्रद्धांजलि वही होगी जब हम उनकी नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे और चौधरी साहब की विचारधारा को आगे बढ़ाएंगे ! साथ ही राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह को राष्ट्रीय लोक दल व समाजवादी पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी राज्यसभा बनाए जाने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार व्यक्त किया ! कहा की चौधरी साहब संसद के उच्च सदन राज्यसभा में किसान और मजदूरों की आवाज को उठाएंगे ! इस अवसर पर मोरध्वज सिंह आदित्य चौधरी डॉक्टर देवेंद्र वर्मा तेजपाल प्रधान चौधरी जगपाल सिंह चौधरी वीर सिंह चौधरी विजेंद्र सिंह डॉ सुदेश चौधरी योगेंद्र सिंह सुधीर मलिक डॉक्टर तेजवीर सिंह अरविंद सिंह वेदपाल सिंह आशीष धारीवाल जय कुमार मुखिया आदि उपस्थित रहे !

डॉ. कल्पना के राज्यसभा प्रत्याशी बनने से रुड़की में जश्न, बधाई देने को उमड़ी भीड़

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की ! पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष डॉ. कल्पना सैनी को राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने से पूरे जनपद में खुशी का माहौल है ! लगातार दूसरे दिन भाजपाइयों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई और हाईकमान का आभार जताया ! इस दौरान सुबह से ही भाजपा की राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. कल्पना सैनी के आवास पर बधाई देने वालों की भीड़ लगी रही ! बता दें कि उत्तराखंड में पहली बार भाजपा ने ओबीसी और रुड़की क्षेत्र निवासी किसी नेता को राज्यसभा प्रत्याशी बनाए जाने का फैसला लिया है ! इससे पहले पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत को राज्यसभा भेजे जाने की अटकलें लगाई जा रही थी, लेकिन पार्टी के इस निर्णय ने जहां सबको चौंका दिया है ! वहीं इसे लेकर रुड़की और जनपद भर के भाजपाइयों में खुशी का माहौल है ! आवास विकास निवासी डॉ. कल्पना सैनी के राज्यसभा प्रत्याशी घोषित होने से डॉ. कल्पना सैनी के परिजन, रिश्तेदार, समाज और ओबीसी मोर्चा कार्यकर्ता जश्न में डूबे हैं ! सोमवार को जगह–जगह भाजपाइयों ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया और पार्टी के निर्णय पर खुशी जताई ! इस दौरान सुबह से ही उनके आवास पर बधाई देने के लिए भाजपाइयों की भीड़ जुटी रही ! इस अवसर पर बधाई देने वालों में भाजपा जिला महामंत्री आदेश सैनी, पालिसी रिसर्च विभाग के प्रदेश सह संयोजक डॉ. अनिल शर्मा, मोहित ठाकुर, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राकेश गिरी, जिलाध्यक्ष प्रदीप पाल, किसान मोर्चा जिला मंत्री सतीश नेगी, पूर्व दायित्वधारी श्यामवीर सैनी, रामकुमार चौधरी, आर्य समाज नंद विहार के अध्यक्ष हरपाल सिंह, जवाहर सिंह, प्रवेश धीमान आदि शामिल रहे !

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो में पहाड़ी टोपी की धूम

देहरादून, एजेंसी। दून के रेसकोर्स स्थित प्ले ग्राउंड में नेशनल हैण्डलूम एक्सपो मेला लगा हुआ है जहां पर आए दिन लोगों की काफी भीड़ देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं द्वारा जमकर खरीददारी की जा रही है। इस अवसर पर गोदंबरी उद्यम देहरादून ने भी अपने स्टॉल और हथकरघा के बारे में बताया कि सभी स्थानीय कारीगरों जो अपने सौ प्रतिशत सूती हथकरघा कपड़ों के साथ हमारे जीवन को और अधिक जीवंत और रंगीन बनाते हुए इन रंग बिरंगे कपड़ों को बुनकर तैयार करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि हमारी कुल 16 सदस्यीय टीम इसमें कार्यरत हैं, जिनमें अधिकतर काम करने वाली महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि हमारा मुख्य ध्यान हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देना और रोजगार पैदा करके अपने आसपास की सभी महिलाओं को प्रेरित करना है।

8 साल सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण पखवाड़ा मनाएगी भाजपा

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार ! प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में 8 साल सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण पखवाड़ा मनाया जाने का निर्णय लिया गया है इसके अंतर्गत किए जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारी हेतु सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष डॉ जयपाल सिंह की अध्यक्षता में टोली पदाधिकारियों और मण्डल अध्यक्षों की बैठक हुई जिसमें जिलाध्यक्ष डॉ जयपाल सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8 वर्षो के कार्यकाल में भारत के विकास और सुशासन की एक ऐतिहासिक गाथा लिखी गई है जिसने संपूर्ण विश्व में भारत की छवि को नई ऊंचाई प्रदान की हैं। आज विश्व के तमाम बड़े देश अपने विवादों और समस्याओं में भारत से हस्तक्षेप करने की मांग करते हैं तथा भारत देश के नेता को आज विश्व में सर्वमान्य नेता की मान्यता प्राप्त है।

सुशासन और सेवा के इन आठ वर्षो में विश्व के सबसे बडे राजनीतिक दल भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के विजन को सामने रखकर मानव इतिहास की सबसे बड़ी माहामारी कोरोना का मुकाबला करने में अपनी जी जान लगा दी। जहां एक ओर कश्मीर से धारा 370 को हटाया गया ! मुस्लिम महिलाओं को सामाजिक समानता, सुरक्षा प्रदान करने हेतु तीन तलाक हटाने का साहसिक निर्णय लिया। काले धन को हटाने के लिए नोटबंदी का निर्णय लागू किया, देश की सीमाओं को सुरक्षित बनाने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने से भी परहेज नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूरदर्शी सोच वाले नेता हैं जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े हुए व्यक्ति के उत्थान के लिए जनधन खाता, हर घर

जल, प्रधानमन्त्री शहरी आवास योजना, भारत आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, भारतमाला योजना, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री शौचालय योजना ,निशुल्क वैक्सीनेशन, मुफ्त राशन वितरण योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। इस पखवाड़े में भाजपा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिनमे बूथ स्तर पर लाभार्थी सम्पर्क, विकास तीर्थ बाइक रैली, शहीदों के परिवार से सम्पर्क एवं सम्मान, किसान सम्मेलन, विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण, प्रभात फेरी, कोरोना वीर तथा स्वास्थ्य सेवकों का सम्मान, जिला स्तरीय रैली आदि प्रमुख रूप से रहेगें। कार्यक्रमों के आयोजन के लिए जिले के प्रमुख कार्यकर्ताओ, पदाधिकारियों को कार्यक्रम प्रमुख के दायित्व भी सौंपे गए जिनमें पखवाड़े का संयोजक अनिल अरोड़ा, सह संयोजक अमन त्यागी, विकास तिवारी व आदेश सैनी को मनोनीत किया गया। इसके अलावा सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पखवाड़े में किसान कार्यक्रमों के लिए निपेंद्र चौधरी, प्रेसवार्ता के लिए लव शर्मा ,महिला कार्यक्रमों के लिए रीता चमोली, ओबीसी हेतु प्रदीप पाल, एस सी वर्ग हेतु तेलू राम प्रधान, एस टी वर्ग हेतु संत राम, शहरी गरीब सम्पर्क हेतु सुनील अग्रवाल व राकेश गर्ग, विख्यात व्यक्ति सम्पर्क हेतु विमल कुमार, कमजोर वर्ग हेतु चतर सैन, बूथ स्तर लाभार्थी सम्पर्क हेतु देशपाल रोड़, टीकाकरण और सेवा कार्य हेतु प्रवेश प्रिया, जिला स्तरीय रैली हेतु आशु चौधरी, सोशल मीडिया हेतु मोहित वर्मा, केंद्रीय मंत्री प्रवास हेतु संदीप गोयल, लाभार्थी वीडियो हेतु सुशील रावत, बाइक रैली हेतु सचिन गुर्जर, तथा मीडिया सम्पर्क हेतु आशुतोष शर्मा, आईटी के लिए सुशील रावत, सचिन निहित को प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर जिला महामंत्री आदेश सैनी ,विकास तिवारी,अनिल अरोड़ा, देशपाल रोड, आशु चौधरी, लव शर्मा, नीपेंद्र चौधरी, तेलू राम प्रधान, चतर सेन, नागेंद्र राणा राणा, मयंक गुप्ता, सिद्धार्थ कौशिक ,धीरेंद्र गुप्ता, राजबाला सैनी, सतीश नेगी, रामकुमार चौधरी, प्रवीण संधू, अभिषेक चंद्रा, अमरीश सैनी, विकासपाल, राकेश सैनी, आलोक चौहान, लोकेश पाल, सोनू धीमान, अरविंद गोयल आदि उपस्थित रहे।

दायित्व निर्वहन के संकल्प के साथ विद्याभारती का 5 दिवसीय प्रधानाचार्य प्रशिक्षण सत्र सम्पन्न

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! विद्याभारती उत्तराखण्ड के गढवाल मंडल का पांच दिवसीय नवीन प्रधानाचार्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन आनन्द स्वरुप आर्य सरस्वती विद्या मन्दिर में किया गया। सोमवार को विधिवत रूप से सत्र का समापन हो गया ! अखिल भारतीय महामंत्री विद्या भारती अवनीश भटनागर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री डोमेश्वर साहू, उत्तराखण्ड शिशु शिक्षा समिति के प्रान्तीय मंत्री डॉ. अनिल शर्मा, विनोद रावत, नत्थीलाल बंगवाल, अमरदीप सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर समापन सत्र का शुभारंभ किया। सत्र को सम्बोधित करते हुए अवनीश भटनागर ने कहा कि प्रधानाचार्य के लिए योजना, व्यवस्था एवं प्रबन्धन में कुशल होना अत्यंत आवश्यक है। संवाद कौशल, व्यवहारिकता के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में सहभागिता के माध्यम से व्यक्तित्व में निखार लाया जा सकता है। विद्यालय विकास हेतु छात्रों के साथ-साथ अध्यापक, प्रबन्ध समिति एवं अभिभावकों से समय-समय पर संवाद करना चाहिए !क्षेत्रीय संगठन मंत्री डोमेश्वर साहू ने कहा शिक्षकों हेतु विषय ज्ञान, तकनीकि विकास, प्रशिक्षण की व्यवस्था, संगठनात्मक विकास एवं छात्र-छात्राओं हेतु मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक, सांस्कारिक विकास एवं अपने दायित्व का बोध कराना भी आवश्यक है। प्रबन्ध समिति हेतु जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करना, व्यवस्था बनाना एवं संगठनात्मक जानकरी देना भी प्रधानाचार्य के मुख्य दायित्व हैं। विद्यालय के पूर्व छात्रों को विद्यालय एवं विद्यालय के कार्यों से जोड़े रखना चाहिए। उत्तराखण्ड शिशु शिक्षा समिति के प्रान्तीय मंत्री डॉ. अनिल शर्मा ने कहा कि किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी योजना रचना बनाना अत्यंत आवश्यक है तत्पश्चात उसका क्रियान्वयन करना चाहिए। सतत चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ज्ञानवर्धन होता है।

हर्षोल्लास से मनाई गई शनिदेव जयंती, श्रद्धालुओं मांगी मन्नते

» मदरलैंड संवाददाता

रुडकी। पुरानी तहसील नवग्रह मंदिर में भगवान शनिदेव की जयंती धूमधाम से मनाई गई। ज्योतिषाचार्य आचार्य पंडित रमेश सेमवाल ने कहा कि भगवान शनिदेव कर्मों के फल दाता हैं और नवग्रहों में दंडाधिकारी हैं।भगवान शनिदेव का जन्म जेष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस को हुआ था। भगवान शनि सूर्य के पुत्र हैं, जो अच्छे बुरे कर्मों का फल प्रदान करते हैं। आचार्य पं. सेमवाल ने कहा कि ज्योतिष में शनि को न्यायाधीश का पद प्राप्त है,जो भी अच्छे कर्मों को करके भगवान शनिदेव को प्रसन्न करता है, शनिदेव उसकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। जो अशुभ कर्म करते हैं, माता-पिता का अपमान करते हैं,समाज में घृणित कार्य करते हैं उन्हें शनिदेव दंड देते हैं। कलियुग में शनिदेव कर्मों के अनुसार फल देते हैं, इसलिए हमें शनिदेव को अच्छे कर्मों के द्वारा प्रसन्न करना चाहिए।गौ सेवा,माता-पिता का सम्मान,गरीबों की सहायता व मांस मदिरा से दूर रहना चाहिए। शनि जयंती के अवसर पर शनिदेव के 1008 मंत्रों के द्वारा विशेष यज्ञ किया गया तथा शनिदेव का अभिषेक कर राष्ट्र कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। मेयर गौरव गोयल ने कहा कि गरीबों की सेवा करने,रोते हुए को हंसाने,सच्चे और अच्छे कर्म करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं, हमें सच्चाई और अच्छाई के मार्ग पर चलते जाना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. आशुतोष सिंह, प्रदीप बधावन, जगदीश अरोड़ा, पंकज नंदा, पूजा नंदा, पूनम सिंह, चित्रा गोयल, राधा भटनागर, सुलक्ष्णा सेमवाल, आदिति सेमवाल, वैद्य टेक बल्लभ, मोहित राष्ट्रवादी, गौरव त्यागी, नरेश शास्त्री, संजीव शास्त्री, सौरभ भूषण शर्मा, राधा भंडारी, सुरेंद्र शर्मा एडवोकेट, प्रदीप चौहान एडवोकेट, अभिषेक शर्मा,सुनीता, ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सतीश शर्मा, पार्षद चंद्रप्रकाश बाटा, राकेश गिरी आदि उपस्थित थे।

पत्रकारों ने मनाई गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती, मिशनरी पत्रकारिता पर दिया जोर

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। प्रशासनिक भवन के निकट रुड़की प्रेस क्लब भवन पर पत्रकारों द्वारा पत्रकारिता के पुरोधा गणेश शंकर विद्यार्थी को नमन करते हुए पत्रकारिता दिवस मनाया गया। इस दौरान गणेश शंकर विद्यार्थी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी पत्रकारगणों ने उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी सुभाष सैनी ने कहा कि पत्रकार को निष्पक्ष और ईमानदारी के साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए ताकि पत्रकारिता का स्तर साफ-सुथरी छवि का बना रहे। वही वरिष्ठ पत्रकार तपन सुशील व संदीप तोमर ने भी पत्रकारिता दिवस पर गणेश शंकर विद्यार्थी को नमन किया और कहा कि सभी पत्रकारों को उनसे प्रेरित होकर एक निष्पक्ष पत्रकारिता करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार श्रीगोपाल नारसन ने किया और कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में गणेश शंकर विद्यार्थी का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। इस दौरान प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि आज प्रेस क्लब भवन पर पत्रकारिता दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान पत्रकारिता के पुरोधा गणेश शंकर विद्यार्थी को भी नमन किया गया। साथ ही कहा कि पत्रकारों की समस्याओं और उनके अधिकारों तथा बीमा आदि समस्याओं को लेकर प्रेस क्लब गंभीर है और पत्रकारों के हित में समस्याओं के निदान को लेकर लगातार संघर्ष करता आ रहा है। उन्होंने सभी को पत्रकारिता दिवस की भी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर तमाम पत्रकारों ने पत्रकारिता दिवस पर गणेश शंकर विद्यार्थी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर महासचिव अनिल सैनी, उपाध्यक्ष अली खान, सचिव बबलू सैनी, कोषाध्यक्ष सुभाष सक्सेना, निदेशक रियाज पुंडीर, योगराज पाल, विनीत त्यागी, देशराज पाल के साथ ही वरिष्ठ पत्रकार अनिल पुंडीर, दीपक मिश्रा, तोषेन्दर पाल सिंह, महेश मिश्रा मिक्की जैदी, दीपक अरोड़ा, अश्वनी उपाध्याय, ब्रह्मानंद चौधरी, डॉ चंदन शर्मा, अरुण कुमार, विजेंद्र सिंह, मुनीष शर्मा, अनूप सैनी, गौरव वत्स, नितिन कश्यप, हेमंत तरानिया, शशांक सिंघल, राज चंद्रा, नफीस उल हसन, मनोज जुयाल, मुकेश रावत समेत आदि पत्रकार मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने कोरोना में अनाथ हुए बच्चों को सशक्त बनाने के लिए पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के माध्यम से किया फंड ट्रांसफर

देहरादून, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों को सशक्त बनाने के लिए पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के माध्यम से पात्र बच्चों को फंड ट्रांसफर किए। इस योजना के तहत अनाथ बच्चों के बैंक खातों में पीएम केयर्स फंड से छात्रवृत्ति भेजी गई। सरकार ने यह योजना पिछले साल 29 मई को लांच की थी। इसके तहत 11 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2022 के बीच कोरोना महामारी के चलते अपने माता-पिता, कानूनी अभिभावक, दत्तक माता-पिता या माता या पिता में से किसी एक को खोने वाले बच्चों की मदद की जाती है। आज एनआईसी सभागार देहरादून में पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभार्थी बच्चों को जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार ने पासबुक एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार ने कहा कि पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के लभार्थियों को प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप पीएम केयर से आच्छादित सभी बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति, उच्च कक्षाओं में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की असुविधा होने नहीं दी जाएगी। आज एनआईसी सभागार आराध्या राना, अभिषेक गौड़, प्रिया जोशी, रिया भट्ट, सानवी राना, सम्राज सूद,शौर्य सूद, विवेक भट्ट को पासबुक एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। ज्ञातव्य है कि पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना बच्चों को प्रोफेशनल कोर्स के लिए उच्च शिक्षा के लिए एजुकेशन लोन चाहिए होगा, तो पीएम केयर्स उसमें भी मदद करेगा, साथ ही रोजमर्रा की

दूसरी जरूरतों के लिए अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए 4 हजार रुपए हर महीने की व्यवस्था भी की गई है। ऐसे बच्चे जब अपने स्कूल की पढ़ाई पूरी करेंगे, तो आगे भविष्य के सपनों के लिए और भी पैसों की जरूरत होगी। इसके लिए 18 से 23 साल के युवाओं को हर महीने स्टाइपेंड मिलेगा और जब आप 23 साल के होंगे तब 10 लाख रुपये बच्चों को एक साथ मिलेंगे। योजना के तहत प्रत्येक बच्चे को 20 हजार रुपये की स्कालरशिप दी जाती है। इसके अलावा बच्चों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पीएम केयर्स फार चिल्ड्रेन पासबुक और हेल्थ कार्ड भी प्रदान किया जाएगा। एनआईसी सभागार में इस दौरान महापौर नगर निगम देहरादून सुनील उनियाल गामा, स्थानीय विधायक खजानदास, जिला बाल विकास अधिकारी अखिलेश मिश्रा सहित सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, सहित बच्चों के परिजन एवं अधिकारी, कार्मिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लोकतंत्र की रीढ़ को मजबूत करने का उत्तरदायित्व स्वस्थ पत्रकारिता पर है: प्रो. त्रिपाठी

उसंविवि और एनयूजे के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हरिद्वार,एजेंसी। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय और नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के डिजीटल सभागार में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय डिजिटल युग में पत्रकारिता की चुनौतियां था। पत्रकारिता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्यातिथि देश के जाने माने वास्तु शास्त्री कुलपति प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि लोकतंत्र का मजबूत स्तम्भ पत्रकारिता है, लोकतंत्र की रीढ़ को मजबूत करने का उत्तरदायित्व स्वस्थ पत्रकारिता पर है, इसीलिये भारत का लोकतंत्र पूरे विश्व के लिए उदाहरण है। पत्रकारिता में वक्त के साथ बहुत बदलाव आए हैं, हर दिन पत्रकार के लिए चुनौतियों से भरा होता है। उन्होंने कहा कि वैदिक परम्पराओं में भी पहले से यह होता आया है, वक्त के साथ समाज और देश ने बदलाव को स्वीकार किया है। मुख्य वक्ता स्टार स्पोर्ट्स के एंकर वरिष्ठ पत्रकार सूरज मलासी ने कहा कि पिछले दो दशकों से प्रिंट मीडिया के पत्रकार भारी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में शिफ्रट हुए हैं, चूंकि बदलते परिवेश के साथ मीडिया में व्यापक रूप से परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि डिजीटल युग में पत्रकारिता की चुनौतियां बढ़ी हैं, सोशल मीडिया के आने से हर खबर आपके मोबाइल पर तत्काल हाजिर हो रही है, इन चुनौतियों से सबसे ज्यादा प्रभावित प्रिंट मीडिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रें से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि संस्कृत के छात्र संस्कृत का ज्ञान होने के कारण विश्व के हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं, संस्कृत के छात्रें के लिए अपार समुद्र है पत्रकारिता का क्षेत्र। उन्होंने कहा आपके भीतर बेहतर उच्चारण, सम्प्रेषण की कला है तो पत्रकारिता की दुनियां आपको बेहतर अवसर प्रदान करती है। विशिष्ट अतिथि ज्वालापुर के विधायक रवि बहादुर ने पत्रकारों की समस्याओं को इंगित करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण है, पत्रकारिता के मानदंडों को स्थापित करने के लिए पत्रकार सदैव जूझते रहते हैं, वह अपने स्तर से

पत्रकारों की समस्याओं को प्रमुखता से विधानसभा में उठाएंगे। विशिष्ट अतिथि एसएमजेएन पीजी कालेज के प्राचार्य डॉ- सुनील बात्र ने आज हम मीडिया के सर्वोच्च पक्ष के रूपों को जान पाया रहे हैं, कुछ ही क्षणों में कोई भी सूचना विश्व के कोने कोने को स्पर्श कर रही है। लोकतंत्र के चैथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. धीरज शुक्ल ने डिजिटल युग में पत्रकारिता की चुनौतियां विषय को सभी के विचारार्थ प्रस्तुत किया। उन्होंने आजादी से पहले और आजादी के बाद छपने वाले समाचार पत्रें की भूमिका को विस्तार से बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय देहरादून के कुलपति प्रोफेसर सुनील कुमार जोशी ने कहा कि डिजिटल युग में प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता आज भी वैसी ही बनी हुई है, जैसे दशकों पहले थी। सूचना तकनीकी के इस युग में सावधानियां भी जरूरी हैं, तकनीक के सही इस्तेमाल के लिए ऐसी संगोष्ठियां आवश्यक हैं, जससे स्वस्थ विमर्श का निचोड़ लोगों तक सही रूप में पहुंच सके। कुलसचिव गिरीश कुमार अवस्थी ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी में शहर के वरिष्ठ पत्रकारों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जिनमें श्रीमती शशि शर्मा, कौशल सिखौला, रघुवीर सिंह, डॉ- शिव शंकर जायसवाल, डॉ- रजनीकांत शुक्ला, डॉ- शिवा अग्रवाल, दीपक नोटियाल, दीपक मिश्रा, कुलभूषण शर्मा को पत्रकारिता रत्न से विभूषित किया। संस्कृत विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के टॉपर तथा देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के टॉपर्स छात्रों को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनयूजे के संस्थापक, साहित्यकार त्रिलोक चन्द्र भट्ट तथा वरिष्ठ साहित्यकार कवि डॉ- हरिनारायण जोशी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजक सुश्री सुदेश आर्या, सहसंयोजक मनोज गहतोड़ी, एनयूजे के हरिद्वार इकाई के अध्यक्ष प्रमोद पाल, नवीन पांडेय, भगवती गोयल, लव कुमार, संजू पुरोहित, विक्रम सिंह सिद्धू, अश्वनी धीमान, सूर्या सिंह राणा, रेखा नेगी, धीरेंद्र सिंह रावत, नवीन कुमार, मुकेश कुमार सूर्या, राजवेंद्र कुमार, विनोद चैहान, वीरेन्द्र चढ्ढा, सुनील शर्मा सहित अनेक पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

शॉर्ट सर्किट से कार के इंजन को लगी आग

मदरलैंड संवाददाता, लुधियाना। बढ़ती गर्मी में सब कुछ गर्म हो रहा है मॉडल टाउन एक्सटेंशन निवासी भगवान दास सिंगला ने बताया कि वो अपने घर से गुरदेव नगर काम से गए थे अपनी सफेद रंग की वरना कार से जैसे ही उन्होंने अपनी कार को पार्क किया तो कुछ ही देर मे कार के इंजन से धुआं निकलता हुआ नजर आया और धीरे धीरे पुरे इंजन में आग लग गई जल्दी से आस पास के लोगो ने पानी डाल कर आग को बुझाने की कोशिश की तब तक पूरा इंजन जल कर राख हो गया जिसकी शिकायत डिवीजन नंबर पांच मे दर्ज कराई की कैसे कुदरत की गर्मी से कार के इंजन को आग लग गई जिससे इतना नुकसान हो गया।

विधायक भोला ने सरकारी स्कूल की किया दौरा

हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता, लुधियाना। सरकारी प्राइमरी स्कूल सुखदेव नगर में दलजीत सिंह भोला ने दौरा किया इस अवसर पर भोला ने सरकारी स्कूल की साफ सफाई चेक करते हुए कहा कि स्कूल को पूरी अच्छी तरह से साफ रखा गया है और सभी स्कूल की क्लास मे जा कर बच्चो से भी बातचीत करी उनसे पूछा कि स्कूल में कोई कमी तो नहीं भोला ने कहा कि दिल्ली की तरह लुधियाना में भी स्मार्ट स्कूल नंबर वन में सरकारी स्कूल जल्द होगे आम आदमी पार्टी की सरकार शिक्षा विभाग पूरा ध्यान दे रही है इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल अमनदीप सिंह ने और पूरे स्टाफ ने मिलकर विधायक दलजीत सिंह भोला को सम्मानित किया और स्कूल में जिस चीज को जरूरत है उसकी लिस्ट बना कर दी भोला ने विश्वास दिलाया कि जल्द ही सभी जरूरत का सम्मान पहुंच जाएगा।

गोबिंद विहार सोसाइटी, बलटाना में टाइल्स लगने का काम शुरू

मदरलैंड संवाददाता, जीरकपुर। जीरकपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 31 के अंतर्गत पड़ने वाले गोबिंद विहार सोसाइटी, बलटाना, में आज सड़कों में टाइल लगाने और प्रीमिक्स डलवाने का काम शुरू करवा दिया गया है। यह कार्य स्थानीय पार्षद नीतू चौधरी एवं गोबिंद विहार रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के चीफ कोऑर्डिनेटर चौधरी राम कुमार द्वारा करवाया गया है। राम कुमार ने इस मौके बताया कि यह काम अगले 10-15 दिनों में पूरा हो जायेगा। पिछले बहुत समय से सोसाइटी के अंदर सड़कों की हालत बहुत ही दयनीय हुई थी। आए दिन टूटी सड़कों के कारण दुर्घटनाएं हो रही थीं। राम कुमार चौधरी ने इसका श्रेय नगर पालिका प्रधान उदयवीर सिंह ढिल्लों को दिया। उन्होंने कहा कि सोसाइटी के अंदर टाइल और सड़क ठीक करवाने का कार्य उदयवीर सिंह ढिल्लों के प्रयास से ही संभव हो पाया है। इसलिए समस्त रेजीडेंट वेलफेयर सोसाइटी उनका आभार प्रकट करती है।

एमसीएम ने एक्सेल पर कार्यशाला का आयोजन किया

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ में स्नातकोत्तर गणित विभाग ने 'एक्सेल विद एमएस एक्सेल' नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस व्यावहारिक कार्यशाला के लिए प्रमुख वक्ता गणित विभाग से सहायक प्रोफेसर डॉ स्वाति सिदाना और डॉ सोनिका थे। एक्सेल और इसके विभिन्न संस्करणों के लिए एक विस्तृत परिचय प्रदान करने के अलावा, प्रमुख वक्ता ने एक्सेल के उपयोग में अंतर्दृष्टि साझा की जिसमें विभिन्न सूत्रों और कार्यों को लागू करना, डेटा का प्रारूपण, ग्राफ और चार्ट सम्मिलित करना, रिकॉर्ड बनाए रखना, डेटा को सॉर्ट करना और फिल्टर करना शामिल रहा। छात्राओं को डेटा एंट्री, डुप्लीकेसी, सॉर्टिंग, फिल्टर, कैलकुलेटिंग सम, प्रोडक्ट, एवरेज, मैक्सिमम, मिनिमम, परसेंटेज, कॉन्टेनेट, टेक्स्ट टू कॉलम, काउंट ए, वीलुकअप, पिवेटिंग, ट्रिग्नोमेट्रिक फंक्शन, पाई चार्ट, कॉलम में चार्ट और रेखांकन आदि के विषय में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस ज्ञान वर्धक कार्यशाला का समापन एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्राओं की शंकाओं का समाधान किया गया।

प्रिंसिपल डॉ. निशा भार्गव ने एमएस एक्सेल के उपयोग में कौशल के साथ छात्राओं को सशक्त बनाने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल युग में क्षमता निर्माण के लिए ऐसी कार्यशालाएँ अनिवार्य हैं।

लुधियाना भाजपा महासचिव को ब्लैक करने वाली महिला पर पर्चा

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। भारतीय जनता पार्टी के जिला महासचिव को फोन पर धमकाने और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आने पर सियासी गलियारों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि एक युवती भाजपा नेता को कई दिन से परेशान कर रही थी।

अब थाना पीएयू पुलिस ने युवती के खिलाफ आइटी एक्ट तथा विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह के मुताबिक युवती की पहचान बठिंडा के रामपुरा फूल स्थित वार्ड नंबर 4 निवासी मनदीप कौर के रूप में हुई है। पुलिस ने किचलू नगर निवासी कांतेइंदु शर्मा की शिकायत पर उसके खिलाफ केस दर्ज किया है।

सितंबर 2021 को पुलिस कमिश्नर को दी थी शिकायत

सितंबर 2021 में पुलिस कमिश्नर को दी शिकायत में भाजपा नेता ने बताया कि युवती पहले उसके बिजनेस पार्टनर संजीव कुमार के संपर्क में थी। वह संजीव कुमार से पैसे लेने के लिए उसे परेशान कर धमकियां दिया करती थी। इस पर कांतेइंदु शर्मा ने अपने पार्टनर संजीव कुमार को उसे पैसे देने से रोक दिया। जिसके बाद उक्त युवती उसे विभिन्न फोन नंबरों से फोन करके उस पर झूठा दुष्कर्म का केस डलवाने, समाज में बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देने लगी।

व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज कर करती थी परेशान

युवती अपने नंबर से उसके व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज करके भी उसे परेशान करने लग गई। जिसके चलते उसने पुलिस के पास युवती के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने आरोप सही पाए जाने के बाद युवती के खिलाफ केस दर्ज करने की सिफारिश कर दी। डीए लीगल की राय लेने के बाद पुलिस ने केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है।

इस वक्त की सबसे बड़ी जरूरत पृथ्वी का तापमान बचाने की है: नरेश अरोड़ा

» विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। आज रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 29 ने पृथ्वी बचाओ जिंदगी बचाओ अभियान की शुरूआत की इस अभियान की शुरूआत में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम के विषय में बताते हुए वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वा भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नरेश अरोड़ा ने बताया कि आज वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम पृथ्वी का तापमान बचा कर रखे और इसका एकमात्र तरीका है कि अधिक से अधिक पेड़ लगे और पेड़ों का संरक्षण हो इसके अंतर्गत आज सेक्टर 29 में बहुत से पेड़ लगाए गए उसके बाद सभी लोगों ने इकट्ठे होकर पेड़ों को संरक्षित करने की सौगंध खाई नरेश अरोड़ा ने बताया कि उनकी एसोसिएशन द्वारा हर साल कई पेड़ लगाए जाते हैं। इस साल भी लगातार नए पौधारोपण होगा और पौधों को संरक्षित रखने के लिए लोगों को जागृत करने का काम एसोसिएशन द्वारा किया जाता रहेगा। इस मौके पर नरेश कोहली ,आशीष वर्मा ,अरुण कुमार ,राकेश चौधरी, प्रदीप बुरा, नरेश शर्मा ,सोमनाथ डोगरा, ओमवीर गुलाटी ,दीपचंद ठाकुर ,बृजमोहन विज,मिकी कुमार, सतीश चंद्र, डिंपी रहल ,रामानंद यादव ,सुरेश कुमार ,अजय कुमार आदि प्रमुख सेक्टर वासी उपस्थित रहे।

स्टार्टअप लॉन्च करने को लेकर एसडी कॉलेज में आयोजित हुई एक्सपर्ट टॉक

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के द इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल की ओर से पीएमएल एसडी बिजनेस स्कूल में 'अपना स्टार्टअप कैसे प्लान करें और लॉन्च करें' विषय पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। प्रमुख क्रिएटर इकोनॉमी मोनेटाइजेशन प्लेटफॉर्म, नोरिश के सह-संस्थापक और सीईओ किनर एन सचदेव मुख्य वक्ता थे। कॉलेज की रजिस्ट्रार डॉ.मधु शर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इनोवेशन और स्टार्ट-अप के कल्चर ने आज के युवाओं के लिए कई अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज की इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल छात्रों के लिए एक नवाचार-अनुकूल वातावरण की दृष्टि को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। मुख्य वक्ता किनर एन सचदेव, जो कि कॉलेज के पूर्व छात्र हैं, ने अपने संबोधन में स्टार्टअप के लिए योजना बनाते समय संरचना और योजना के महत्व पर जोर दिया। सचदेव की प्रेजेंटेशन ने एक युवा उद्यमी के लिए एक स्टार्टअप स्थापित करने के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया। सचदेव के संबोधन के बाद इंटरेक्टिव सैशन आयोजित किया गया जहां छात्रों ने स्टार्टअप के संबंध में अपने विचारों और प्रश्नों को विशेषज्ञ के साथ साझा किया। करीब 100 स्टूडेंट्स और शिक्षकों ने फिजिकल व आनलाइन मोड में इस इवेंट में हिस्सा लिया। अंत में डॉ.मीनू गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

आचार्यकुल आचार्य विनोबा भावे की जयंती मनाएगा

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। आचार्यकुल की वार्षिक बैठक आज चंडीगढ़ के सेक्टर 43 स्थित कार्यालय में हुई। बैठक में संस्था का पुनर्गठन किया गया। केके शारदा को सर्वसम्मति से पुनः संस्था का चेयरमैन चुना गया। मीना शर्मा को वाईस चेयरमैन, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम विज और नलिन आचार्य को वरिष्ठ उप प्रधान बनाया गया। तेजिंदर सिंह को सचिव,प्रज्ञा शारदा सयुंक्त सचिव और वीरेंदर शर्मा को खजांची चुना गया। संस्था में एम एम जुनेजा,रमेश बल,कांशीराम,जे डी चीमा,राकेश शर्मा,अवतार सिंह को कार्यकारिणी में लिया गया। गुरपाल सिंह की इंचार्ज पंजाब यूनिट औंकार चंद को-इंचार्ज पंजाब बनाया गया। बैठक में संस्था ने आगामी सितंबर माह में बड़े स्तर पर आचार्य विनोबा भावे की जयंती मनाने का निर्णय किया गया। मीटिंग में आचार्य कुल द्वारा गरीब बच्चों को पढ़ाई में मदद के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। मीटिंग में गत दिन अखबार के हॉकर और गत दिन सफाई कर्मचारी की दुर्घटना में मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया व संस्था की और से परिवार को मदद का फैसला भी किया गया। मीटिंग में पिछले दिनों संस्था के कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा स्पीकर द्वारा दी गई संस्था की 2.51 लाख की ग्रांट पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया।

पुलिस ने नशीले पदार्थ बेच रहे एक आरोपित को किया गिरफ्तार, करीब 574 ग्राम गांजा बरामद

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। महेंद्रगढ़ पुलिस ने रविवार को नारनौल क्षेत्र के गांव हमीदपुर से एक आरोपित को नशीले पदार्थ गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तलाशी के दौरान आरोपित से करीब 574 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपित की पहचान कर्मवीर वासी गहली के रूप में हुई है। आरोपित के खिलाफ थाना सदर नारनौल में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि गहली चौकी की पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि कर्मवीर वासी गहली गांजा बेचने का काम करता है और गांजा बेचने के लिए हमीदपुर जाएगा। अगर तुरंत रैड की जाए तो आरोपित को नशीले पदार्थ सहित पकड़ा जा सकता है। सूचना के आधार पर टीम द्वारा तुरंत प्रभाव से बतलाए हुए स्थान पर रैड की गई। गांव हमीदपुर में स्कूल के पास एक व्यक्ति खड़ा था, जो पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा, टीम ने उसको काबूकर उससे पूछताछ की, पूछताछ में उसने अपना नाम कर्मवीर उपरोक्त बतलाया। टीम ने उसके पास से एक पॉलिथीन बरामद की, जिसकी तलाशी लेने पर पॉलिथीन से 574 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा आरोपित से पूछताछ कर आज न्यायालय में पेश किया गया।

भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ का तीन दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ का तीन दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में किया गया जिसमें शहीद भगत सिंह नगर तथा भारत रत्न अटल बिहारी नगर के कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण विभाग के संयोजक शक्ति प्रकाश देवशाली ने बताया कि शहीद भगत सिंह नगर के प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ भाजपा के प्रशिक्षण विभाग के राष्ट्रीय प्रभारी श्री मुरलीधर राव द्वारा किया गया। भारत रत्न अटल बिहारी जिला के वर्ग का शुभारंभ चंडीगढ़ भाजपा के प्रवक्ता एवं प्रशिक्षण विभाग के प्रदेश प्रभारी डॉ धरिन्द्र तायल द्वारा किया गयो इन शिविरों में संबंधित जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों व अन्य वरिष्ठ कार्यकताओं ने भाग लिया।

तीन दिन तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न विषयों पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिए गए। प्रशिक्षण देने वाले विशेषज्ञों में राष्ट्रीय प्रभारी मुरलीधर राव, हिमाचल सरकार में मंत्री श्री वरिन्द्र कंवर, राजीव सैजल, हिमाचल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राजीव बिंदल, अरुण सूद, संजय टंडन, रामवीर भट्टी, चंद्रशेखर, शक्ति प्रकाश देवशाली, डॉ धरिन्द्र तायल, रवि कांत शर्मा,जगतार सिंह ढिल्लों, महेशइन्द्र सिंह सिद्धू, प्रेम कौशिक, अजय जग्गा, रविंद्र पठानिया, इंद्रजीत सिंह, संजय शर्मा, मोहिन्द्र निराला शामिल रहे।

मुरलीधर राव ने वर्ग को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा पाने कार्यकताओं को संगठन संरचना, पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों, कार्यप्रणाली आदि विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी देने हेतु समय-समय पर प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया जाता है। कोरोना काल में हमने सभी कार्यकताओं को वर्चुअल माध्यम से प्रशिक्षित किया और जब कोरोना का संकट कुछ कम हुआ तो अब कार्यकताओं को एक साथ एक स्थान पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। अभी तक भारत भर में 900 के लगभग जिलों और 11000 के लगभग मंडलों में प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है। इसके पश्चात प्रदेश स्तर के प्रशिक्षण वर्ग प्रारम्भ होंगे।

जननायक जनता पार्टी जिले की नारनौल नगर परिषद वह दोनों नगरपालिकाओं मे मजबूती से चुनाव लड़ेगी: तेज प्रकाश एडवोकेट

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। जेजेपी जिला प्रधान तेज प्रकाश एडवोकेट ने बताया की जननायक जनता पार्टी ने गठबंधन धर्म निभाया है और भविष्य में भी निभाती रहेगी परंतु आज के राजनीतिक हालात के मद्देनजर जननायक जनता पार्टी जिले की नारनौल नगर परिषद वह दोनों नगर पालिकाओं मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी,अभी तक जेजेपी के कार्यकर्ता नारनौल महेंद्रगढ़ नांगल चौधरी तीनों सीटों पर अपना अपना दावा जता रहे थे जब से जेजेपी के कार्यकताओं को महसूस हुआ कि तीनों सीटों पर जेजेपी को चुनाव लड़ना है तो कार्यकताओं में एक खुशी की लहर दौड़ गई और जेजेपी के कार्यकर्ता बड़े उत्साह के साथ पार्टी के जिला कार्यालय में आना शुरू हुए व उम्मीदवारों की एक लंबी सूची जेजेपी कार्यालय में तैयार हो चुकी है।

तेज प्रकाश एडवोकेट ने बताया कि जितने भी कार्यकर्ता चुनाव लड़ना चाहते हैं उन में पूरा जोश का है, अब शहरी निकाय चुनाव को लेकर जेजेपी जीत के लिए पूरे दमखम से तैयारियां कर रही है तथा जेजेपी हाईकमान की तरफ से जिन उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने का आदेश प्राप्त होगा जेजेपी का प्रत्येक कार्यकर्ता स्थानीय निकाय चुनाव में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेगा और महेंद्रगढ़ जिले के तीनों निकाय के चुनाव में भारी बहुमत से जीत हासिल करने का काम करेगा, आज जिला कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक सैनी, सुरेश यादव पटीकरा, रामकुमार मकसूसपुरिया, नारनौल हल्का के अध्यक्ष सुरेंद्र पटीकरा, महेंद्रगढ़ हल्का के अध्यक्ष संजीव तवर, नांगल चौधरी हल्का के अध्यक्ष हजारीलाल लम्बोरा, यूएलबी के नारनौल के अध्यक्ष रविंद्र चौधरी, नांगल चौधरी के अध्यक्ष नवनीत शेरावत, रोहतास बड़गांव, जिला के कार्यालय सचिव वीरेंद्र घाटाशेर, वरिष्ठ नेता धर्मवीर प्रधान, विजय छिलरो, दलीप सिंह मोहनपुर, चौधरी माडू राम, सुनील श्योराण आदि अनेकों कार्यकर्ता जिला कार्यालय में पहुंचकर निकाय चुनाव के लिए विचार विमर्श करते नजर आए।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

वे दोनों बेचारे तो खिलाड़ियों को 'चौदह इंजेक्शनों' से बचा रहे थे

चैतन्य भट्ट

दिल्ली के आईएएस दंपती को क्या मालूम था कि उनका 'कुत्ता' किसी दिन उनके तबादले का कारण बन जाएगा। बेहतरीन शान से दिल्ली में रह रहे थे पावरफुल पोस्ट पर थे चूंकि अफसर है तो जाहिर है उनका कुत्ता भी ऊंची नसल का रहा होगा, देसी कुत्ता तो वे पालने से रहे अच्छा ऊंचा पूरा पूरा विदेशी नसल का कुत्ता पला था अब कुत्ता पाला है तो उसको टहलाने की जिम्मेदारी भी तो उनकी ही थी , कोई पडोसी तो उसे घुमाने लेकर जाएगा नहीं, अफसर थे तो जलवा दिखाना था इसलिये खिलाड़ियों के लिए जो स्टेडियम बना है उस्मने अपने कुत्ते को टहलाने लगे, लेकिन खिलाडियों के कारण कुत्ते का मूड खराब हो जाता था वो चाहता था कि स्टेडियम में वो और उसके आईएएस दंपती ही दिखाए दें, अपने कुत्ते की इच्छा उन दोनों ने समझ ली और घोषणा कर दी की जिस भी खिलाड़ी को भी प्रेक्टिस करना है वो सात बजे के पहले अपनी प्रेक्टिस खत्म कर ले उसके बाद उनके कुत्ते की घूमने की प्रेक्टिस चालू हो जायेगी और उस वक्त उसे कोई डिस्टर्ब नहीं करेगा ह्ल अफसर का हुकुम था तो स्टडियम वालों ने भी खिलाडियों से साफ साफ कह दिया की भैया लोगो सात बजे तक स्टेडियम खाली कर दो उसके बाद साहेब का कुत्ता यहां चहलकदमी करेगा, बेचारे खिलाडी क्या करते तो मान ली उनकी बात बात लेकिन बुरा हो एक अखबार वाले का उसने अपने फ्रंट पेज पर खबर छाप दी कि साहेब के कुत्ते के लिए खिलाडियों की प्रेक्टिस रोक दी गयी है चूंकि बड़ा अखबार था और ऊपर से अंगरेजी का था तो सरकार के भी कान खड़े हो गए, तत्काल से पेश्तर उन दम्पति को दो अलग अलग कोनों में ट्रांसफर कर दिया , पति देव को भेज दिया लद्दाख और पत्नी की टिकिट कटा दी अरुणचल प्रदेश के लिए । अपने को तो एक बात समझ में नहीं आई कि क्या कुत्ता घुमान इतना बड़ा अपराध है कि ऐसा तबादला कर दिया ह्ल वे दोनों बेचारे तो खिलाड़ियों की चिंता कर रहे थे कि यदि खिलाड़ी स्टेडियम में दौड़ते और कुत्ते का मूड खराब हो गया तो पता नहीं कब किसको काट ले बेवजह चौदह इंजेक्शन लगवाने पड़ते, खिलड़ियों को इस झंझट से बचाने के लिए तो उन्होंने खिलाडियों से स्टेडियम खाली करवा लिया था, कुत्ते का क्या है कब उसका दिमाग ठनक जाए और फिर विदेशी नसल का कुत्ता उनको कुत्ते से ज्याद ध्यान देश के खिलाडियों का था लेकिन उन्हें क्या पता था कि उनकी ये चिंता उनके लिए ही चिंता का कारण बन जाएगी, अब पति देव लद्दाख में जमी बर्फ में अपने कुत्ते को कैसे घुमाएंगे, कुत्ता पति के पास रहेगा या पत्नी उसे अपने साथ अरुणाचल प्रदेश ले जाएगी ये भी बड़ा सवाल खड़ा हो गया है उनके सामने, लेकिन अपने को ये मालूम है कि ह्लआईएएसह्ल अफसर आईएएस अफसर होता है बहुत तगडी लॉबी है उनकी सारे अफसर इकठे हो जाएंगे और सरकार पर प्रेशर डालेंगे और तमाम सरकारें तो इनके ही दम पर चलती हैं अपना तो मानना है कि कुछ दिन में मामला शांत हो जाएगा और पति पत्नी फिर एक साथ अपने कुत्ते के साथ घूमंते नजर आएंगे भले ही वो घूमने वाली जगह स्टेडियम न हो।

कान इधर से पकड़ो या उधर से

आगामी दो हजार चौबीस के लोकसभा के चुनाव की तैयारी में बीजेपी अभी से ही जुट गयी है अभी तक उसका नारा था 'कांग्रेस मुक्त भारत' अब उसने अपने नारे को बदल कर एक नया नारा दे दिया है और वो नारा है 'परिवार मुक्त भारत' देश का बच्चा बच्चा समझ रहा है कि परिवार वाद किधर चल रहा है बीजेपी तो खुद ही कह रही है कि कांग्रेस परिवार वाली पार्टी है मां, बेटा, बेटी सभी तो पार्टी के सर्वे सर्वा बने हुए हैं तो बीजेपी के नारे के भले ही शब्द बदल गए हो लेकिन निशाना तो कांग्रेस ही है, कहते हैं 'कान इधर से पकड़ो या उधर से' कान तो पकड़ा ही जाएगा लेकिन कांग्रेस करे भी तो क्या करे जिसे देखो वो ही पार्टी से विदाई गीत गाता हुआ बीजेपी में शामिल हो जाता है अभी चिंतन शिविर हुआ कांग्रेस का,बड़ी बड़ी बातें हुई लेकिन उधर चिन्तन शिविर खतम हुआ इधर पार्टी के कई बड़े नेताओ ने 'हाथ' छोड़कर ह्लकमलह्ल कोअपना लिया पर कांग्रेस और उसके नेता जानते है कि बिना गांधी परिवार के कांग्रेस का वजूद नहीं है, जब तक कांग्रेस में गांधी परिवार है तब तक कांग्रेस एक जुट है जिस दिन इस परिवार ने विदा ली उस दिन कांग्रेस खंड खंड होकर बिखर जायेगी इसलिए वे एक स्वर में गांधी परिवार के सदस्यों को ही अपना नेता मानते आये हैं मानते हैं, और मानते रहेंगे, इधर बीजेपी तो ताक में बैठीं ही है कि कब कौन सा नेता कांग्रेस छोड़े और हम उसे लपक लें, लेकिन बीजेपी वालो ये भी तो सोचो कि जो बेचारे बीजेपी के नेता और कार्यकर्त्ता अपनी जिंदगी पार्टी के लिए खपा चुके हैं उनका क्या होगा, लेकिन राजनीती में ऐसी बाते सोचता ही कौन हैं ह्ल

अंतरिक्ष में भी ट्रेफिक पुलिस की जरूरत

लोग बाग कहते थे कि अंतरिक्ष बिलकुल साफ सुथरा है हर ग्रह और तारे की अपनी पोजीशन है और खगोल शास्त्री अपनी दूरबीन की मदद से ग्रहों और तारों को देखकर उनका अध्ययन करते हैं है लेकिन अभी अभी पता लगा है कि अंतरिक्ष में इतने 'सेटेलाइट' पंहुच गए है कि खगोलशास्त्री अपनी दूरबीन घुमा गुमा कर परेशान हो जाते हैं लेकिन उन्हें कोई ग्रह नजर नहीं आता। इन सेटेलाइट की चमक में वे सारे ग्रह और तारे धुंधले पड़ जाते हैं अपनी तो सलाह ये है कि अब अंतरिक्ष में भी 'ट्रैफिक पुलिस' की तैनाती कर देना चाहिए जो उधर लगातर पंहुच रहे सेटेलाइट्स को व्यवस्थित कर सके ताकि खगोल शास्त्रियों को ग्रह और तारे साफ साफ दिखाए देने लगे, लेकिन लोगों का मानना है कि ट्रेफिक पुलिस की तैनाती तो की जा सकती है लेकिन इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा कि ये ट्रेफिक पुलिस उधर चालान के नाम पर अवैध वसूली नहीं करेगी,हो सकता है सेटेलाइट से ही रोजाना हजार दो हजार की वसूली करने लगे कि तुम ठीक से नहीं चल रहे हो, तुम रॉग साइड में खड़े हो, या तुमने नंबर प्लेट ठीक से नहीं लगाई है या तुमने हेलमेट नही लगाया है।इधर ट्रेफिक पुलिस तैनात होगी वहीं दूसरे ही दिन 'आरटीओ डिपार्टमेंट' मांग करने लगेगा कि हमारा भी डिपार्टमेंट अंतरिक्ष में खोल दिया जाए क्योकि बहुत से सेटेलाइट बिना 'परमिट' के उधर पंहुच गये है हम जाएंगे और सबका परमिट चेक करेंगे ताकि कोई बिना परमिट वाला सेटेलाइट अंतरिक्ष में न पंहुच सके देखना ये है कि इस पर सरकार कब निर्णय लेती है।

सुपर हिट ऑफ द वीक

: 'तुम तो कहते थे कि शादी के बाद भी मुझे खूब प्यार करोगे?' श्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा

'सॉरी यार ! मुझे क्या पता था कि तुम्हारी शादी मेरे साथ हो जाएगी !' श्रीमान जी ने भरे गले से उत्तर दिया।

संपादकीय

मानसून की आमद

केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। सामान्य तौर पर केरल में मानसून एक जून तक दस्तक देता है, लेकिन इस साल यहां मानसून 3 दिन पहले 29 मई को ही पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि सामान्य समय से तीन दिन पहले दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल तट पर पहुंच चुका है। बता दें कि मानसून के आने से पहले केरल के अलग-अलग जिलों में जमकर बारिश हो रही थी। केरल में मानसून के बाद भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून को भारत की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा माना जाता है। मानसून विशेषज्ञों का कहना है कि असामान्य तरीके से मानसून 16 मई को ही अंडमान-निकोबार में पहुंच गया था। चक्रवात असनी के चलते इसके तेजी से आगे बढने की संभावना थी। मानसून की बौछारें सबसे पहले जब केरल में पड़ती हैं, तो उनकी गूंज पूरे देश के खेत-खलिहान से लेकर हाट-बाजार तक में सुनाई देती है। इस बार देश को यह खुशखबरी तीन दिन पहले ही मिल गई है। यह भी माना जाता है कि मानसून के ध्वजारोहक के रूप में मानसून-पूर्व की बारिश उसके आगे-आगे चलती है। महाराष्ट्र के पुणे तक से मानसून-पूर्व बारिश की खबरें आने लगी हैं। असल में, मानसून के समय पूर्व या समय पर दस्तक देने से ज्यादा महत्वपूर्ण यही होता है कि बरसात के पूरे मौसम में उसकी प्रगति कैसी रहती है? ऐसा कई बार हुआ है कि मानसून देर से आया, लेकिन जब आया, तो दुरुस्त आया और पूरे देश की पानी की जरूरत को पूरा कर गया। इसके विपरीत यह भी हुआ है कि मानसून समय पर आ गया, लेकिन उसके बाद कमजोर पड़ गया, और देश के कुछ हिस्से प्यासे ही रह गए। पिछले कुछ साल से लगातार ऐसा हुआ है। पिछले साल भी कुलजमा मानसून अच्छा रहा था, लेकिन कुछ इलाकों की प्यास ठीक से नहीं बुझा सका था। ऐसे क्षेत्रों के किसानों के लिए यह काफी बुरा अनुभव होता है, इसलिए मई शुरू होते-होते पूरा देश यह कामना करने लगता है कि इस बार मौसम की हवाएं दगा न दें। वैसे विज्ञान की भाषा में मानसून और कुछ नहीं हवा, नमी और बादलों का एक ऐसा प्रवाह है, जो हमारे पूरे उप-महाद्वीप को कुछ सप्ताह के लिए बारिश का उपहार देता है। लेकिन बरसात का यह मौसम विज्ञान से कहीं ज्यादा हमारे लोक जीवन, हमारी संस्कृति और सबसे बड़ी बात है कि हमारी अर्थव्यवस्था के लिए महत्व रखता है। अच्छे मानसून का सबसे बड़ा मतलब है, खरीफ की बहुत अच्छी उपज होना और रबी की फसल के लिए अच्छी संभावनाओं का बनना। देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी भले ही तेजी से कम हो रही हो, लेकिन देश की 70 फीसदी जनता अभी भी कृषि पर निर्भर रहती है और इस आबादी के लिए अच्छी फसल काफी महत्वपूर्ण होती है। लेकिन अच्छी फसल देश के उद्योगों के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। मसलन हम सीमेंट उद्योग को लें। जिस साल फसल अच्छी होती है, सीमेंट की बिक्री बढ़ जाती है। देश के सीमेंट उत्पादन की 40 फीसदी खपत अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में होती है और ग्रामीण क्षेत्रों में कितना निर्माण होगा, यह इस पर निर्भर करता है कि कृषि उपज कैसी हुई है।

(विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष)

धूम्रपान के भयावह खतरे

योगेश कुमार गोयल

विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं।

दुनियाभर में पिछले कई दशकों में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर धूम्रपान को लेकर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है।

भारत में तम्बाकू का सेवन करने वालों का सर्वेक्षण करने वाली संस्था ह्यटोबेको इंस्टीच्यूट ऑफ इंडियाह्व के अनुसार हमारे यहां लोग प्रतिवर्ष 950 करोड़ से ज्यादा सिगरेटें पी जाते हैं, जिनकी औसतन कीमत दो हजार करोड़ रुपये से भी अधिक आंकी गई है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। धूम्रपान की वजह से देश पर पड़ते आर्थिक बोझ की बात करें तो इससे भारत को प्रतिवर्ष 26 बिलियन डॉलर का बोझ उठाना पड़ता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं।

करीब तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक ह्यमौत को खुला निमंत्रणह्व में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। 2019 में धूम्रपान के कारण दुनियाभर में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना है जबकि एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। एक जानकारी के अनुसार देश में प्रतिदिन 3000 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण होती है, जिनमें 10 फीसदी ऐसे होते हैं, जो स्वयं तो धूम्रपान नहीं करते लेकिन धूम्रपान करने वालों के निकट होते हैं।

विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वालों की अपेक्षा फेफड़ों का कैसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है। डब्ल्यूएचओ का स्पष्ट तौर पर कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

ह्यमौत को खुला निमंत्रणह्व पुस्तक में बताया गया है कि सिगरेट के धुएं में पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि चार हजार से भी ज्यादा घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जो मानव शरीर को विभिन्न प्रकार से नुकसान पहुंचाते हैं। गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रतिदिन बीस सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य के मुकाबले बीस फीसदी बढ़ जाती है जबकि बीस से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा पैंतीस फीसदी तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन एक पैकेट सिगरेट पीने वाला व्यक्ति अपने जीवन के आठ दिन कम कर लेता है।

बहरहाल, तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधों का एक स्वर में यही कहना है कि धूम्रपान एक अत्यंत धीमा किन्तु प्राणघातक विष है, इसलिए स्वयं तो धूम्रपान से बचें ही, धूम्रपान के आदी लोगों को भी इस लत को छोड़ने के लिए प्रेरित करें। धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

भारत को नीचा दिखाने की एक और हास्यास्पद कोशिश

» **नवीन जैन**

विश्व स्वास्थ्य संगठन को अक्सर अमेरिका और चीन पर तो मेहरबान होते देखा गया है,लेकिन भारत को लेकर पता नहीं क्यों उसकी भावनाओं में दुराग्रह की गंध आती रही है। यह बात कोविड-19 से प्रभावित या मृत लोगों के बारे में खासकर देखी जाती रही है। कुछ दिनों पहले इस वैश्विक संगठन ने हैरतनाक आंकड़े जारी किये।इनमें कहा गया है कि भारत में उक्त महामारी से 40 लाख 74 हजार लोग असमय काल कलवित हो गए । यह आंकड़ा चिंता में डालने वाला तो है ही ,विश्व पटल पर स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में भारत की छवि को धूमिल करने वाला भी है। कारण कि भारत सरकार ने अधिकृत रूप से कहा है कि भारत में कोरोना के कारण दो सालों में कुल चार लाख 81 हजार मरीज मारे गए। यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो सही आंकड़ा भारत सरकार के दिए आंकड़ें से कहीं दस गुना अधिक है।

उक्त आंकड़ें का 23 मई को भारत के स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंदा विया ने जिनेवा में वर्ल्ड हेल्थ आगेर्नाइजेशन की असेंबली के 75 वें अधिवेशन का कड़ा प्रतिकार किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि उक्त आकंड़े जारी करते वक्त डब्ल्यू. एच. ओ. ने भारत की सम्बंधित संस्थाओं द्वारा जारी अधिकृत आंकड़ों का संज्ञान लेना उचित नहीं समझा। दरअसल ,विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मई 05 को जारी रपट में अंदाज लग गया है कि पिछले दो सालों में दुनियाभर में लगभग साठ लाख लोग कोरोना के कारण प्राण गवां बैठे। रपट कहती है कि सबसे ज्यादा प्रभाव दक्षिण पूर्व एशिया ,यूरोप,अमेरिका में देखा गया ,और भारत में तो चालीस लाख 81 हजार मरीज काल कलवित हुए।अंकगणित का सामान्य विद्यार्थी और जागरूक नागरिक को विश्व स्वास्थ्य संगठन के उक्त आंकड़े हास्यदप्रद या बढ़ा - चढ़ा कर दिए गए ही लगेंगे ।क्यों? कारण मीडिया में लगातार खबरें आती रही हैं कि अमेरिका, और इटली जो दुनिया में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर क्रमशः प्रथम,एवं द्वितीय स्थान पर आते है, में कोरोना से लगातार मरने वालों के कारण प्रलय जैसी स्थिति हो गई थी। भारत में भी हालात सम्हाले नहीं सम्हल रहे थे , खासकर दूसरी लहर में,लेकिन इसके बावजूद टीकाकरण में भारत नम्बर वन पर रहा।इतना ही नही ,भारत ने अमेरिका को दवाइयां भेजी और70 से ज्यादा दूसरे देशों को टीके भेजे। सही है कि कोरोना का कहर अभी भी पूरी तरह रूका नहीं है ,लेकिन तमाम वैज्ञानिक ,डॉक्टर्स और अन्य जानकार यह भी कह चुके है कि कोरोना वायरस इतनी जल्दी जाने वाला नहीं है। कुछ वैज्ञानिकों का तो यहॉ तक कहना है कि अब दुनिया को कोविड-19 वायरस के साथ ही जीने की आदत डालनी पड़ेगी ।सही है कि जब भी कोई नैसर्गिक आपदा आती है ,तो सरकारें जनता का भय और अपने निकम्मेपन को दबाने के लिए भी हताहतों के आंकड़ों के साथ मनमानी करती है। यह भी ज्ञात हो चुका है कि 2020 में करीब चालीस लाख लोग असमय मृत्यु का शिकार हुए थे । ये भी तथ्य है कि कोविड के प्रहार को शुरू शुरू में सरकार ने आवश्यक गम्भीरता से नहीं लिया , लेकिन क्या यह सच लगता है कि एक साल यानी मार्च 22 से 31 दिसम्बर 2020 के दौरान चालीस लाख लोग कोरोना से मारे गए। यह कटु सत्य है कि कैंसर के कई सफल इलाज निकल जाने के बावजूद इस रोग से आज भी सबसे ज्यादा मरीज भारत मे ही मारे जाते हैं। कैंसर के बारे में एक शोध कहता है कि यह 332 प्रकार का होता है। मलेरिया, हदयरोग,स्वाइन फ्लू,चिकनगुनिया, वायरल बुखार ,पीलिया,टीबी,एड्स जैसी अन्य कई बीमारियां है ,जिनसे लोग बड़ी संख्या में रोज प्राण गवां बैठते है। ठीक है कि भारत की स्वास्थ्य सेवाओं में कई कमियां है ,लेकिन इसी देश में रातों रात कई अनगिनत कोविड सेंटर खोले गए। लाखों की संख्या में लोगों को बचाया गया। इसमें डॉक्टर्स,नर्सेस,अन्य मेडिकल फोर्सेस ,सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और लेखक महीनों तक दिन रात सक्रिय रहे । हमारी आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति ने कमाल कर दिखाया । लोग घरेलू नुस्खों से तक ठीक हुए। डॉक्टरों पर हेलीकॉप्टरों से फूलों की वर्षा नहीं की जाती ।कई डॉक्टर्स ,नर्सेस और अन्य पैरा मेडिकल के लोग शहीद हुए । कई पत्रकारों की भी जानें गई लेकिन मरते मरते उन्होनें कोविड मरीजों को बचाने की हरचंद कोशिश की । इसलिए यह क्यों नहीं माना जाए कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विदेशी मीडिया के एक बड़े वर्ग में 40 लाख का आंकड़ा पढ़कर उसे सच मान लिया। डब्ल्यू .एच. ओ. एक वैश्विक संगठन है जिसका भारत भी एक सम्मानित सदस्य है, लेकिन उक्त संगठन चीन और अमेरिका के इशारों पर काम करने को अभिशप्त है,क्योकि उक्त दोनों देशों ने इस संगठन के लिए तिजोरियां खोल रखी है। यदि यह संगठन पाक साफ होता तो नब्बे दिन की लिमिट के बावजूद कभी तो जाहिर करता कि चीन ने कोरोना वायरस अपनी प्रयोगशाला में विकसित किया या यह वायरस चमगादड़ों वगैरह से फैला। इसी संगठन ने यह बदख्याली भी फैलाई थी कि यह वायरस तो हवा से फैलता है या वायु जनित (एयर बोर्न)है बाद में इसी संगठन ने उक्त खबर वापस भी ले ली।

दुखद यह है कि इसी तरह कि अटपटे आंकड़ों और खबरों को आधार बनाकर विपक्ष के राहुल गांधी ,ममता बैनर्जी जैसे अधकचरे नेता जबरन का हल्ला गुल्ला मचाते है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के दावों में जरा भी दम होता तो भारत का मीडिया इतना मरियल ,निष्ठुर ,गैरजिम्मेदार आज भी नहीं है कि सरकारी लफ्फाजी की हवा नहीं निकाल देता।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

पटना में आज से टेंपों पर चलना हुआ महंगा

मदरलैण्ड संवाददाता,पटना। सीएनजी के दाम बढ़ने का असर दिखने लगा है। बिहार राज्य ऑटो रिक्शा टेंपो चालक संघ एक्टू ने पटना जंक्शन से दानापुर, सिटी और फुलवारी रूट पर चलने वाले ऑटो का पहले ठहराव यानी दो किमी का किराया बढ़ाने का निर्णय लिया है। यहां न्यूनतम किराया सात रुपये की जगह दस रुपये होगा। अन्य दूरी का किराया यथावत रहेगा। यह सोमवार से लागू होगा। अन्य रूटों पर चलने वाले ऑटो का किराया बढ़ाने के लिए ऑटो यूनियनों ने निर्णय नहीं लिया है। तीन रूटों का किराया बढ़ने के बाद अन्य रूटों पर किराया बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बिहार राज्य ऑटो रिक्शा टेंपू चालक संघ एक्टू के उपाध्यक्ष नवीन मिश्रा ने बताया कि पूर्व सोमवार से पहले स्टॉपेज यानी अधिकतम दूरी 2 किमी के लिए अब 7 की बजाय 10 रुपये देने होंगे। सीएनजी के दाम में लगातार वृद्धि और बढ़ रही महंगाई के कारण तत्काल आंशिक रूप से किराया बढ़ाया गया है। यह पटना जंक्शन से दानापुर, फुलवारीशरीफ और पटना सिटी रूट के लिए मान्य है। वहीं किराया बढ़ाने का निर्णय आरटीए की ओर से नहीं लिया गया है। आरटीए सक्रेटरी राकेश कुमार का कहना है कि पेट्रो पदार्थों की कीमत हाल के दिनों में घटी है। ऐसी स्थिति में किराया बढ़ाने का औचित्य क्या है। इस संबंध में शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग की ओर से आटो किराया बढ़ाने से संबंधित कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। इसीलिए किराया बढ़ाने का औचित्य नहीं है। मुझे जानकारी दी गई है कि तीन ऑटो यूनियन में से एक किराया बढ़ा रही है। यदि कोई यूनियन ऑटो किराया बढ़ाता है तो उसे कारण बताना होगा।

धरती के पुत्र ने रचा इतिहास सिविल सेवा परीक्षा में लाया 85वाँ रैंक

मदरलैण्ड संवाददाता, अररिया। फारबिसगंजे रेणु धरती के पुत्र ने रचा इतिहास सिविल सेवा परीक्षा में लाया 85वाँ रैंक ।फारबिसगंज प्रखंड अंतगर्त सैफगंज पंचायत वार्ड नंबर 6 निवासी अनिल भगत के पुत्र आशीष कुमार ने सिविल सेवा की परीक्षा में 85वाँ स्थान हासिल कर अपने पंचायत सहित जिले का नाम रोशन किया ।आपको यह जानकर आश्चर्य होगा की आशीष की प्रारंभिक शिक्षा हरिपुर के निजी विद्यालय से किया था ।उनके पिताजी प्राइवेट काम कर अपने बच्चों की पढाई जारी रखी ।आज बड़ा पुत्र सुपौल में सरकारी डॉक्टर है ।वही छोटा लडका आशीष पुर्व मे इढरउ की परीक्षा पास कर ऊरढ रैंक हासिल किया। इसके बावजुद उन्होनें अपना सफर जारी रखा ।आज परिणाम देखकर माता पिता सहित पुरे पंचायत में चारो और खुशी का माहौल है ।हर तरफ लोग आशीष को बधाई दे रहे है ।वही उनकी माता एक कुशल गृहणी है ।जो अपने पुत्र की सफलता पर काफी गौरवान्वित महसुस कर रही है। वही उसके पिता ने कहा ये हमारे समाज के बुढे बुजुर्गो के आशीर्वाद का परिणाम है ।बस अपने देश की सेवा करे जिससे समाज का नाम रोशन हो। वही सैफगंज पंचायत स्थित ₹श्री ट्यूशन सेंटर₹के प्रचार्य मनीष कुमार को आशीष के पिताजी ने फौन कर यह सुचना दी ।अब अपने पंचायत को भी एक कअर मिला ।प्रचार्य मनीष के बचपन का मित्र रहा है ।उन्होंने कहाँ आज खुशी से आँसु निकल पडे यह सुनकर की मेरा मित्र कअर बन गया ।वही भूतपूर्व डी एस पी डाँ अखलेश कुमार ने शुभकामनाएं व्यक्त की ।उन्होने कहा गांव मे प्रतिभा की कमी नही है सही मार्गदर्शन उन्हें उसके मंजिल तक ले जाता है ।जो अब निखर कर सामने आ रहा है ।आज उसी का परिणाम है ।बधाई देने वाले में पूर्व मुखिया सुरेंद्र प्रसाद साह, वर्तमान मुखिया दीलिप पासवान,सरपंच रामानंद पासवान,भुतपुर्व सरपंच कृष्णानंद कुँवर,सत्यनारायण यादव,चैयरमैन रंजन मंडल,डाँ रमेश वर्मा, शंकर भगत,सोनु भगत,संतोष यादव ,मदन भगत,सुरज भगत,सुन्दर भगत, पंचानंद.सिंह,मिन्टु साह,सोनु पासवान,शैशव वर्मा, डाँ.ललित वर्मा,रमण वर्मा, सनोज ठाकुर,बाबु मंडल,मनीष यादव ,राधारमण साह,सुमन सौरव सुमन ने शुभकामनाएं व्यक्त की।

धान की सीधी बुआई विषय पर किसानों का वर्चुअल चौपाल कार्यक्रम आयोजित

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र खोदावंदपुर द्वारा धान की सीधी बुआई विषय पर वर्चुअल चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया.आयोजित कार्यक्रम में डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एम एस कुंडू ने किसानों को धान की सीधी बुवाई को अपनाने की सलाह दी. उपनिदेशक प्रसार डॉ अनुपमा कुमारी ने भी किसानों को डी एस आर के बारे में विस्तृत जानकारी दी. वहीं कार्यक्रम में डीन कृषि महाविद्यालय बांदा डॉ जी एस पवार ने वाहय विशेषज्ञ के रूप में धान की सीधी बुवाई और खरपतवार नियंत्रण के बारे में संपूर्ण वैज्ञानिक विधि के बारे में बताया. कार्यक्रम के अन्य विशेषज्ञ डॉ प्रदीप सागवाल ने धान की सीधी बुवाई की प्रमुख विधियों के बारे में किसानों को अवगत कराया.वहीं विशेषज्ञ डॉ प्रकाश सिंह ने धान की सीधी बुवाई के लिए अनुकूल धान की प्रसिद्ध प्रभेदों के बारे में किसानों से चर्चा की.कृषि विज्ञान केंद्र खोदावन्दपुर के वरीय वैज्ञानिक व प्रधान डॉ रामपाल ने किसानों को बताया कि धान की सीधी बुवाई से लगभग 25000 प्रति हेक्टेयर लागत कम किया जा सकता है तथा इससे धान के खेतों से उत्पन्न होने वाली मीथेन गैस का उत्सर्जन भी कम किया जा सकता है. इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त मुख्य वैज्ञानिक (धान) डॉ अजय कुमार ने भी किसानों के बीच अपने विचार साझा किये तथा डी एस आर के प्रचार पर अधिक ध्यान देने पर विशेष बल दिया. आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक डॉ विपिन कुमार के द्वारा किया गया. कार्यक्रम में बेगूसराय, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, रोहतास, वैशाली, बांका आदि जिलों के सैकड़ों किसानों एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया.

एयरपोर्ट निर्माण के शेष बचे कार्यों को जल्द से जल्द करें पूर्णः उपायुक्त

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

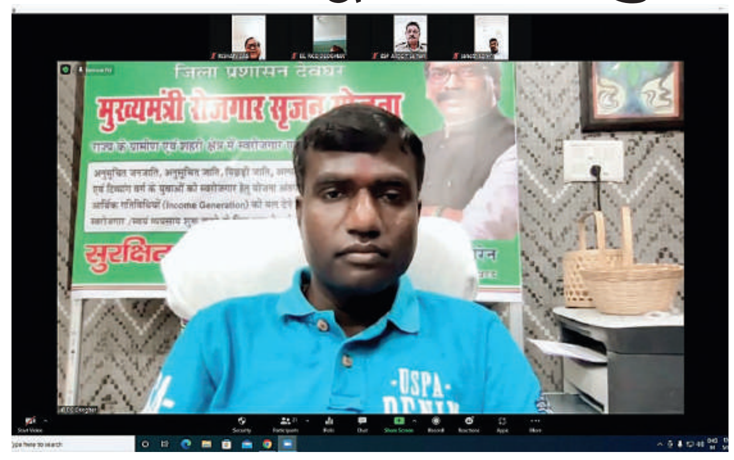

देवघर। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में देवघर हवाई अड्डा के निर्माण कार्य से जुड़े प्रगति कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा बैठक के क्रम में उपायुक्त ने पूर्व में दिये गये निर्देशों के आलोक में पूर्ण हो चुके कार्यों के अलावा चल रहे कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ शेष बचे सभी कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया।

इसके अलावे उपायुक्त ने बैठक के दौरान अंतिम चरण के कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए एयरपोर्ट परिसर के आसपास चिन्हित कुल 09 मकानों को नियमानुसार हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द करें। साथ ही कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल से आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी घरों का मुआवजा राशि सुनिश्चित करते हुए हेतु 03 जून तक आवश्यक सभी अभिलेख तैयार करते हुए उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करना सुनिश्चित करें। आगे उन्होंने एयरपोर्ट परिसर के आखिरी हिस्सों में बचे हुए पेड़ों की कटाई आदि कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण रूप से दुरूस्त करने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इसके अलावे उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने समीक्षा के क्रम में अधिकारियों को स्पष्ट निदेशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि एयरपोर्ट के आस-पास किसी प्रकार का अवैध निर्माण कार्य न हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखें। वहीं आदेश के उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों पर सुसंगत धाराओं के साथ आवश्यक व कड़ी कार्रवाई करें।

इसके अलावे उपायुक्त ने मंजूनाथ भजंत्री ने एयरपोर्ट सम्पर्क पथ के चल रहे कार्यों को लेकर संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता को कड़े शब्दों में निदेशित करते हुए कहा कि सम्पर्क पथ के चल रहे कार्यो को तय समय के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द से जल्द पूर्ण करे, ताकि आवश्यकता अनुरूप आगे का कार्य किया जा सके। साथ ही संपर्क पथ के कार्य को दिन-रात 247 एक्टिव मोड में पूर्ण करते हुए उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने एयरपोर्ट परिसर में बिजली के शेष बच रहे एक खम्भे को हटाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

बैठक में उपरोक्त के अलावे * उप विकास आयुक्त डॉ0 कुमार ताराचन्द, अपर समाहर्ता चन्द्र भूषण प्रसाद सिंह, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार यादव, एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक संदीप ढिंगरा, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, देवघर डीएन साहू, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के अधिकारी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार रजक, एयरपोर्ट डीएसपी सुमित कुमार, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, देवघर, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी, मोहनपुर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, एयरपोर्ट के अधिकारी, के अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों ने पत्रकार पर किया जानलेवा हमला, बाल बाल बचे

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

बेगूसराय। रविवार की बीती रात दौलतपुर मालीपुर मुख्य पथ पर चलकी चौक से पश्चिम पुलिया के समीप अज्ञात असामाजिक तत्वों ने एक छौड़ाही प्रखंड के पत्रकार पर जानलेवा हमला कर दिया.इस घटना में पत्रकार गंभीर रुप से जख्मी हो गया. जख्मी पत्रकार की पहचान छौड़ाही प्रखंड के भोजा गांव निवासी व हिन्दी दैनिक सामाचार पत्र के संवाददाता बलराम कुमार चौधरी के रुप में की गयी.घटना के संबंध में जख्मी पत्रकार ने बताया कि मैं अपने निजी कार्य से रोसड़ा बाजार गए हुए थे. वापस लौटने के क्रम में रविवार की रात्रि लगभग साढे नौ बजे दौलतपुर लेयर फार्म से आगे और चलकी चौक से पश्चिम पुलिया के समीप पूर्व से घात लगाए तीन अज्ञात युवकों ने मेरा बाइक रोकना चाहा, लेकिन मैं गाड़ी नहीं रोक सका. तभी तीनों युवकों ने लीची के टहनी मेरे शरीर पर फेंक दिया. जो टहनी मेरे हाथ में लग गयी और मैं जख्मी हो गया.मैं अपना इलाज स्थानीय नीजी क्लिनिक में भरवाया हूँ.जख्मी पत्रकार ने बताया कि तीनों युवकों अपने मुंह को पूरे गमछा से ढका हुआ था. जिसे पहचान नहीं सका और तीनों युवकों के पास कोई गाड़ी भी नहीं दिखाई दी. इसलिए लगता है कि कोई स्थानीय युवकों ने ही इस तरह की घटना को अंजाम दिया है.उन्होंने बताया कि पूर्व में भी खबर छापने के क्रम में मुझे धमकी भी दिया गया था. जिसका लिखित शिकायत छौड़ाही ओपी पुलिस से की थी. परंतु यह दूसरी बार घटना मेरे साथ घटी है. इस संदर्भ में थानाध्यक्ष सुदीन राम ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है, परंतु घटना से आहत पत्रकार के द्वारा अबतक कोई लिखित शिकायत नहीं की गयी है.आवेदन मिलने पर मामले की जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई की जायेगी.

नीतीश कुमार पर विश्वास पीएम मोदी करेंगे मंत्री पद का फैसला :- आर.सी.पी. सिंह

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

पटना। केंद्रीय मंत्री व जदयू नेता रामचंद्र प्रसाद सिंह उर्फ आरसीपी सिंह ने कहा है कि नीतीश कुमार उनके नेता हैं. उनके नेता ने जो फैसला लिया है वो सोच विचार कर ही लिया होगा. पार्टी और उनके हित में लिया होगा. उनका नीतीश कुमार पर पूरा भरोसा है. आरसीपी ने कहा कि नीतीश कुमार से उनका पिछले 25 वर्षों का रिश्ता है. मैं उनके साथ 1982 से काम कर रहा हूं. आज तक पार्टी में उन्हें जो जिम्मेदारी मिली वो नीतीश कुमार ने ही दी है. इस बार भी नीतीश कुमार का फैसला उन्हें मंजूर है.

संगठन को मैंने बूथ स्तर तक पहुंचाया

आरसीपी सिंह ने कहा कि वो 12 साल राज्य सभा में रहे. उन्होंने हमेशा संगठन के लिए काम किया हैं. उन्होंने पार्टी को बूथ स्तर तक कार्यकर्ता दिये हैं. आज केंद्रीय समिति से बूथ स्तर तक के कार्यकताओं से उनका संपर्क है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पार्टी ने उन्हें महासचिव बनाया, सदन में दल का नेता बनाया, राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और अभी नीतीश कुमार की सहमति से ही केंद्रीय मंत्री बना हुआ हूं. मुझे जो जिम्मेदारी दी गयी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाया है.

संगठन को लेकर कही ये बात

आरसीपी सिंह ने बिना ललन सिंह का नाम लिये कहा कि उनके अध्यक्ष रहते जदयू में कई प्रकोष्ठ बनाये गये थे, जिससे सामाजिक, भौगोलिक और लैगिंक हिस्सेदारी सुनिश्चित की गयी थी, उसकी संख्या को और बढना था लेकिन कम कर दिया गया है. आरसीपी सिंह ने पार्टी में प्रकोष्ठों को फिर से बहाल करने की मांग की है. पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि अब वो संगठन के लिए और समय देंगे. संगठन जब उन्हें बुलायेगा वो उपस्थित होंगे.

प्रधानमंत्री लेंगे फैसला

केंद्रीय मंत्रिमंडल में बने रहने पर आरसीपी ने कहा कि उनका राज्यसभा सदस्य के रूप में जुलाई तक कार्यकाल बचा हुआ है. आरसीपी ने कहा, ₹मेरे नेता नीतीश बाबू कहेंगे तो इस्तीफा दे दूंगा,मैं पीएम मोदी से मिलूंगा और अपनी बात कहूंगा,6 जुलाई तक मेरा कार्यकाल है₹. पार्टी ने उन्हें जुलाई तक यह जिम्मेदारी दे रखी है, लेकिन उनके मंत्री बने रहने पर फैसला प्रधानमंत्री मोदी करेंगे. आरसीपी ने कहा कि वो दिल्ली जाने पर प्रधानमंत्री से मिलेंगे और उनसे पूछेंगे कि नयी परिस्थिति में उन्हें अब क्या करना है.

मुझ से किसी की नाराजगी नहीं

एक सवाल के जबाव में आरसीपी सिंह ने कहा कि उनसे किसी को क्या नाराजगी हो सकती है. वो अपने मन में कुछ नहीं रखते हैं. अगर उन्हें पता चलता है कि कोई उनसे नाराज है तो वो उसकी नाराजगी दूर करने का प्रयास करते हैं. आरसीपी सिंह ने राज्यसभा के नामांकन में जाने के सवाल पर कहा कि मैं जाउंगा या नहीं यह क्यों बताउं.

रविवार को पार्टी ने काटा था उम्मीदवारी से पत्ता

मालूम हो कि रविवार को जदयू ने ये सस्पेंस खत्म करते हुए केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह का राज्यसभा से पत्ता काट दिया. उम्मीदवार के नाम की घोषणा होने के बाद आरसीपी सिंह ने पहली बार मीडिया के सामने अपना बयान दिया है. इससे पूर्व कल तक आरसीपी सिंह ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि इस बारे में वे कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते हैं. पार्टी ने वही किया जो उचित था. रविवार को जदयू ने राज्यसभा उम्मीदवार के तौर पर खीरु महतो को उतारा है, जिसके बाद आरसीपी के समर्थकों को बड़ा झटका लगा है.

टीम भावना और आपसी सहयोग से बाबा मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को दे अच्छी अनुभूतिः उपायुक्त

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा बाबा मंदिर व आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था व विधि-व्यवस्था के अलावा श्रावणी मेला से पूर्व श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा को लेकर किए जाने वाले विभिन्न कार्यों को टीम भावना व आपसी सहयोग से करने की बात कही, ताकि देवतुल्य श्रद्धालु एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करे।

इसके अलावे उपायुक्त ने मंदिर कार्यालय में बैठक कर श्रावणी मेला के दौरान किए जाने वाले विभिन्न कार्यों पर चर्चा करते हुए टीम भावना और नकारात्मक तत्वों से सावधान होकर तीर्थ-पुरोहित समाज और श्रद्धालुओं की सुविधा अनुरूप कार्य करने की बात कही। आगे उपायुक्त ने श्रावणी मेला के दौरान भक्तों की सुविधा हेतु सभी के समन्वय व टीम भावना से करने की बात कही, ताकि किसी प्रकार की परेशानी श्रद्धालुओं को न हो। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त ने मंदिर आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण की समस्या पर चर्चा करते हुए इसके निराकरण का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही बाबा मंदिर प्रांगण के अलावा मंदिर आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, कचड़ा उठाव, ड्रेनेज की सफाई आदि पर विशेष रूप से ध्यान देने का निर्देश दिया।

इस दौरान उपरोक्त के अलावे, * संबंधित अधिकारी, मंदिर समन्वय समिति के सदस्य एवं मंदिर कर्मचारी आदि उपस्थित थे

प्राथमिक चिकित्सक सहयोग समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

छपरा। तरैया थाना क्षेत्र के नेवारी गांव स्थिति डॉक्टर रामप्रवेश राय के आवास पर सोमवार को प्राथमिक चिकित्सक सहयोग समिति की एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। संगठन के उपाध्यक्ष डॉ रमेश सिंह ने बताया कि संगठन मजबूत होगा तभी हम लोग मजबूत हो सकते हैं। वही संगठन के सचिव डॉक्टर मनोज कुमार पंडित ने बताया कि 26 जून 2022 को प्राथमिक चिकित्सक सहयोग समिति का पांचवा स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। जिसको लेकर सोमवार को संस्था के सभी चिकित्सक सदस्य उपस्थित रहे और संगठन को और मजबूत करने के लिए संस्था में डॉक्टरों को जोड़ने की अपील की गई। वहीं उपस्थित सभी डॉक्टरों ने प्राथमिक चिकित्सक सहयोग समिति के संगठन को काफी सराहना की। मौके पर उपस्थित डॉक्टर रामप्रवेश राय, महेंद्र सिंह, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ विश्वनाथ राय, शिक्षक मुकेश अभिनंदन के साथ संगठन के अन्य लोग उपस्थित थे।

मसोमात एतवरिया के साथ जबरन मारपीट के आरोप में ग्यारह लोगो पर मामला दर्ज

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

लातेहार। लातेहार जिला के बालूमाथ थाना क्षेत्र के चंदली टोला के बसरियागड़ा में आपसी विवाद को लेकर एक 60 वर्षीय विधवा महिला एतवरिया मसोमात के साथ उसी गाँव के दस ग्यारह व्यक्तियों ने एतवरिया मसोमात बेटी प्रभा देवी दामाद घनश्याम यादव नाती गौतम कुमार के साथ घर में घुसकर मारपीट की गई। मारपीट में वृद्ध मसोमात महिला की बेटी प्रभा देवी के पैर टूट गई। तथा गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जख्मी महिला का इलाज बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज किया गया। इस संबंध में पीड़ित एतवरिया मसोमात ने बालूमाथ थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला घर में अपनी बेटी दामाद के साथ बैठी थी। इसी बीच इंद्रदेव यादव, चंद्रदेव यादव,कौलेश्वर यादव,केशो यादव,दीपक यादव,आनंद यादव,शेखर यादव,दिलीप यादव,छोटू यादव पप्पू यादव,दिनेश यादव पीड़ित महिला के घर में घुसकर एतवरिया तथा बेटी दामाद नाती के साथ जमकर मारपीट करने लगे मारपीट में बेटी प्रभा देवी के पैर टूट गया तथा घर में रखे सोना चांदी के गहने साथ में घर में रखे बक्सा तोड़कर 50 हजार नगद सब ले गए ।एतवरिया मसोमात ने बालूमाथ थाना में लिखित आवेदन में यह भी लिखी है कि उपरोक्त लोग कभी भी जान मर सकते है ।बार -बार धमकी दिया जाता है की जान मारकर फेक देंगे तथा घर में आग लगा देंगे। वही इस संबंध में बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया है कि आवेदन प्राप्त हुआ है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। मामले की जांच की जा रही है।

अवैध खनन कार्यो करने वाले लोगो पर जिरो टॉलरेन्स नीति के तहत करे कार्रवाईः उपायुक्त

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने अवैध कोयला, अवैध पत्थर, अवैध बालू उठाव, अवैध खनन के रोकथाम के लिए पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन की बिन्दुवार समिक्षा करतें हुए जिला खनन पदाधिकारी द्वारा की गयी कार्रवाई का ब्यौरा लिया। साथ ही जिला खनन पदाधिकारी को अवैध खनन करने वालो पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने एसपी माइंस चितरा से कोयला के उत्पादन व डिस्पैच के साथ-साथ राजस्व संग्रहण के कार्यो के अद्यतन स्थिति से अवगत हुए। इस दौरान उपायुक्त द्वारा एसपी माइंस चितरा के संबंधित अधिकारी को निदेशित करते हुए कहा कि कोयला के उत्पादन व डिस्पैच के कार्यो में तेजी लाए ताकि वर्तमान वित्तिय वर्ष में शतप्रतिशत राजस्व संग्रह का कार्य किया जा सके। आगे उन्होंने एसपी माइंस चितरा में कोयले के ढुलाई मे लगे वाहनो के संबंध में कहा कि जिला परिवहन पदाधिकारी वाहनों के फिटनेस व सही गाड़ियों का प्रयोग हो रहा है या नही का जाँच किया जाय अन्यथा जांच में पकड़े जाने पर उपरोक्त वाहन मालिक के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाई किया जाएगा। इसके अलावे उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बैठक के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेजर व माइनर मिनरल्स के कार्यो में किसी भी प्रकार से अवैध खनन व ढुलाई ना होने पाए। उपरोक्त कार्य में किसी की भी संलिप्तता पाई जाती हैं तो जीरो टॉलरेन्स नीति के तहत संबंधित व्यक्ति/संस्थान पर कार्यवाई किया जाय। आगे उन्होंने जिले में बालू के उठाव उ उसके डम्पिंग की भी जानकारी ली। साथ ही जिला खनन पदाधिकारी को निदेश दिया कि अवैध तरीके से बालू के संग्रहण में किसी की संलिप्तता पाई जाती है तो उनके लाइसेंस को रद्द करने हेतु जिलास्तर पर कार्यवाई किया जाय। उपायुक्त द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी व पुलिस उपाधीक्षक मुख्याल को मिलाकर एक टीम गठित करने का निदेश देते हुए कहा कि उपरोक्त टीम के द्वारा इस बात का निगरानी किया जाय कि श्रावणी मेला के कार्य मे लगे वाहनों को किसी भी प्रकार का समस्या ना हो। बैठक के माध्यम से उपायुक्त द्वारा ईट भठ्ठा के मालिकों निदेशित करते हुए कहा कि अपने ईट भट्ठों के संचालन हेतु उचित कागजातों को तैयार करा ले अन्यथा एन०जी०टी० के नियमों के तहत कार्यवाई किया जाएगा।

बैठक के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आपसी समन्व्य स्थापित कर अवैध खनन, गाड़ियों द्वारा अवैध ढुलाई पर अंकुश लगाने हेतु टीम वर्क के रूप में कार्य करें, ताकि त्वरित व उचित धाराओं के साथ कानूनी कार्रवाई की जा सके। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा टॉस्क फोर्स के सभी सदस्यों को निदेशित किया कि सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। ऐसे में आप सभी जब भी छापा मारने जाय तो पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल के साथ जाएं ताकि किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में आसानी से निपटा जा सके।

इस दौरान उपरोक्त के अलावे * पुलिस अधीक्षक सुभाष चंद्र जाट, अपर समाहर्ता चंद्र भूषण प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर दिनेश कुमार यादव, जिला परिवहन पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार रजक, जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार, एसपी माईनस चित्रा के अधिकारी, एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थें।

संक्षिप्त समाचार

अखंड सुहाग के लिए विवाहिताओं ने वटवृक्ष में बांधे रक्षा सूत्र

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। हसनगंज प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सुहागिनों ने वट वृक्ष की पूजा अर्चना की। वट सावित्री के अवसर पर सुहागिनों ने वरगद पेड़ के नीचे बैठकर पूजा अर्चना की। वहीं कच्चा धागा लपेटकर पति के दीघार्यु जीवन की कामना की। इस दौरान सावित्री एवं सत्यवान कथा का भी श्रवण किया। बबेया, कालसर, हसनगंज, बलुआ, रामपुर, ढेरुआ में भी विवाहिताओं ने वट वृक्ष की पूजा अर्चना की तथा पति की लंबी आयु और अखंड सुहाग के लिए रक्षा सूत्र भी बांधा। महिलाओं ने कहा कि पति के लंबे उम्र के लिए पूजा अर्चना सामुहिक रूप से कर रहे है। प्रत्येक वर्ष इस तरह से पूजा अर्चना करतें है। पूजन की सारी तैयारियां पूरी हाने पर पूजा की थाली के साथ पारंपरिक ढंग से पूजा–अर्चना करने के लिए महिलाएं घर के पास के वट वृक्ष के नीचे एकत्र हुईं। वट वृक्ष की सभी ने विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना की। वट वृक्ष पर कच्चे सूत का धागा लपेटते हुए उसके चारों ओर परिक्रमा कर अपने सुहाग की दीघार्यू की कामना किया गया।

पति के अक्षय सौभाग्य प्राप्ति के लिए सुहागिन महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आजमनगर सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में सनातन धर्मावलंबी सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष के नीचे पहुँच अपने पति के अक्षय सौभाग्य प्राप्ति के लिए विधिवत पूजन करती देखी गयी.खाश कर नई नवेली सुहागिन महिलाओं में इस त्योहार को लेकर भी ज्यादा उत्साह वटवृक्षों के नीचे देखे गए.वट वृक्ष के नीचे पहुँच सुहागिन महिलाओं ने पूजा अर्चना कर वृक्ष के मूल में जल डाल कच्चे धागे लपेट वृक्ष से पत्ते तोड़ बालों में लगाती देखीं गयी वहीं पूजन कार्य से घर लौट कर सुहागिनों ने बांस के पंखे को पानी में भिंगो कर पति के चरणों में हवाएं देकर पति से अपने अक्षय सौभाग्य कीआशीर्वाद प्राप्त कर मुँह मीठा करवाते सुहागिन महिलाएं देखी गयी.वट सावित्रीपूजन को लेकर पौराणिक कथाओं के मुताबिक जब जेठ माह की दोपहरी में सत्यवान का सर चकराने लगा तब सावित्री ने सत्यवान के सिर को अपनी गोद में रख अपनी आँचल से हवा दी जिसका स्थान बदलते समय के परिवेश में हस्त निर्मित बांस के पंखे ने ली है.वहीं वट वृक्ष की जड़ में जल डालने के पीछे सत्यवान को जंगल में प्यास लगने से है.तो सूत लपेटने के पीछे यमराज के घर से सत्यवान को पुनर्जीवित करने से है.क्यों कि प्रेम के कच्चे धागे में हीं सुहागिन स्त्रियों का सौभाग्य बंधा होता है।

जल संरक्षण अमृत सरोवर का सांसद नें किया शिलान्यास

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आजमनगर प्रखंड क्षेत्र के मुकुरिया पंचायत अंतर्गत खालसा पोखड़ तालाब जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत शिलान्यास कटिहार सांसद डॉ.दुलाल चंद्र गोस्वामी नें सोमवार को किया।इस दौरान पंचायत के मुखिया मो.मसलेउद्दीन सहित प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के मुखिया मौजूद रहे।इस दौरान सांसद नें कहा आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत प्रत्येक जिले भर में75अमृत सरोवर का निर्माण होना है।इसी के तहत आजमनगर प्रखंड के मुकुरिया पंचायत अंतर्गत खालसा पोखड़ का जीर्णोद्धार कार्य अमृत सरोवर के तहत किया जा रहा है।कार्य शुभारंभ के बाद सांसद गोस्वामी ने कहा अमृत सरवरों के तहत सरोवरों के निर्माण कार्य से जल संरक्षण को बल मिलेगा।सरकार का भी लक्ष्य है।जल संरक्षण जिसको मजबूती के साथ धरातल पर उतारने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है।जिसका त्रिस्तरीय पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने पूरी ईमानदारी के साथ जल संरक्षण पर बल दे रहे हैं।जो सराहनीय कार्य है।इस दौरान पीओ आजमनगर सत्येंद्र कुमार,पीटीए राजेश कुमार,मनरेगा सचिव कपिल शर्मा,वार्ड सदस्य हलधर केवट,पंचायत समिति सदस्य शीला देवी,घनश्याम यादव,फूल कुमार मिश्रा मोती लाल तांती राम चन्द्र शर्मा फनी सिंह मसलेउद्दीन सहित अन्य मौजूद रहे।

पीड़ित परिजन को हर हाल में मिलेगा न्याय:- सांसद

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। बघौरा पंचायत के नया टोला परस्तिया गांव पहुंच कर पीड़ित परिवार से हाल जाना और कहा हर हाल में मिलेगा न्याय उक्त बातें डा.जावेद आजाद किशनगंज सांसद ने कही है।मिलकर घटना के संबंध में जानकारी लिए।पीड़िता24 मई को स्थानीय मुखिया के भाई के बुलावे पर घर से निकली थी।और 25 मई को रेखा देवी के घर से पीड़िता का लाश बरामद हुआ।इस दौरान सांसद ने मुख्यमंत्री से सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा हर हाल में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।इस मौके पर कटिहार सुनील यादव कांग्रेस नेता मो आफताब आलम,कंचन दास,पूर्व प्रमुख आजम,शकील अंजुम, पूर्व मुखिया अले रसूल, एहराम आलम, शहंशाह, किशनगंज से आये सांसद प्रतिनिधि एहसान हसन,युवा अध्यक्ष आजाद साहिल,युवा कांग्रेस महासचिव इमाम अली चिंटू,अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शमशीर अहमद दारा,सहजाद आजम, नगर अध्यक्ष अमजद अली आदि आदि उपस्थित थे।सांसद ने कहा कि कटिहार का घटना सिर्फ घटना ही नही,बल्कि बिहार सहित पुरे भारत देश को शर्मसार करने वाली घटना है,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का नारा था।बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का पूछना चाहता हूँ मोदी जी से कहाँ गए आपका वो नारा,क्या यही है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा,क्या यही है बेटी पढ़ाने की असली सजा,कब तक इस तरह की घटनार्थी को सरण देते रहोगे,अगर बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा आपका सच्चे मन का है।तो उन दरिंदों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।उनको दरिन्दों को फांसी की सजा होनी चाहिए।बेटी सबकी प्यारी होती है।चाहे बेटी अमीर की हो या गरीब की मुस्लिम की हो या हिन्दू की बेटी तो बेटी होती है।

पति की दीघार्यु के लिए वटवृक्ष में बांधा रक्षा सूत्र

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। पति की दीघार्यु और सेहत-नेमत की कामना को लेकर सोमवार को कुरसेला प्रखंड की सुहागिनें बड़ी संख्या में वट वृक्ष के नीचे जुटीं। अपने सुहाग की सलामती की मनौती मांग यहां विधि-विधान से महिलाओं ने पूजा-अर्चना की। कुसेर्ला प्रखण्ड के अलग-अलग गांवों में अपनी मान्यताओं को जीवंत करने सुबह-सवेरे से ही विवाहिताओं का हुजूम वट वृक्ष के नीचे जुटने लगा।

यह व्रत हर साल ज्येष्ठ मास की अमावस्या को रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लौटाने के लिए यमराज को भी विवश कर दिया था। इस व्रत के दिन सत्यवान-सावित्री कथा को भी पढ़ा या सुना जाता है।

वट सावित्री पूजन को लेकर कुसेर्ला प्रखंड के टेंगरिया , महेशपुर , तीनघरिया , अयोध्यागंज बाजार सहित कई इलाके मे मंदिरों मे सुबह से ही सुहगिनों की देखने को मिली। वट सावित्री का दिन सुहगिनो के लिये विशेष दिन है। पति की लम्बी उम्र के लिये निर्जला व्रत रख कर सावित्री, सत्यवान, यमराज के साथ वट वृक्ष की पूजा करती है।

क्यों की जाती है बरगद के वृक्ष की पूजा :-

वट सावित्री व्रत में बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में बरगद का वृक्ष पूजनीय माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस वृक्ष में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। इस वृक्ष की पूजा करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा शुभ मानी जाती है।

सावित्री छीन लाई थी यमराज से अपने पति के प्राण :-

मान्याताओं की के अनुसार, ये व्रत देवी सावित्रि ने पति के दिघार्यु होने के लिए किया था। वट सावित्रि की कथा में इसका वर्णन है कि जब यमराज सत्यवान के प्राण लेकर जा रहे थे, सावित्रि उनके पीछे चली गई और यमराज के मना करने पर भी नहीं मानी, तो यमराज से उसे एक वर मांगने को कहा। जिसमें सवित्रि ने यमराज से कुछ ऐसे वरदान मांगे, जिसके बाद यमराज उसके पति को अपने साथ नहीं ले जा सके। जिसके बाद से ही महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत रखती हैं।

सुहागिनों ने अपने सुहाग के लिए रखा व्रत :-

सुहागन महिलाओं के लिए प्रमुख व्रत है वट सावित्री महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा और लंबी आयु को लेकर व्रत रखती हैं।वट सावित्री के दिन बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है।इस व्रत में बरगद वृक्ष के चारो और घूम कर महिलाएं रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगल कामना करती हैं।वट सावित्री व्रत करने से पति दीघार्यु और परिवार में सुख शांति आती हैं। पुराणों के अनुसार, वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है. इसलिए यह पूजा बरगद के पेड़ के नीचे की जाती है।

सुखमय - वैवाहिक जीवन व अखंड सुहाग की कामना को ले सुहागिनों ने की बट बृक्ष की पूजा

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। ग्रमीण व शहरी अंचलों मे सोमवार को अहले सुबह से ही सुहागिन महिलाएं पवित्र नदियों, सरोवरों, तालाबों मे स्नान कर अक्षयबट बृक्ष की नियम- निष्ठा के साथ पूजा-अर्चना कर अपने दीर्घ सौभाग्य की कामना की।

सनातन धर्म मे महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र ,सुखी दाम्पत्य जीवन सहित अपनी अखंड सुहाग की कामना को लेकर अनेक तरह की व्रत का पालन करती हैं। बट सावित्री का व्रत भी सौभाग्य व अखंड सुहाग प्राप्ति का व्रत माना जाता है। ज्येष्ठ मास की कृष्णपक्ष अमावस को बट सावित्री का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षार्थ मनाती हैं। इस व्रत के साथ सावित्री -सत्यवान की कथा जुड़ी हुईं हैं। सावित्री- सत्यवान व्रत कथा के अनुसार बट बृक्ष के नीचे ही उनके सास -ससुर को दिव्य ज्योति, छिना हुआ राज्य तथा उनके मृत पति के शरीर मे प्राण वापस आये थे।पुराणों के अनुसार बटबृक्ष मे ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों देवों का वास माना जाता है।इसे देव बृक्ष माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि बट बृक्ष मे माता लक्ष्मी हरवक्त वास करतीं हैं।अत एव बरगद(बटबृक्ष) की पूजा करने से मनोवांक्षित फल प्राप्त होता है। मान्यता है की मार्कडेय ऋषि को भगवान कृष्ण ने बरगद के पत्ते पर ही दर्शन दिया था। बरगद बृक्ष का पर्यावरण संरक्षण मे भी बड़ा योगदान माना गया है।इसे प्राण वायु (आक्सीजन)उत्सर्जन का केन्द्र भी माना गया है। एक जानकारी के अनुसार सामान्य पेड़ों की अपेक्षा बरगद का पेड़ बीस घंटे तक आक्सीजन का उत्सर्जन करता है। इसलिए सुहागिन महिलाएं बट सावित्री व्रत के दिन बरगद बृक्ष को सींचती हैं।पूजा-अर्चना करती हैं।

पति की लंबी उम्र की कामना के लिए वट सावित्री की पूजा का आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। मनसाही प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के वातावरण में पति की लंबी उम्र की कामना के लिए नव विवाहित महिलाओं ने वट सावित्री की पूजा की। इस मौके पर प्रखंड के मनसाही हॉट, मोहनपुर, हरिप्रसाद, बड़ी बथना, बिसनपुर, मरंगी, कजरा, कुरेठा, फुलहरा आदि जगहों पर नव विवाहित महिलाओं ने वटवृक्ष के पेड़ के नीचे पूजा अर्चना किया एवं महिलाएं रक्षा सूत्र भी घूम- घूम कर पेड़ में बांधा, सुहागिन महिलाएं सुबह में तैयार होकर बरगद पेड़ के नीचे पहुंचकर पूजा अर्चना किया, सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा के लिए इस पर्व को मनाते हैं, इस व्रत के साथ सावित्री- सत्यवान की कथा जुड़ी हुई हैं। सावित्री- सत्यवान व्रत कथा के अनुसार वटवृक्ष के नीचे ही उनके साथ ससुर को दिव्य-ज्योति, छीना हुआ राज्य तथा उनके मृत पति के शरीर में प्राण वापस आए थे। पुराणों के अनुसार वटवृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु,महेश तीनों देवों का वास माना जाता हैं, मान्यता है कि वट वृक्ष में माता लक्ष्मी हर वक्त वास करती हैं,वट वृक्ष की पूजा करने से मनोवांछित फल प्राप्त होता हैं, वट वृक्ष का पेड़ चौबीस घंटे में बीस घंटे तक ऑक्सीजन देता हैं, सुहागिन महिलाएं वट सावित्री व्रत के दिन बरगद के वृक्ष सींचती हैं,साथ ही पूजा-अर्चना करती हैं, बट सावित्री पूजा को लेकर दिन भर चहल पहल नवविवाहित महिलाओं में देखा गया।

पीड़ित परिजनों से मिले पूर्व सांसद सह जाप सुप्रीमो पप्पू यादव

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर प्रखंड के पस्तिया टोला में छात्रा हत्या कांड की सूचना पर जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ,पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सोमवार को पीड़ित परिजन से मिल कर जघन्य घटना की निन्दा करते हुए कहा बिहार में हत्या ,लुट ,दुष्कर्म की घटना घटने के बजाय बढ़ते जा रहा है।इस तरह की घटना को रोकने में यहां की सरकार विफल हो रही है।देश में हत्या, दुष्कर्म, महंगाई कोई मुद्दा नहीं है।मंदिर, मस्जिद मुख्य मुद्दा बन कर रह गया है।ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा पस्तिया टोला की घटना के संबंध में आईजी,डीआईजी से बात हुई है।एसआईटी का गठन कर निष्पक्ष जांच करने की मांग की गयी है।पप्पू यादव ने कहा घटना के बाद लोगों का आक्रोशित होना वाजिब था।आक्रोश में सालमारी कालेज चौक में टायर जला कर विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी ने ओपी में तोरफोर की घटना को अंजाम दिया है।ऐसे में सीसीटीवी फुटेज देख कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई करें।एक भी निर्दोष व्यक्ति फंसे नहीं।उन्होंने कहा धरना में बैठे लोगों पर कैसे मामला दर्ज किया गया है।ऐसे लोगों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं होने देंगे।इस अवसर पर जिला परिषद अब्दुस सलाम ने कहा पिडित परिजन को इंसाफ दिलाने के लिए शांतिपूर्ण माहौल में धरना प्रदर्शन किया जा रहा था।दुष्कर्म की इस घटना में जांच को प्रभावित करने के लिए ओपी में तोरफोर साजिश के तहत किया गया है।युवा शक्ति के जिला सचिव सद्दाम हुसैन ने कहा जुल्म के खिलाफ पप्पू यादव का आन्दोलन से इस गरीब बेसहारा परिवार को न्याय मिलेगा।इस के लिए चरणबद्ध आंदोलन करने की जरूरत पड़ेगी जन अधिकार पार्टी जरूरत पड़ेगी जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ता पिडित परिजन के साथ है।इस अवसर पर अबसार आलम ,डा एमआर हक, जिला परिषद अब्दुस सलाम ,सद्दाम हुसैन ,तनवीर शमसी ,नैयर मसूद खान ,अरूण सिंह, सूमन यादव, राजेश यादव ,चन्दन सिंह, शैलेस कुमार दास ,दीपक कुमार ,सानू फैजान आदि उपस्थित थे।

छात्रा के हत्यारों को जल्द गिरफ्तार कर दी जाए कठोर से कठोर सजा - पप्पू यादव

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। जन अधिकार पार्टी के सुप्रीमो पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव एक दिवसीय दौरे पर कटिहार पहुंचे इस दौरान उन्होंने आजमनगर की छात्रा माहेनूर के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात करते हुए घटना के प्रति अपनी घोर संवेदनाएं व्यक्त की है। वहीं जाप सुप्रीमो ने कहा कि जल्द से जल्द इस कांड में संलिप्त सभी आरोपी को गिरफ्तार किया जाए एवं स्पीडी ट्रायल चलाकर कठोर से कठोर सजा दी जाए। वहीं उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर जिला प्रशासन की ओर से भी आश्वासन मिला है कि जल्द से जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में हम और हमारी पूरी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं, और आगे भी हरसंभव पीड़ित परिवार के मदद के लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में सिर्फ जातिवाद के नाम पर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और बढ़ते अपराध का मुद्दा अब कहीं रह नहीं गया है, अब धर्म के नाम पर लोगों को सिर्फ बांटने की राजनीति चल रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पार्टी की ओर से एक चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस दौरान पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का कटिहार जंक्शन पर पार्टी कार्यकताओं एवं नेताओं द्वारा भव्य स्वागतगत एवं अभिनंदन किया गया। मौके पर जाप के प्रदेश महासचिव नैयर मसूद खान, जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, छात्र जिला अध्यक्ष चंदन यादव, काशिफ खान, दीपक चौहान, रवि यादव,सुमित यादव, अजय पोद्दार,नूर आलम, शमशुल हक, युवा अध्यक्ष सोनू अफजल, बुदुल सिंह सहित पार्टी के कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर निडर निर्भिक पत्रकारिता को सम्मानित किया गया

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बरारी प्रखंड के श्रीगांधी स्मृति भवन गुरूबाजार कमिटि के तत्वावधान में एच एस सोडी की अध्यक्षता मे आयोजित राष्ट्रीय हिंदी पत्रकारिता दिवस कार्यक्रम का उदघाटन बीडीओ पूरण साह ,जिलापार्षद ,मुखिया,जदयु अध्यक्ष ने सयुंक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया, बीडीओ पूरण साह ने कहा आज के दिन हिंदी भाषा में ह्यह्यउदंत मार्तण्डह्नह्न के नाम से पहला समाचार पत्र 1826 में निकाला गया था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इस अखबार की शुरूआत की थी। यह एक साप्ताहिक अखबार था। इसका प्रकाशन और संपादन जुगल किशोर ने ही किया था। पंडित जुगल किशोर का पत्रकारिता के जगत में विशेष सम्मान और अदब से नाम से लिया जाता हैं।

हालांकि उदंत मार्तण्ड एक साप्ताहिक अखबार था। यह हर मंगलवार को प्रकाशित किया जाता था। इस अखबार को शुरू करने का मकसद था हिंदुस्तानियों के हक की बात करना। यह एक साहसिक प्रयास था लेकिन पैसों की तंगी के चलते यह अखबार लंबे वक्त तक नहीं चल सका और 4 दिसंबर 1826 को इसका प्रकाशन बंद हो गया। करीब 500 कॉपी हर सप्ताह छपी थी। हालांकि डाक की कीमत बहुत अधिक होने से यह साप्ताहिक हिंदी अखबार हर जन - जन तक नहीं पहुंच सका।

धीरे - धीरे वक्त बदलता गया। कई सारे हिंदी समाचार पत्रों को उदयमान हुआ। आबोहवा बदली, इतिहास रचे गए, हिंदी पत्रकारिता मिसाल बनकर उभरा, जनता की आवाज बना, जनता और सरकार के बीच का सबसे बड़ा माध्यम बना लेकिन कोई नहीं जानता था कि आने वाले समय में जनता और सरकार के बीच का मीडियेटर गहरे संकट में पड़ जाएगा। जी हां... आज के वक्त में कई सारे ऐसे पत्रकार है जिन्हें मीडिया हाउस से पैसों की तंगी नहीं बल्कि मुनाफा कम होने पर निकाल दिया जाता है।

बदलते वक्त में कोरोना काल के दौर में पत्रकारों पर डबल संकट का साया मंडराया। जी हां, एक तरफ कोरोना के खिलाफ जंग तो दूसरी नौकरी जाने का डर बना रहना।

कोविड-19 के दौर में एक ओर जहां सरकार के लिए इस महामारी से लड़ना चुनौती है वहीं प्रेस के द्वारा सच्चाई उजागर करना, जनता तक सही आंकड़ों को पहुंचाना, वर्तमान परिस्थितियों से आगह कराना बड़ा विषय है। मीडिया समूह द्वारा जब कोरोना से जुड़े आंकड़ों को जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया तब कानून की मदद से प्रेस की अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई। नियमों में बदलाव किया, पत्रकारों पर कार्रवाई की गई, जेल में बंद किया गया और प्रवेश पर बैन लगाया गया।

आंकाड़ों पर नजर डाली जाएं तो यह पत्रकारों के लिए डर का भाव ही पैदा करेगी। जी हां...जानकारी के मुताबिक एशिया-प्रशांत में भारत देश में कई पत्रकारों पर हमले हुए, पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया। तो कई पत्रकारों को हमलों का शिकार भी होना पड़ा। कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला परिषद प्रियंका देवी पति बहादुर सिंह, जिला परिषद शबाना परवीन पति सारे शारिब खान, जिलापार्षद गुणसागर पासवान, रौनिया पंचायत के मुखिया कौशल किशोर यादव, जदयु अध्यक्ष मनोज कुशवाहा,जदयु नेता डा मिथलेश कुमार,पूर्व उपप्रमुख अमरेन्द्र सिंह संजू, सरपंच अमित कुमार यादव, जयप्रकाश सिंह,राजद नेता विश्वनाथ चौधरी, धीरेन्द्र पोद्दार,भूपेंद्र सिंह, हरजीत सिंह सोढ़ी, प्रवीण आनंद, अजय कुमार सिंह, राणा सिंह, अंशु सिंह, आदर्श चौधरी, संजीव मेहता,पप्पू अंसारी,कन्हैया महतो,उमेश चौरसिया,नागेन्द्र चौरसिया,भोला सिंह,परविन्दर सिंह,जदयु युवाध्यक्ष अमीत कुमार चौधरी आदि मौजूद रहे, कार्यक्रम में पत्रकार को अंगवस्त्र देकर अतिथि, जिलापार्षद ने सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

भूखों को भोजन देना सच्ची ईश्वर भक्ति-रोटरी क्लब

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। नरकटियागंज रोटरी क्लब नरकटियागंज की युवा शाखा रोट्रेक्ट क्लब द्वारा रेलवे स्टेशन,फ्लाई ओवर, बुकिंग ऑफिस के समीप भूखे यात्रियों एवं गरीब असहायों के बीच 110 पैकेट भोजन का वितरण किया गया।इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष शशिकांत पाठक ने बताया कि जरूरतमंद को भोजन कराना और उसकी सेवा करना जीवन का सबसे बड़ा पुण्य होता है।इस कार्य के लिए हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए, ताकि कोई व्यक्ति भूखा ना सोए. इसी उद्देश्य से रोट्रेक्ट क्लब विगत चार माह से प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को भोजन वितरण के कार्यक्रम की शुरूआत की गई. इसका उद्देश्य है कि शहर में कोई भी व्यक्ति भोजन के लिए दर-दर न भटके. हर जरूरतमंद को दो वक्त की रोटी मिल पाए अग्रणी अध्यक्ष सुदिष्ट कुमार ने शहर के लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि जन्मदिन हो या पुण्यतिथि में व्यर्थ खर्चा करने के बजाय आप इन जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करें. लोग भी इनकी मदद के लिए आगे आए हैं इस अवसर पर निशान्त कुमार,नवीन कुमार, मो काजिम, भूपनारायण, परनीत कुमार,शशिभूषण कुमार एवं अन्य रोट्रेक्ट शामिल थे।

शिक्षकों के विद्यालय आवंटन में अनियमितता बरतने पर डीईओ ने किया प्रखंड साधन सेवी को पद से मुक्त...

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया।ठकराहा नव नियोजित शिक्षकों के विद्यालय आवंटन में छात्र अनुपात के अनुसार शिक्षकों का विद्यालय आवंटन नहीं किए जाने के कारण ठकराहा प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष और सचिव ने पत्र के माध्यम से जिला शिक्षा पदाधिकारी को अवगत कराया।गौरतलब है कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय भरपटिया एवं प्रो.मध्य विद्यालय धूमनगर मे छात्र अनुपात के अनुसार शिक्षकों की कमी है नियोजित शिक्षकों को मौजूदा बीआरपी सिराज अहमद को इन दोनों विद्यालयों में आवंटन करना था।लेकिन प्रखंड साधन सेवी के द्वारा इन दोनों विद्यालयों में किसी भी शिक्षक का आवंटन नहीं किया गया।शिक्षकों के आवेदन के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने शिक्षकों की आवंटन में अनियमितता को लेकर प्रखंड साधन सेवी सिराज अहमद से कारण पूछा।संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर कंडिका 5.7 के नियम 1 के तहत जिला शिक्षा पदाधिकारी पश्चिमी चंपारण ने 1413/23.5.2022 के आलोक में प्रखंड साधन सेवी के कार्य से सिराज अहमद को कार्यमुक्त कर दिया।प्रखंड साधन सेवी के कार्य से मुक्त होने के बाद प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने पत्रांक 110/26.5.2022 के आलोक में अपने मूल विद्यालय के लिए बिरमित कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार अभी तक सिराज अहमद के द्वारा अपने मूल विद्यालय में योगदान नहीं दिया गया है।प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि अपने मूल विद्यालय में जाने के लिए सिराज अहमद को पत्र दिया जा चुका है। अगर मूल विद्यालय में जाकर योगदान नहीं करते हैं तो उनके ऊपर कार्रवाई की जाएगी।वहीं प्राथमिक शिक्षक संघ और प्रखंड के अधिकांश शिक्षकों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के करवाई से खुशी जाहिर किया।

फतुहा में भी वट सावित्री का पर्व धूमधाम से मनाया गया

मदरलैण्ड संवाददाता, पटना।फतुहा में भी वट सावित्री का पर्व धूमधाम से मनाया गया।इस पर्व के मौके पर सभी हिंदू समाज की महिलाओं ने अपने पति व परिवार की दीघार्यु के लिए उपासना करते हुए वट वृक्ष की पूजा अर्चना की परिवार की रक्षा के लिए माता से मनोकामना मांगी। फतुहा प्रखंड के अलग-अलग स्थानों में सुबह से ही सभी समाज के शादीशुदा महिलाओं का तांता लगा रहा।सभी महिलाओं ने अपने पति के दीघार्यु के लिए वट वृक्ष की पूजा अर्चना करते हुए धागा बांधकर उनकी लंबी उम्र की भगवान से कामना की। पूजा अर्चना करने पहुंची महिलाओं ने कहा कि वे हर साल वट सावित्री का पर्व मनाती हैं।पौराणिक कथाओं के अनुसार माता सावित्री सत्यभान के लिए यह पूजा-अर्चना करती थीं।जिसे हिंदू धर्म की महिलाएं आज भी अपने पति की लंबी उम्र के लिए इस पर्व को मनाती हैं और कथा सुनाकर वट वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं।

पति के अक्षय सौभाग्य प्राप्ति के लिए सुहागिन महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

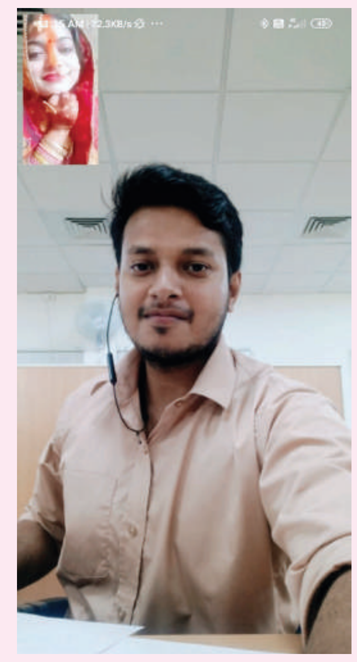

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में सनातन धर्मावलंबी सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष के नीचे पहुँच अपने पति के अक्षय सौभाग्य प्राप्ति के लिए विधिवत पूजन करती देखी गयी.खाश कर नई नवेली सुहागिन महिलाओं में इस त्योहार को लेकर भी ज्यादा उत्साह वटवृक्षों के नीचे देखे गए.वट वृक्ष के नीचे पहुँच सुहागिन महिलाओं ने पूजा अर्चना कर वृक्ष के मूल में जल डाल कच्चे धागे लपेट वृक्ष से पत्ते तोड़ बालों में लगाती देखीं गयी वहीं पूजन कार्य से घर लौट कर सुहागिनों ने बांस के पंखे को पानी में भिंगो कर पति के चरणों में हवाएं देकर पति से अपने अक्षय सौभाग्य कीआशीर्वाद प्राप्त कर मुँह मीठा करवाते सुहागिन महिलाएं देखी गयी. पूजा कर रही सुहागिनों में नीलम आचार्या, निक्की मिश्रा, संगीता मिश्रा,परिणीता मिश्रा ने बताया कि वट सावित्रीपूजन को लेकर पौराणिक कथाओं के मुताबिक जब जेठ माह की दोपहरी में सत्यवान का सर चकराने लगा तब सावित्री ने सत्यवान के सिर को अपनी गोद में रख अपनी आँचल से हवा दी जिसका स्थान बदलते समय के परिवेश में हस्त निर्मित बांस के पंखे ने ली है.वहीं वट वृक्ष की जड़ में जल डालने के पीछे सत्यवान को जंगल में प्यास लगने से है.तो सूत लपेटने के पीछे यमराज के घर से सत्यवान को पुनर्जीवित करने से है.क्यों कि प्रेम के कच्चे धागे में हीं सुहागिन स्त्रियों का सौभाग्य बंधा होता है।

आधुनिकता के दौड़ में मोबाइल ने भी दूरियां मिटाई है जंहा प्रदेश में रह रहे अपने पति से वीडियो कॉल के माध्यम से पत्नियो ने अपने पतियों से आशीष पाया

प्रखंड स्तरीय खरीफ महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया।गौनाहा प्रखंड स्थित किसान भवन के प्रांगण में बिहार सरकार के निर्देश में प्रखंड स्तरीय खरीफ महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख जयप्रकाश पासवान उप निदेशक पौधा संरक्षण रॉकी रावत एवं अंचलाधिकारी अमित कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया । कार्यक्रम में माधोपुर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक द्वारा किसानों को खेती की तकनीक की जानकारी दी गई। तत्पश्चात उक्त पदाधिकारियों द्वारा किसानों के बीच धान का बीज वितरण किया गया। इसके साथ ही तकनीकी प्रबंधक विनय कुमार द्वारा किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित जानकारी देते हुए खेती के साथ-साथ बागवानी पर भी प्रकाश डाला गया। बैठक का संचालन गुड्डु कुमार उर्फ अमित कुमार ने किया ।वही दोमाठ के किसान शेख आरस , कन्हैया कुशवाहा , तारा बसवरिया के कई किसानों ने सोर मचाते हुए कहे कि यूरिया खाद अभी लाइसेंसी दुकानों पर 500 रुपए से 600 रुपए क्यो बिक्री हो रहा है ? और जो गरीब किसान ब्लैक रेट में खाद खरीदने में स्मर्थ वे अपने भाग्य का रोना रो रहे हैं ।ईसी बात पर सभी किसानों ने नारे लगाकर गौनाहा कृषि पदाधिकारी बीरेंद्र प्रताप को गौनाहा से हटाने की मांग किये । प्रशिक्षण में पहुंचे हुए वरीय पादाधिकार्यो ने इस बात से जिला कृषि पदाधिकारी को अवगत कराने की बात कही ।वही मौके पर उपस्थित निदेशक रॉकी रावत ने भी कहा कि मै इसकी शिकायत जिला कृषि पदाधिकारी से अवश्य करूँगा। इस कार्यक्रम में कृषि समन्वयक सत्येंद्र कुमार सिंह, विनय कुमार, सत्यानंद, रामु प्रसाद, रवि किशोर सिंह, कृषि सलाहकार जितेंद्र कुमार, सुभाष कुमार, सनी कुमार तिवारी, संजय कुमार, राहुल कुमार, विजय प्रसाद, वीरेंद्र प्रसाद, सूर्यकांत प्रसाद सहित आत्मा अध्यक्ष किसान रामक्षत्री यादव, संजय कुमार यादव, नंदा नाथ, सुभाष चंद्र महतो, राम स्नेही चौरसिया ,लालबाबू गुप्ता सहित सैकड़ों किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जमुई में धूम धाम से मनाया गया वट सावित्री का पर्व

प्रधानमंत्री द्वारा कोरोना महामारी से अनाथ हुए बच्चों के बीच डिजिटली रूप से स्कॉलरशीप का किया गया वितरण

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। प्रधानमंत्री, भारत सरकार, नरेन्द्र मोदी द्वारा आज पीएम केयर्स फोर चिल्ड्रेन योजना के तहत कोरोना महामारी से अनाथ हुए बच्चों के बीच स्कॉलरशीप, हेल्थ कार्ड, स्नेह पत्र, पोस्ट ऑफिस पासबुक आदि का वितरण डिजिटल रूप से किया गया।

जिलास्तर पर उक्त कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय अवस्थित एनआइसी सभाकक्ष में किया गया। जहां कोरोना माहामारी में अपने माता-पिता को खो चुकी नरकटियागंज प्रखंड अंतर्गत शिकारपुर थाना क्षेत्र के भसुरारी ग्राम निवासी सुश्री बेबी कुमारी अपने अभिभावक श्री दीपू प्रसाद के साथ उपस्थित रही। सुश्री बेबी कुमारी अभी कक्षा 10 की छात्रा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, श्री कुंदन कुमार, सहायक निदेशक, बाल संरक्षण इकाई, श्री अभय कुमार उपस्थित रहे।

कोरोना महामारी से अनाथ बच्चों को हर महीने आर्थिक सहायता मिले, उन्हें शिक्षा मिले और वे स्वस्थ रहें, इस हेतु पीएम केयर्स फोर चिल्ड्रेन योजना के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय कार्य कर रहा है ताकि असीम संभावनाओं से भरे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो और अनंत सफलताओं से भरा हुआ हो।

अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर्स योजना के तहत आयुष्मान भारत योजना से 05 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा, छात्रवृति के अलावा रहने, खाने और किताबों के लिए धनराशि, उच्च शिक्षा के लिए एजुकेशन लोन, जिसके ब्याज का भुगतान पीएम केयर्स फंड से होगा। बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रधानमंत्री कोष से मिलने वाली धन राशि को आयु अनुसार इन्वेस्ट किया जायेगा जो कि बच्चों के 18 साल होने पर 10 लाख रूपया होगा।इस राशि पर मिलने वाले ब्याज से बच्चों को 18-23 साल की आयु तक हर महीने खर्च के लिए धन राशि दी जायेगी। साथ ही स्कूली शिक्षा के बाद तकनीकी शिक्षा के लिए स्वनाथ छात्रवृति योजना से 50 हजार रुपए प्रतिवर्ष दी जानी है। 10 वीं के बाद स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के कौशल प्रशिक्षण का भी प्रावधान किया गया है।इसके साथ ही 50 हजार रुपए अनुग्रह की राशि भी उपलब्ध करायी जायेगी।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थी बेबी कुमारी को पीएम केयर्स योजना से संबंधित दस्तावेजों को प्रदान किया गया। जिलाधिकारी द्वारा बेबी कुमारी से बातचीत की गयी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। बेबी कुमारी ने बताया गया कि उन्हें शिक्षक बनकर समाज और देश की सेवा करनी है।जिलाधिकारी ने बेबी कुमारी से कहा कि अच्छे तरीके से अपनी पढ़ाई-लिखाई करो और स्कॉलरशीप, पढ़ाई-लिखाई में कोई परेशानी हो तो तुरंत संपर्क करो।

मां सोना भवानी करती है सबकी मनोकामना पूरी
राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे को भेंट किया गया मां का स्मृति चिन्ह

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकराहा प्रखंड मुख्यालय से 500 मीटर दूरी पर अवस्थित मां सोना भवानी का मंदिर चमत्कार और सबकी मुरादें पूरी करने के लिए जाना जाता है।मां के दरबार में आने के बाद भक्त कहते हैं कि संकट कितना भी बड़ा क्यों ना हो।मां सोना भवानी का सच्चे दिल से पूजा करने से सारे कष्ट समाप्त हो जाते हैं। मां के दरबार में आकर पूजा अर्चना करने के बाद सच्चा सुख प्राप्त होता है। मां सोना भवानी के चमत्कार निकटवर्ती उत्तर प्रदेश कुशीनगर जिला के लोग हैं भी भली भांति जानते हैं।कुशीनगर जिला में रहने वाले भक्त भी नवरात्रि पर मां के दरबार में होने वाले पूजा में अपना सहयोग राशि देते हैं।हिंदुओं की आस्था की प्रतीक मां सोना भवानी की पूजा अर्चना कर बहुत सारे भक्तगण अपनी संतान की भी प्राप्ति कर चुके हैं।जो भी व्यक्ति मां सोना भवानी का सदस्यता ग्रहण करता है उसको मंदिर कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी के द्वारा मां का स्मृति चिन्ह उपहार के रूप में दिया जाता है। मां सोना भवानी के पुजारी पंडित नर्देश्वर बताते हैं कि मुहूर्त काल से ही मां के दरबार में भक्तों का कतार लग जाता है।प्रखंड की महिलाएं प्रतिदिन मां के दरबार में आकर पूजा अर्चना करती हैं। मां के चमत्कार के किस्से से सांसद और विधायक भी अछूते नहीं है आपको बता दें कि मां सोना भवानी कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी ने रविवार को साल ओढ़ाकर राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे को मां का स्मृति चिन्ह भेंट किया।इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र तिवारी, संवेदक अजय तिवारी, चंद्रभान, मनोज तिवारी ,शंभू ,मंजे इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

पत्रकार होते हैं कलम के सिपाही

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकराहा अपने बेबाक पत्रकारिता से चर्चा में आए मनीष तिवारी पत्रकार ने एक बैठक के दौरान पत्रकार दिवस पर बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा कि संविधान में दी गई व्यवस्था के अनुसार पूरे देश का संचालन चार भागों में बांटा गया।संविधान के संचालन का सारा दायित्व लोकतंत्र के चार स्तंभों विधायिका,कार्यपालिका,न्यायपालिका एवं पत्रकारिता को दिया गया। सभी स्तंभ अपने अपने दायित्व का पालन करने में जुट गए।यह निर्विवाद सत्य है कि विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं पत्रकारिता को दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों का दायित्व निभाने का प्रयास किया जा रहा है,लेकिन चुनौतियां से भरे हुए माहौल में तकरीबन सभी स्तंभ, अपने अपने पथ से विचलित होते जा रहे हैं। सबका अपना अपना महत्वपूर्ण दायित्व है लेकिन लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का जो महत्व भारत के संविधान के संचालन में दी गई व्यवस्था में प्रदर्शित किया गया है वह किसी अन्य स्तंभ के महत्व से कम नहीं है। यह बिल्कुल सही है कि बिना किसी उपयुक्त साधन से शहर से देहात तक पत्रकारिता में जुटे हुए साथी अर्थव्यवस्था से जूझ रहे हैं,फिर भी उन्हें अपने महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन करते हुए निष्पक्ष पत्रकारिता का मानक स्थापित करना होगा और इसी निष्पक्षता की बदौलत तमान गरीबों,असहाय, मजलूमों,मजदूरों को न्याय मिल पाने में सफलता मिल रही है। आज सोशल मीडिया का डंका बज रहा है, प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं टेलीविजन की भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।मेरे साथी पत्रकार बंधुओं से मेरा निवेदन है कि वह अपनी मयार्दा को कायम रखते हुए पत्रकारिता को एक मिशन बनाएं और सत्य को सत्य लिखें,झूठ को झूठ लिखें, निर्भीकता और निडर होकर कलम चलाएं,तथाकथित लुटेरों, भ्रष्टाचारियो, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों के पिछलग्गू लोगों से दूर रहकर अपनी कलम की पैनी धार से गरीबों का कल्याण करें उन्हें न्याय दिलाने के लिए अपने मीडिया के माध्यम से विधायिका,कार्यपालिका और न्यायपालिका का ध्यान आकर्षित करें। प्रशासन के जनविरोधी कारनामों को समाज के सामने उजाकर इन्हें बेनकाब करें। मेरा विश्वास है कि भारत के संविधान में दी गई लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत चतुर्थ स्तंभ की महत्वपूर्ण भूमिका पत्रकारिता का अस्तित्व कायम रखने के लिए यदि हमारे पत्रकार बंधु,पत्रकारिता को मिशन मानकर अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे,तो उनकी निश्चित रूप से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सार्थक भूमिका होगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने के साथ आमजन को न्याय मिलेगा और उन्हें शोषण से बचाने में मदद मिलेगी।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया कर रहा है रीच ईच चाइल्ड प्रोग्राम के जरिए

मां और बच्चे की पोषण संबंधी जरूरतें पूरी

चंडीगढ़/लुधियाना/जालंधर/अमृतसर 30 मई 2022: डेटॉल बनेगा स्वस्थ भारत की पोषण पहल के दो वर्षों के सफलतापूर्वक पूरा होने बाद रीच ईच चाइल्ड प्रोग्राम ने समाज पर काफी सकारात्मक असर डाला है। इस योजना का लक्ष्य अमरावती और नंदुरबार जिलों में कुपोषण के कारण होने वाली बच्चों की मौत को शून्य पर लाना है और हजारों लोगों की जान बचाना है। लगातार किए जा रहे प्रयासों और जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों के माध्यम से यह कार्यक्रम आज पांच साल से कम उम्र के हजारों बच्चों की मदद कर रहा है। इस काम में मदद के लिए कम्युनिटी न्यूट्रिशन वर्कर्स के नाम से फ्रंटलाइन कार्यकताओं का एक कैडर तैयार किया है।

कुपोषण के खिलाफ अपनी लड़ाई में देश की मदद करने के उद्देश्य से रेकिट और प्लान इंडिया मिलकर बेहतर पोषण में निवेश करते हुए भारत में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य मानकों में सुधार की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। जमीन पर अपने निरंतर प्रयासों के साथ यह कार्यक्रम प्रत्येक रुपये के निवेश पर 37 रुपये के सामाजिक मूल्य का उत्पादन करने में सक्षम है। 2021 में शुरू किया गया रीच ईच चाइल्ड पहल का तीसरा चरण माँ और बच्चे के जीवन के पहले 1000 दिनों के दौरान मदद और देखभाल प्रदान करता है। रीच ईच चाइल्ड प्रोग्राम स्थानीय स्तर पर पहल के माध्यम से 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए पर्याप्त पोषण को प्राथमिकता देता है। इस पूरी प्रक्रिया में कम्युनिटी न्यूट्रिशन वर्कर सूचना और सेवाओं के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। कार्यक्रम ने पिछले दो वर्षों में अमरावती और नंदुरबार जिलों के परिवारों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के अन्य पिछड़े जिलों में भी अपने प्रयासों को विस्तार देना है जिससे नई माताओं को भी इसका लाभ मिल सके।

विश्व पोषण दिवस पर बोलते हुए श्री रवि भटनागर डायरेक्टर एक्सटर्नल अफेयर्स एवं पार्टनरशिप एसओए रेकिटने कहा रेकिट में हमारे उद्देश्य के केंद्र में अच्छा स्वास्थ्य और भलाई रहती है और अपनी पहल के माध्यम से हम सुरक्षा उपचार और एक स्वच्छ एवं स्वस्थ दुनिया के लिए काम करते हैं। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि नंदुरबार और अमरावती में ह्यरीच ईच चाइल्डह्व कार्यक्रम के तहत हमारे पायलट प्रयास ने बच्चों में कुपोषण से होने वाली मौतों की शून्य स्थिति प्राप्त करने में मदद की है और अस्पताल में प्रसव चुनने वाली महिलाओं के अनुपात में 26 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। रीच ईच चाइल्ड के साथ हमारा उद्देश्य 2024 तक 1 करोड़ नई माताओं के जीवन में बदलाव लाना है।

साझेदारी के संबंध में बात करते हुए प्लान इंडिया के कार्यकारी निदेशक श्री मो. आसिफ ने कहा रीच ईच चाइल्ड प्रोग्राम के लिए रेकिट के साथ हमारी साझेदारी ने हमें लोगों के जीवन में विशेष रूप से बच्चों और माताओं के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने में मदद की है।

डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई ओबी-वान केनोबी

चंडीगढ़ : डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही स्टार वॉर्स की अगली सीरीज ओबी-वान केनोबी में प्रतिष्ठित जेडाई मास्टर के रूप में अपनी भूमिका को दोहराते हुए इवान मैकग्रेगर, हेडन क्रिस्टेंसन के साथ शैतान सिथ लार्ड - डार्थ वाडर के रूप में सीरीज में नजर आएंगे। डेबोरा चाउ द्वारा निर्देशित इस नई सीरीज में यह दिखाया गया है कि किस प्रकार ओबी-वान योद्धा नायक से प्रीक्वेल में जेन जेडाई मास्टर बन गए, जैसा कि ओरिजिनल ट्राइलॉजी में दिखाया गया था, जो कि एक बेहद शानदार और भावनात्मक किरदारों पर आधारित कहानी थी। अब सभी प्रशंशक, इस सीरीज को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम में देख सकेंगे, जिसके 2 एपिसोड प्रीमियर हुए हैं, और इसके बाद डिज्नी+ हॉटस्टार पर हर हफ्ते नए एपिसोड का प्रसारण किया जाएगा। जेडाई मास्टर ओबी-वान की हत्या ना केवल डार्थ वाडर का काम है, बल्कि उसके लिए व्यक्तिगत भी है, इस बारे में बात करते हुए हेडन ने कहा, रिपब्लिक अब एंपायर के हाथों में आ चुका है और ओबी-वान छिपकर रह रहा है। डार्थ वाडर जेडाई का शिकार कर रहे हैं क्योंकि वह विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एंपायर द्वारा अनिवार्य किया गया है, सत्य तो यह है कि यह उससे भी अधिक है, दरअसल यह डार्थ वाडर के लिए व्यक्तिगत मामला है। इस तरह से दर्शकों को यह समझ में आता है की डार्थ वाडर अपनी व्यक्तिगत पहचान के साथ आंतरिक संघर्ष कर रहा है क्योंकि जेडाई को मारने की कोशिश में वह खुद अपने एक हिस्से को मारने की कोशिश कर रहा है। इस सीरीज के शानदार कलाकारों में मैकग्रेगर और हेडन क्रिस्टेंसन के साथ मूसा इनग्राम, जोएल एडगर्टन, बोनी पिसे, कुमैल नानजियानी, इंदिरा वर्मा, रूपर्ट फ्रेंड, ओह्मशे जैक्सन जूनियर, सुंग कांग, सिमोन केसेल और बेनी सफी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मर्सिडीज बेंज में कार्यकारी निदेशक, परिचालन प्रमुख बने व्यंकटेश कुलकर्णी

मुंबई, एजेंसी। लग्जरी कार कंपनी मर्सिडीज बेंज इंडिया ने कहा कि उसने व्यंकटेश कुलकर्णी को कार्यकारी निदेशक एवं परिचालन प्रमुख बनाया है। उनका कार्यकाल एक जून, 2022 से शुरू होगा। उत्पादन और खरीद कार्यों की जिम्मेदारी कुलकर्णी की होगी। बिजलीचालित वाहनों, डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट विनिर्माण की दिशा में कंपनी की यात्रा में वह सहायक होने वाले है। मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा, कुलकर्णी हमारी विश्वस्तरीय विनिर्माण सुविधाओं और संबंधित संसाधनों के स्थानीयकरण को मजबूत करने वाले है। व्यंकटेश मर्सिडीज बेंज रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंडिया से 2008 में जुड़े थे। इससे पहले टाटा मोटर्स टेक्नोलॉजी और मारुति सुजुकी इंडिया जैसी अग्रणी वाहन कंपनियों के साथ काम कर चुके हैं।

एक्सिस बैंक का क्रेडिट कार्ड बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी प्राप्त करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी।एक्सिस बैंक को वृद्धि के लिए अपने मौजूदा संसाधनों का उपयोग करने और क्रेडिट कार्ड कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत भागीदारी की रणनीति का लाभ मिलने लगा है। मार्च तिमाही में बैंक ने सबसे अधिक क्रेडिट कार्ड ग्राहक बनाए हैं। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि इस वृद्धि से उत्साहित बैंक मध्यम अवधि में क्रेडिट कार्ड बाजार के पांचवें हिस्से को हासिल करने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि आगे जाकर सिटी बैंक के उपभोक्ता कारोबार का वह खुद में विलय करेगा और गुणवत्तापरक सेवाएं बरकरार रहेंगी। निजी क्षेत्र के चौथे सबसे बड़े बैंक ने 2021-22 की मार्च तिमाही में सर्वाधिक 11 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि हम हर तिमाही में 10 लाख क्रेडिट कार्ड का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। अर्थव्यवस्था स्थिर रहती है तो इसमें और वृद्धि भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि क्रेडिट कार्ड ग्राहकों का औसत खर्च बढ़ गया है और बैंक के भागीदारी वाले कारोबार के भी अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

राकेश झुनझुनवाला ने स्टार हेल्थ इंश्योरेंस और मेट्रो ब्रैंडस में गंवाए 540 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल दो शेयरों के कारण उन्होंने पिछले एक महीने में 540 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं। झुनझुनवाला के निवेश वाले 2 शेयर स्टार हेल्थ इंश्योरेंस और मेट्रो ब्रैंडस में पिछले एक महीने में करीब 7 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, सोमवार को बाजार खुलने पर दोनों ही शेयरों में तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को बाजार बंद होने तक मेट्रो ब्रैंड्स लुढ़ककर 523 । और स्टार हेल्थ गिरकर 663 । पर पहुंच गया था। इन दोनों में शेयरों में इस तेज गिरावट के कारण बिग बुल को एक महीने में 540 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। स्टार हेल्थ बीते शुक्रवार तक 701 । से गिरकर 663 रुपए पर पहुंच गया जो की 38.55 रुपए की गिरावट है। वहीं मेट्रो ब्रैंड्स 562.65 से गिरकर 53 रुपए पर पहुंच गया जो करीब 39 रुपए की गिरावट है। जानकारी के अनुसार कंपनी में राकेश झुनझुनवाला और उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला की सम्मिलित रूप से 17.50 फीसदी हिस्सेदारी है। दोनों के पास कंपनी के कुल 10,07,53,935 शेयर हैं। वहीं मेट्रो ब्रैंड्स में राकेश झुनझुनवाला ने अपनी पत्नी के माध्यम से निवेश किया है। इस कंपनी के रेखा झुनझुनवाला के पास 39,153,600 शेयर हैं। उनके पास इस कंपनी में 14.60 फीसदी हिस्सेदारी है। स्टार हेल्थ में बिग बुल के पास 10,07,53,935 शेयर हैं। अगर 38 रुपए प्रति शेयर की गिरावट के हिसाब से देखा जाए तो उनकी संपत्ति में करीब 388 करोड़ रुपए की गिरावट दिखती है। वहीं, मेट्रो ब्रैंड्स में पत्नी के जरिए 39,153,600 शेयर हैं। यहां 39 रुपए प्रति शेयर की गिरावट के हिसाब से देखा जाए तो उन्हें एक महीने में 152 करोड़ रुपए की चपत लगी है। इस तरह से कुल मिलाकर उनकी संपत्ति 540 करोड़ रुपए घटी है।

सोना और चांदी की कीमत में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी की वजह से सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी दिखाई दे रही है। सोमवार को 24 कैरेट सोने का भाव 52,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के ऊपर नजर आ रहा है। भारत में सोने का भाव 52,090 रुपए प्रति 10 ग्राम चल रहा है। 22 कैरेट सोने का भाव 47,750 रुपए प्रति 10 ग्राम है। दिल्ली में 22 कैरेट सोने का भाव 47,750 रुपये है। यानी 10 ग्राम सोने का भाव राष्ट्रीय राजधानी में साढ़े सैंतालिस हजार के ऊपर है। वहीं दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 52,090 है। मुंबई में 22 कैरेट सोने की कीमत 47,750 रुपए नजर आई। शुक्रवार को सोने में 303 रुपए की तेजी थी। वैश्विक बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में आई तेजी के रुख के अनुरूप दिल्ली सराफा बाजार में पिछले शुक्रवार को सोना 303 रुपए की तेजी के साथ 50,939 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 1,023 रुपए के उछाल के साथ 62,636 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 61,342 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

टाटा मोटर्स और फोर्ड इंडिया ने साणंद संयंत्र अधिग्रहण करने गुजरात सरकार से किया करार

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स ने कहा कि उसकी अनुषंगी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएमएल) ने फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफआईपीएल) की साणंद वाहन विनिर्माण इकाई के अधिग्रहण के लिए गुजरात सरकार के साथ करार किया है। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजारों को बताया कि टीपीईएमएल और एफआईपीएल ने गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जो एफआईपीएल की साणंद वाहन विनिर्माण इकाई के संभावित अधिग्रहण से संबंधित है।इसमें भूमि, इमारतों, वाहन विनिर्माण इकाई, मशीनरी और उपकरणों का अधिग्रहण शामिल है। इसमें एफआईपीएल साणंद वाहन विनिर्माण परिचालनों के सभी पात्र कर्मचारियों का स्थानांतरण भी शामिल है। हालांकि यह करार और संबंधित मंजूरियों पर निर्भर करेगा।टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हिकल्स लिमिटेड और टीपीईएमएल के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि एक दशक से भी अधिक समय से टाटा मोटर्स की गुजरात में मजबूत उपस्थिति है, साणंद में उसकी अपनी विनिर्माण इकाई है। इस समझौते से और रोजगार तथा कारोबारी अवसरों का सृजन होगा जो राज्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। कंपनी ने कहा कि इस समझौते के बाद अब टीपीईएमएल और एफआईपीएल के बीच अगले कुछ हफ्तों में निश्चित लेनदेन समझौते होंगे। गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि यह समझौता सभी हितधारकों के लिए लाभदायक है। इससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जमेगा और देश में शीर्ष निवेश स्थल के रूप में गुजरात की स्थिति मजबूत होगी।

बच्चों को सैटेलाइट कोडिंग में सक्षम बनाने के लिए व्हाइटहैट जूनियर और एंडुरोसैट ने सहयोग किया

व्हाइटहैट जूनियर हमेशा अपने छात्रों को नए शिक्षा अनुभव तथा अभिनवता प्रदान करना चाहता है। इस बार अपने छात्रों को अंतरिक्ष अन्वेषण एवं अंतरिक्ष विज्ञान में ज्यादा जानकारी प्रदान करने हेतु एक लाइव सैटेलाइट का उपयोग किया जाएगा। अयाना नामक उपग्रह को प्रमुख अंतरिक्ष सेवा संगठन एंडुरोसैट द्वारा व्हाइटहैट जूनियर टीम के इनपुट और विशेषज्ञता के साथ विकसित किया गया है। अयाना स्पेसएक्स फाल्कन 9 राइडशेयर रॉकेट द्वारा ले जाए गए पेलोड का हिस्सा था, जिसे 25 मई को 18:35 जीएमटी पर केप कैनावेरल, फ्लोरिडा, यूएसए से लॉन्च किया गया था। यह अपनी तरह का बिल्कुल नया अनुभव होगा जहां हजारों छात्र अंतरिक्ष में काम कर रहे एक लाइव सैटेलाइट को कमांड भेज सकेंगे तथा उससे डाटा प्राप्त कर सकेंगे। ह्यअयानाह्न व्हाइटहैट जूनियर के ह्लकोड ए सैटेलाइटह्व कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसे व्हाइटहैट जूनियर छात्रों को ह्यअयानाह्न सैटेलाइट की मदद से अंतरिक्ष को समझने तथा कुछ नई खोज करने के लिए डिजाइन किया गया था। ह्यअयानाह्न सैटेलाइट का इस्तेमाल करने से पहले छात्रों को कोडिंग की बुनियादी समझ होनी चाहिए तभी वह इस कार्यक्रम का पूर्णतया उपयोग करने में सक्षम होंगे। सभी छात्रों को निम्नलिखित अनुप्रयोगों को करने का एक अनूठा अवसर प्राप्त होगा: -एक शानदार 90-डिग्री कैमरे के माध्यम से रियल टाइम में अयाना सैटेलाइट की यात्रा को ट्रैक और मॉनिटर करें। पृथ्वी के परिदृश्य और मौसम का निरीक्षण करें। पावर और सन सेंसर वैल्यू के बीच संबंध को समझने के लिए ग्राफ को देखना ।सेंसर वैल्यू में कुछ बदलाव के द्वारा सैटेलाइट के व्यवहार को समझना ।इस पहल के बारे में बोलते हुए, व्हाइटहैट जूनियर सीईओ अनन्या त्रिपाठी ने कहा, हम हमेशा सीमाओं से परे जाकर रचनात्मकता, अन्वेषण और इनोवेशन में विश्वास करते हैं। सैटेलाइट और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को अक्सर छात्रों की पहुंच से बाहर माना जाता है। ह्यकोड ए सैटेलाइट प्रोग्रामह्न के साथ, हम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को बच्चों की पहुंच में ला सकेंगे और अपने छात्रों को रियल टाइम में एक लाइव सैटेलाइट के साथ काम करने का एक असाधारण अवसर प्रदान करेंगे। हमें विश्वास है कि यह दुनिया भर में हजारों प्रतिभाशाली छात्रों को उत्साहित और प्रोत्साहित करेगा तथा उन्हें एक स्पेस साइंटिस्ट की तरह कोड करने एवं परियोजना बनाने में सहायता करेगा।

'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई' के कलाकारों ने बताया कि कैसे उन सभी के लिए एक प्रेरणा हैं अहिल्याबाई होल्कर

चंडीगढ़ : अहिल्याबाई होल्कर की विरासत का जश्न मनाते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का महाधारावाहिक पुण्यश्लोक अहिल्याबाई हमें रानी की प्रेरणादायक जीवन यात्रा पर ले जाता है, जिन्होंने अपने ससुर मल्हार राव होल्कर के समर्थन से, पहले से तय किए गए समाज के नियमों को चुनौती दी, शांति स्थापित की, लिंग भेद के खिलाफ आवाज उठाई और लोगों के, विशेष रूप से महिलाओं के कल्याण में सकारात्मक योगदान दिया। अहिल्याबाई होल्कर जयंती के अवसर पर समाज में अहिल्याबाई के अपार योगदान और अपने लोगों के प्रति उनकी निस्वार्थ भावना का सम्मान करते हुए, पुण्यश्लोक अहिल्याबाई के कलाकारों ने बताया कि कैसे ये महान रानी उन सभी के लिए एक प्रेरणा हैं और साथ ही उनके जीवन का एक हिस्सा भी हैं।अहिल्याबाई की भूमिका निभाने वालीं एतशा संझगिरी ने कहा, अहिल्याबाई होल्कर अपने समय से आगे की महिला थीं, जिन्होंने ये साबित किया कि कोई भी इंसान लिंग या जन्म से नहीं बल्कि कर्मों से महान बनता है। यह वाकई सभी के लिए एक प्रेरणा है। मल्हार राव होल्कर की भूमिका निभाने वाले राजेश श्रृंगारपुरे ने कहा, अहिल्याबाई होल्कर ने अपने बचपन से ही महान ज्ञान, बहादुरी और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है, इसलिए उनके दृष्टिकोण ने एक आम लड़की को अपने ससुर मल्हार राव होल्कर के समर्थन के साथ भारत की बेहतरीन महिला शासक बनने के सफर पर आगे बढ़ाया। किसी भी काम के प्रति उनके समर्पण और दृढ़ संकल्प से मैं बहुत कुछ सीखता हूं। विशेष रूप से वो हिस्सा, जब उन्होंने महेश्वरी साड़ी शुरू की जो इतिहास के सबसे गौरवशाली अध्यायों में से एक है। महेश्वरी साड़ियों के साथ उन्होंने न सिर्फ महिलाओं को स्वतंत्र होने के लिए प्रोत्साहित किया बल्कि उन्हें सशक्त भी बनाया जहां उन्होंने मालवा के आर्थिक विकास में योगदान दिया। खंडेराव का किरदार निभाने वाले गौरव अमलानी ने कहा, देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने बचपन से लेकर अपने पूरे जीवन तक, जो भी नेक पहल की हैं, वो हम में से कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं। मैं यह सोचकर सबसे ज्यादा रोमांचित हूं कि 17वीं शताब्दी में जब महिलाओं के पास मुश्किल से ही अपनी आवाज थी, तब उन्होंने पूरे साहस के साथ न सिर्फ दकियानूसी नियमों को तोड़ा, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनमें सुधार लाया।

पारादीप बंदरगाह को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा: मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा में पारादीप बंदरगाह को 3,004.63 करोड़ रुपए की लागत से एक विश्व-स्तरीय आधुनिक बंदरगाह बनाया जाएगा, जिसमें बड़े आकार के शुष्क मालवाहक कैप्साइज जहाजों को संभालने की क्षमता भी होगी। बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना के तहत पारादीप बंदरगाह का विकास सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) से निर्माण, संचालन और हस्तांतरण (बीओटी) मॉडल पर किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक यह परियोजना पारादीप बंदरगाह को एक विश्व-स्तरीय आधुनिक बंदरगाह में बदल देगी जिसमें कैप्साइज जहाजों को संभालने की क्षमता भी होगी। मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,004.63 करोड़ रुपए है। कैप्साइज जहाज मालवाहक श्रेणी का सबसे बड़ा समूह है जो लौह अयस्क एवं कोयला जैसे माल की भी ढुलाई कर सकता है। कैप्साइज जहाज अपने लंबे आकार की वजह से पनामा नहर से नहीं गुजर सकते हैं और उन्हें प्रशांत एवं अटलांटिक महासागरों के बीच जाने के लिए केप ऑफ गुड होप के चारों ओर चक्कर लगाना पड़ता है।

बयान के मुताबिक पारादीप बंदरगाह के आधुनिकीकरण में बीओटी के आधार पर 2,040 करोड़ रुपए की लागत से नए पश्चिमी गोदी का विकास किया जाएगा। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि यह परियोजना पारादीप बंदरगाह के एक मेगा पोर्ट बनने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह पूर्वी राज्यों के विकास के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है और बंदरगाह की क्षमता में 2.5 करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता जोड़ने के साथ-साथ बंदरगाह की दक्षता में सुधार करने में योगदान देगा।बयान इस परियोजना से बंदरगाह की भीड़ कम होगी, समुद्री मालभाड़ा कम होगा, कोयले का आयात सस्ता होगा और बंदरगाह के भीतरी इलाकों में औद्योगिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

भीषण गर्मी से आम और टमाटर का उत्पादन प्रभावित, खराब हुई 80 फीसदी फसल

मुंबई, एजेंसी। इस साल देश में भीषण गर्मी के कारण टमाटर और आम का उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। देश के कई हिस्सों में आम की कीमतें 100 रुपए किलो से ज्यादा हो गई हैं, जबकि कुछ जगहों पर टमाटर की कीमतें भी 100-120 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। आम के सबसे बड़ा उत्पादक उत्तर प्रदेश में कई सालों बाद सबसे कम पैदावार हुई है। यहां 80 प्रतिशत से अधिक फसल को लू के कारण खराब हो गई है। भारत के कुल आम उत्पादन में यूपी का 23.47 प्रतिशत हिस्सा है। एक ओर घरेलू कीमतें बढ़ी हैं, दूसरी ओर कम उत्पादन से भारत के निर्यात पर भी असर पड़ने की आशंका है। वेजिटेबल ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक गर्मी की वजह से टमाटर के फूल सूख गए हैं, जिसका असर उत्पादन पर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि क्लाइमेट कंडीशन में बदलाव के कारण टमाटर की फसल पर कीड़ों का हमला भी बढ़ गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस क्षेत्र में पहले 10 टन टमाटर की पैदावार होती थी, अब वहां सिर्फ तीन टन ही पैदावार हो रही है। आम के फूलों पर भी लू का असर कुछ इसी तरह पड़ा है। उन्होंने कहा कि आम 27 डिग्री सेल्सियस पर सबसे अच्छा बढ़ता है और इस साल की शुरूआत में ही तापमान काफी बढ़ गया था।

जेएसडब्ल्यू स्टील चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ का पूंजीगत व्यय करेगी

कोलकाता, एजेंसी। इस्पात विनिमार्ता कंपनी जेडब्ल्यूएस स्टील ने कहा है कि उसने चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय के लिए 20,000 करोड़ रुपए चिह्नित किए हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उम्मीद जताई है कि इस्पात पर निर्यात शुल्क और कोयले के ऊंचे दाम जैसी अड़चनें लंबे समय तक नहीं रहेंगी। जेडब्ल्यूएस स्टील के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं समूह मुख्य वित्तीय अधिकारी शेषगिरी राव ने कहा कि दिशा तय करने के प्रमुख कारक कोयले की अस्थिर कीमतें और इस्पात पर निर्यात शुल्क लगना है। हालांकि हम उम्मीद करते हैं कि ये अड़चनें दीर्घकालिक नहीं होंगी। निर्यात में कुछ नरमी आएगी लेकिन मूल्यवर्धित इस्पात निर्यात पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। अभी हम आशावादी हैं और चालू वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय योजना 20,000 करोड़ रुपए बरकरार है। क्षमता विस्तार योजना के तहत कंपनी ने 2021-22 में 15,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय शुरू किया था। पिछले वर्ष भूषण पॉवर एंड स्टील का अधिग्रहण पूरा करने के लिए उसने 19,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। उन्होंने कहा कि अधिक पूंजीगत व्यय की योजनाओं के बीच आंतरिक संसाधनों से पुनर्भुगतान किए जाने से कंपनी का कर्ज स्तर बहुत नहीं बढ़ेगा। अभी यह 56,700 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि इस्पात कंपनियां सिर्फ घरेलू उपयोग के लिए नहीं बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन करती हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का इस्पात निर्यात 1.837 करोड़ टन रहा था। इस्पात उत्पादक कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील वर्ष 2024-25 तक अपनी क्षमता बढ़ाकर 3.75 करोड़ टन और 2029-30 तक 4.5 करोड़ टन करना चाहती है। उसकी मौजूदा क्षमता 2.147 करोड़ टन है।

चाइल्डफंड इंडिया ने सीएसआर हेल्थ इम्पैक्ट अवार्ड्स में जीता स्वर्ण और कांस्य पदक

चंडीगढ़ : गैर-लाभकारी बाल विकास संगठन चाइल्डफंड इंडिया, जो कि पिछड़े समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहा है, इसने हाल ही में छठे सीएसआर हेल्थ इम्पैक्ट अवार्ड्स 2022 में दो पुरस्कार जीते हैं। ये अवार्ड्स इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड वैलबीइंग (आईएचडब्ल्यू) काउंसिल की एक पहल है। चाइल्डफंड इंडिया ने ह्यवॉश इनिशिएटिवह्न कैटेगरी में गोल्ड और ह्यसीएसआर कोविड रिलीफ प्रोजेक्ट (एनजीओ एंड ट्रस्ट) कैटेगरी में ब्रॉन्ज मैडल जीता है। चाइल्डफंड इंडिया को राज्य मंत्री एवं लोकसभा सदस्य श्री अश्विनी कुमार चौबे, भारत के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री रामदास अठावले, लेखक शिव खेड़ा के साथ विभिन्न कॉर्पोरेट, सार्वजनिक उपक्रमों, गैर सरकारी संगठनों, निजी कंपनियों और सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों जैसे प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।चाइल्डफंड इंडिया के कार्यक्रम निदेशक चंद्रशेखर पांडे कहते हैं, ह्लमहामारी के दौरान भारत का स्वास्थ्य ढांचा जबरदस्त दबाव में आ गया था और जो लोग इस दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, वे सबसे पिछड़े समुदायों से थे। शुरूआत में, हमने स्वच्छता किट और भोजन प्रदान कर 1,63,000 लोगों की मदद की। बाद में, हम 3,93,000 लोगों तक भी पहुंचे और उन्हें वैक्सीन की पहली खुराक दिलाने में मदद की और 24 लाख लोगों को टीकाकरण के फायदों के बारे में बताया। यह पुरस्कार निश्चित रूप से हमारे मनोबल को बढ़ाने वाला है और चाइल्डफंड इंडिया हमारी पहल के माध्यम से वंचित लोगों की सेवा करने में भारत सरकार की मदद करना जारी रखेगा चाइल्डफंड इंडिया की वरिष्ठ स्वास्थ्य विशेषज्ञ प्रतिभा पांडे कहती हैं, दुनिया की करीब 40 फीसदी आबादी के पास अपने घरों में पानी और साबुन से हाथ धोने की जगह नहीं है। इसलिए, चाइल्डफंड इंडिया ने हाथ धोने की सही आदत को बढ़ावा देने के लिए हमारे टार्गेट एरिया के 302 गांवों में 10,107 घरों के साथ मिलकर काम किया। इसके तहत जिन 13 राज्यों में हमारी पहुंच है, वहां के समुदायों के लिए हैंडवाशिंग स्टेशन स्थापित किए गए।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

इस जीत को हमेशा याद रखेंगे लोग : हार्दिक

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के पहले ही सत्र में आईपीएल खिताब जीतने से उत्साहित टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा है कि इस जीत को लोग हमेशा याद रखेंगे। पंड्या ने कहा ,ह्यह्यहर कोई याद करेगा कि यह टीम थी जिसने सफर की शुरूआत की थी और इस प्रकार पहले ही साल में चैम्पियनशिप जीतना खास रहेगा। ह्लह्लउन्होंने कहा कि आईपीएल 15 के लिये मेगा नीलामी के बाद ही उन्हें पता था कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने कहा ,ह्यह्य जब नीलामी समाप्त हुई तो मुझे पता था कि मैं चौथे नंबर पर उतरूंगा ह्लह्ल

इस बार हार्दिक ने आईपीएल से गेंदबाजी भी शुरू की है। अपनी गेंदबाजी के बारे में उन्होंने कहा ,ह्यह्य मैं सही समय पर दिखाना चाहता था कि मैने कितनी मेहनत की है। फाइनल इसके लिए दिन था। गेंदबाजी के नजरिये से मैने सर्वश्रेष्ठ दिन के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बचा रखा था ह्लह्ल उन्होंने कहा ,ह्यह्य सही लैंग्थ पर बने रहने और बल्लेबाज को शॉट खेलने के लिये मजबूर करने से ही सफलता मिलती ही है ह्लह्ल हार्दिक ने टूनार्मेंट के दौरान काफी संयम के साथ बल्लेबाजी की और बतौर कप्तान भी वह काफी शांत नजर आये। उन्होंने कहा ,ह्यह्य मेरे लिये टीम सबसे अहम है। मैं हमेशा से ऐसा ही रहा हूं। यदि मेरा प्रदर्शन सबसे बेकार हो पर टीम जीत रही हो तो मेरे लिए यही सही है। मेरे लिये 160 की स्ट्राइक रेट से ज्यादा अहम टीम की जीत है मेरे लिये टीम सर्वोपरि है।' अपनी बल्लेबाजी के बारे में उन्होंने कहा ,ह्यह्य बल्लेबाजी हमेशा मेरे लिये पहले है और मेरे दिल के बेहद करीब है।'

केकेआर के अगले कोच बन सकते हैं ये पूर्व क्रिकेटर

मुम्बई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम अब अगले सत्र से कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कोच नहीं रहेंगे। ऐसे में उनकी जगह केकेआर के अगले कोच के लिए साइमन कैटिच , ट्रेवर बेलिस , जैक कैलिस और जस्टिन लैंगर जैसे पूर्व क्रिकेटर प्रबल दावेदार बताये जा रहे हैं। .

साइमन कैटिच : पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैटिच कोच पद के बड़े दावेदार हैं क्योंकि वह केकेआर टीम के कोचिंग स्टाफ में रहे हैं और उन्हें लंबा अनुभव है। वह नीलामी से पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद के सहायके कोच पद भी रहे थे। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के साथ भी काम किया है। उसने रहते आरसीबी ने ने 2020 और 2021 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था।

ट्रेवर बेलिस : पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बेलिस पहले भी कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच रहे हैं और उनका कोच के तौर पर अच्छा रिकार्ड रहा है। बेलिस के कोच रहते ही के के आर ने दो बार आईपीएल खिताब जीत था। वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद टीम के कोच भी रहे हैं पर अभी ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग में कोच हैं।

जैक्स कैलिस : पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी कैलिस पूर्व में केकेआर बल्लेबाजी सलाहकार और मुख्य कोच रहे थे। कैलिस के मार्गदर्शन में ही केकेआर ने तीन बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। ऐसे में कोच के तौर पर उनकी दावेदारी भी पक्की नजर आती है।

जस्टिन लैंगर : पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर जस्टिन लैंगर अपने देश की राष्ट्रीय टीम के कोच रहे हैं। अब वह केकेआर से जुड़कर आईपीएल में भी कोच के तौर पर अपनी जगह बनाना चाहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात टाइटंस और 2011 विश्वकप जीत में दिखी समानताएं

अहमदाबाद, एजेंसी । हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस की आईपीएल के 15 वें सत्र में खिताबी जीत और साल 2011 में भारतीय टीम को एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत में कई समानताएं देखने में आई हैं । भारतीय टीम ने तब श्रीलंका को हराकर विश्व कप जीता था। इस बार गुजरात टाइटंस की ओर से सात नंबर की जर्सी पहनने वाले शुभमन गिल ने ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई है । वहीं साल 2011 में भी भारतीय टीम की ओर से सात नंबर की जर्सी पहनने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भी छक्का लगाकर भारतीय टीम को विश्वकप जिताया था। उस समय भारतीय टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के गैरी क्रस्टन थे और टीम में गेंदबाज के तौर पर आशीष नेहरा शामिल थे। नेहरा हालांकि चोटिल होने के कारण खिताबी मुकाबले में नहीं खेल पाये थे । इस बार क्रस्टन जहां गुजरात टीम के बल्लेबाजी कोच हैं , वहीं नेहरा मुख्य कोच । वहीं दूसरी ओर फाइनल में हारने वाली राजस्थान रॉयल्य के मुख्य कोच ओर निदेशक श्रीलंका के कुमार संगकारा हैं जबकि लसिल मलिंग गेंदबाजी कोच । वहीं तब विश्व कप में उपविजेता रही श्रीलंकाई टीम के कप्तान संगकारा थे और मलिंगा मुख्य गेंदबाज के तौर पर टीम के साथ थे।

आईपीएल ट्राफी अपनी टीम को जिताने वाले पहले भारतीय मुख्य कोच बने नेहरा

मुम्बई, एजेंसी । गुजरात टाइटंस के आईपीएल खिताब जीतते ही टीम के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने भी एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है । नेहरा मुख्य कोच के तौर पर अपनी टीम को आईपीएल खिताब जिताने वाले पहले भारतीय मुख्य कोच हैं । इससे पहले जो भी टीमें खिताब जीती हैं उनके मुख्य कोच विदेशी थे । इससे पहले आईपीएल के 14 सीजन खेले गए थे और सभी में खिताब विजेता टीमों के मुख्य कोच विदेशी थे। चार बार स्टीफन फ्लेमिंग जबकि तीन बार महेला जयवर्धने के कोच रहते हुए टीमों ने ये करिश्मा किया है । वहीं ट्रेवर बैलिस ने दो बार मुख्य कोच के तौर पर ट्रॉफी जीती थी । वहीं एक–एक बार टॉम मूडी, रिकी पोंटिंग, जॉन राइट, डैरेन लेहमैन और शेन वॉर्न ने ट्रॉफी जीती है । वहीं जब गुजरात के कप्तान हार्दिक ने यह बात नेहरा को बतायी कि वह मुख्य कोच के तौर पर जीत दर्ज करने वाले एकमात्र भारतीय हैं, तो नेहरा ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है ।

टीम को जीत दिलाना था लक्ष्य : तेवतिया

अहमदाबाद, एजेंसी । आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर राहुल तेवतिया ने कहा है कि उनका सत्र की शुरूआत से ही अपनी टीम को जीत दिलाने का लक्ष्य था । गुजरात ने फाइनल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स पर सात विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया । तेवतिया ने कहा, ह्य किसी ने मुझसे पूछा था कि आपका लक्ष्य क्या है । मैंने कहा था कि मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य कुछ नहीं है । एक टीम है सिर्फ टीम को जिताना । नई टीम आई है, नई टीम के साथ खेलेंगे । ट्रॉफी जीतेंगे तो उससे अच्छी बात और भला क्या हो सकती है ह्ल तेवतिया ने आईपीएल के 15वें सीजन में 16 मैच खेलते हुए कुल 217 रन बनाए । इस दौरान उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 43 रन रहा है । इस युवा खिलाड़ी ने कहा, ह्य नीलामी के बाद लोगों का कहना था कि हमारी टीम में बल्लेबाज कम अनुभवी हैं पर जिस प्रकार का भरोसा हम लोगों पर कप्तान ने दिखाया उससे हमें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली । टीम ने एकजुट होकर प्रयास किये और उसी से हमें जीत मिली है ।

हार से निराशा हुई : बटलर

अपनी टीम पर गर्व है : सैमसन

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल के खिताबी मुकाबले में हार से निराश राजस्थान रॉयल्स के आक्रामक बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा है कि फाइनल को छोड़कर उनका प्रदर्शन उम्मीद से अच्छा रहा है और उससे वह संतुष्ट हैं। बटलर को टूनार्मेंट में सबसे अधिक रन बनाने के लिए ह्यप्लेयर आफ द टूनार्मेंटह्ल का अवार्ड भी मिला। मैच के बाद बटलर ने कहा, ह्यहम खिताब जीतना चाहते थे , ऐसे में हार से निराशा होना स्वाभाविक है पर बेहतर प्रदर्शन के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक और उसकी टीम को बधाई। वे जीत के अधिकारी थे। मेरा काम टीम के लिए अपनी भूमिका निभाना था ह्ल वहीं हार के बाद भी रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा, ह्ययह हमारे लिए एक विशेष सत्र था। हम अच्छा क्रिकेट खेले और अपने प्रशंसकों को लुभावनी यादें दी। मुझे अपनी टीम पर गर्व है ह्ल

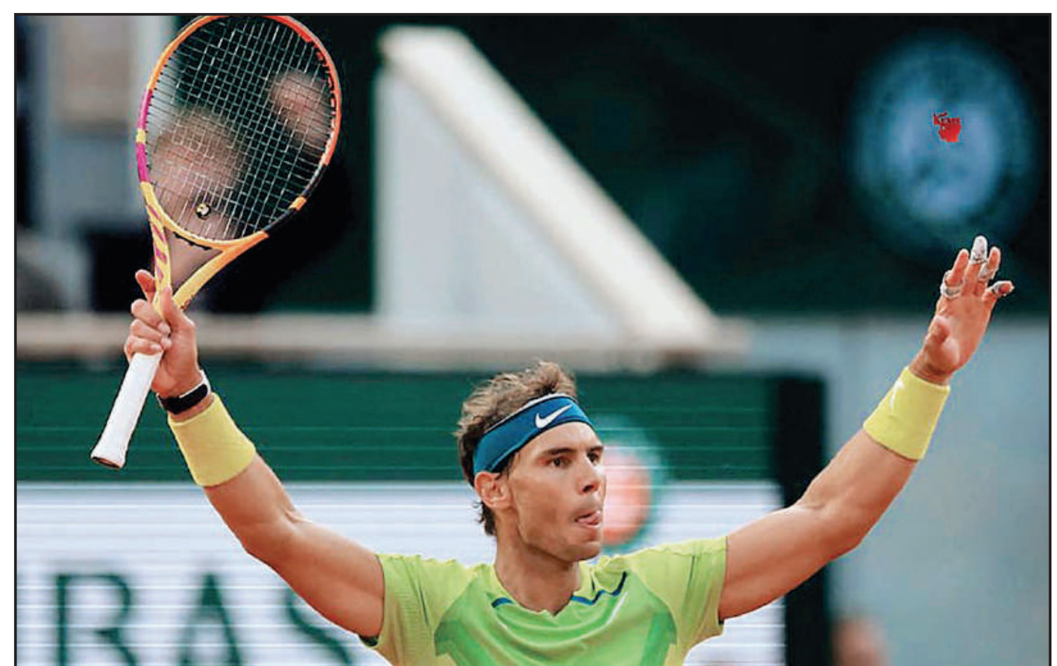

पेरिस में स्पेन के रफल नडाल चौथे दौर का मैच जीतने के बाद उत्साहित होते हुए।

भारत में उभरते हुए तेज गेंदबाजों से प्रभावित हैं ब्रेट ली

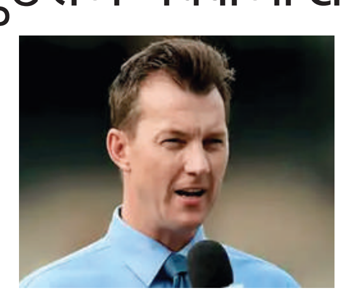

मुंबई, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज रहे ब्रेट ली ने भारत में उभरते हुए तेज गेंदबाजों की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में आवेश खान, मोहसिन खान, उमरान मलिक, मुकेश चौधरी, अर्शदीप सिंह जैसे युवा तेज गेंदबाजों ने अपनी प्रतिभा दिखायी है। उन्होंने कहा, ह्यह्य भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजों की फौज निकल रही है। यह मुझे काफी पसंद आया।' ली ने कहा, ह्यह्यउनके पास अच्छे स्पिन विकल्प भी हैं पर निश्चित रूप से अगर आप ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो तेज उछाल वाले विकेटों पर तेज गेंदबाजी कर सकें ह्लह्ल

उन्होंने कहा कि उमरान मलिक को टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिये।

ली ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खराब फार्म को लेकर कहा है उन्हें अपनी लय हासिल करने के लिए ब्रेक ले लेना चाहिये। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के अनुसार विराट का लंबे समय से फार्म में न होना परेशानी का कारण बन सकता है। इससे उबरने के लिए उन्हें तरोताजा होने की जरुरत है। आईपीएल के 15 वें सत्र में भी विराट केवल दो अर्धशतक ही लगा पाये और तीन बार पहली ही गेंद पर आउट हुए।

ली ने कहा कि कोहली ने पिछले तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई शतक नहीं लगाया है। आईपीएल में भी वह 16 मैचों में 22.73 की औसत से केवल 341 रन ही बना सके।

ली ने कहा, ह्यह्य कोहली को लेकर आमतौर पर यह बात रहती है कि जब वह अच्छा करते हैं तो टीम का प्रदर्शन भी अच्छा रहता है और जब वह रन नहीं बनाते हैं तो टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है। हमने 2016 आईपीएल सत्र में देखा है जब वह शानदार लय में थे। उन्होंने 800-900 रन बनाये थे तो टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था।'

उन्होंने कहा, ह्यह्य इन हालातों में विराट के लिए अभ्यास में वापस जाने और कुछ चीजों पर काम करने का मौका हो और शायद क्रिकेट से आराम करने से भी उन्हें फायदा होगा। इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए खेल से दूर रहकर दिमाग को तरोताजा करना चाहिये।'

फ्रेंच ओपन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जोकोविच और नडाल

पेरिस, एजेंसी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्पेन के रफल नडाल फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हैं जहां इन दो दिग्गजों का मुकाबला होगा। शीर्ष वरीयत प्राप्त जोकोविच ने अर्जेंटीना के डिएगो श्वाट्र्जमैन को 6-1, 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। जोकोविच ने श्वाट्र्जमैन के खिलाफ पहला सेट आसानी से जीता। वहीं इसके बाद श्वाट्र्जमैन ने दूसरे सेट में लगातार 3 गेम जीतकर 3-0 की बढ़त हासिल की पर जोकोविच ने इसके बाद लगातार सात गेम जीतकर वापसी करते हुए दूसरा सेट जीता और फिर तीसरे सेट में 1-0 से बढ़त हासिल करने के बाद मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल भी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। नडाल ने चौथे दौर में फेलिक्स ऑगर एलिसिमे को 3-6, 6-3, 6-2, 3-6, 6-3 से हराया।

दूसरी ओर महिला वर्ग में अमेरिकी ओपन की उप विजेता कनाडा की लैला फर्नांडिज ने अमांडा एनिसिमोवा परला 6-3, 4-6, 6-3 को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। अब लैला का सामना इटली की मार्टिना ट्रेविसान से होगा। मार्टिना ने एक अन्य मुकाबले में अलीकसांद्रा सासनोविच को 7-6, 7-5 से हराया।

सीखने को तैयार रहते हैं पंड्या : कर्स्टन

नेहरा रणनीति बनाने में कुशल

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजी कोच गैरी कर्स्टन ने टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद विनम्र होने के साथ ही सीखने के लिए तैयार रहते हैं। वहीं मुख्य कोच आशीष नेहरा रणनीति बनाने में कुशल होने के साथ ही एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनके साथ काम करने में आनंद आता है।

कर्स्टन के अनुसार नेहरा ने ऐसे खिलाड़ी टीम में रखे जो अलग-अलग भूमिकाएं निभा सकते थे। इसी इसी लिए निचले क्रम पर हमारे पास बल्लेबाजी के लिए कई खिलाड़ी थे। हमारी गेंदबाजी भी पूरे टूनार्मेंट में अच्छी थी और इसके साथ ही हम एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ भी उतरे थे।'

कर्स्टन ने फाइनल में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने वाले पंड्या की तारीफ करते हुए कहा, ह्यहार्दिक बहुत विनम्र और सीखने को लालायित रहता है। उसने अच्छी बल्लेबाजी की और जिम्मेदारी के साथ खेला जबकि आईपीएल में उसका यह रूप हमने अभी तक नहीं देखा था ह्ल इसके साथ ही कर्स्टन ने मुख्य कोच नेहरा की भी जमकर तारीफ की और कहा कि वह अच्छी रणनीत बनाते हैं जिसका लाभ टीम को मिला।

उमरान , बटलर सहित छह खिलाड़ियों को मिले अवार्ड

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल के 15 वें सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक और राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर सहित छह खिलाड़ियों को अवार्ड मिले हैं। उमरान को अपनी तेज गेंदबाजी के लिए इमर्जिंग प्लेयर अवार्ड मिला है। उमरान ने लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सबका ध्यान खींचा हैं। इस युवा गेंदबाज ने 14 मैचों में कुल 22 विकेट लिए। वह सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में चौथे नंबर पर हैं। वहीं राजस्थान के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर को भी कुछ 6 अवॉर्ड मिले हैं। बटलर ने इस टूर्नाटमेंट में सबसे ज्यादा 863 रन बनाए हैं। बटलर की बल्लेबाजी से ही टीम फाइनल तक पहुंची हालांकि वहां उसे गुजरात टाइटंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा है।

आईपीएल 2022 में खिलाड़ियों को मिले अवॉर्ड

इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजनः उमरान मलिक (10 लाख)
मोस्ट सिक्सेस ऑफ द सीजन : जोस बटलर (10 लाख)
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन : दिनेश कार्तिक (10 लाख, टाटा पंच)
गेम चेंजर अवॉर्ड : जोस बटलर (10 लाख)
फेयर प्ले अवॉर्ड : गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स
पावर प्लेयर ऑफ द सीजनः जोस बटलर (10 लाख)

फास्टेस्ट बॉल ऑफ द सीजन : लॉकी फर्ग्यूसन (157.3ड्ढल्ल)
मोस्ट 4 ऑफ द सीजन : जोस बटलर (10 लाख)
पर्पल कैप : युजवेंद्र चहल (27 विकेट, 10 लाख)
ऑरेंज कैप : जोस बटलर (863 रन, 10 लाख)
कैच ऑफ द सीजन : एविन लुईस (10 लाख)
मोस्ट वैल्यूएब प्लेयर ऑफ द सीजन : जोस बटलर (10 लाख।

राष्ट्रमंडल और टी20 के लिए अभ्यास कर रही तानिया

पुणे, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट की विकेटकीपर बल्लेबाज तानिया भाटिया आजकल राष्ट्रमंडल और विश्व टी20 टीम में जगह पक्की करने के लिए अपने स्ट्राइक रेट पर काम कर रही हैं। तानिया ने कहा है कि वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और अगले साल होने वाले विश्व टी20 से पहले राष्ट्रीय महिला टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहती हैं। इसके लिए उनका ध्यान अपना स्ट्राइक रेट बेहतर करने पर लगा है। 24 साल की यह खिलाड़ी दो साल पहले टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान सिर में गेंद लगने के कारण ह्यरिटायर हर्टह्ल होने के बाद से भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पायी है। उसने पिछले साल इंग्लैंड में तीन एकदिवसीय खेले थे जिसमें वह दो अवसरों पर केवल सात और दो रन ही बना पायी थी। वह इस साल भी वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीम में थीं पर उसने केवल एक पारी खेलीं और आठ रन ही बना पायी। उसे इस साल न्यूजीलैंड में विश्व कप टीम में शामिल किया गया था पर वहां भी उसे खेलने का अवसर नहीं मिला था। तानिया ने कहा कि मैंने हालातों का स्वीकार कर लिया है। इसी के तहत मैंने विश्व कप के दौरान सोचा कि जब मैं जाऊंगी तो मैं अपनी बल्लेबाजी पर काम करूंगी। मैं जानती थी कि इस इस सत्र में टी20 मैच होंगे , इसलिए मैंने घरेलू टूनार्मेंट के दौरान अपने स्ट्राइक रेट पर काम करना शुरू कर दिया था। इस बल्लेबाज ने कहा, ह्यटी20 क्रिकेट में स्ट्राइक रेट और औसत बनाए रखना अहम होता है इसलिए यहां मैंने अपना ध्यान इसी पर लगाए रखा कि हालातों के हिसाब से खेलूं ह्ल तानिया ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भारत को भारतीय टीम को हार से बचाया था। तब तानिया ने स्नेह राणा के साथ 104 रन की नाबाद साझेदारी निभाई थी।

पराग अच्छे बल्लेबाज और फील्डर : मलिंगा

अहमदाबाद, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा ने युवा बल्लेबाज रियान पराग की जमकर तारीफ की है। मलिंगा ने कहा कि पराग एक अच्छे बल्लेबाज होने के साथ ही शानदार फील्डर भी हैं। राजस्थान रॉयल्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम पर बात करते हुए मलिंगा ने कहा, ह्यमैं पिछले 15 मैचों से रियान पराग की फील्डिंग का वास्तव में आनंद उठा रहा हूं। उनके पास इतनी ऊर्जा है, वह इतना एथलेटिक हैं जिसके कारण खेल में सक्रिय बना रहता है ह्ल मलिगा ने साथ ही कहा, ह्यहम सब जानते हैं कि उन्हें बल्लेबाजी के ज्यादा अवसर नहीं मिले हैं पर वह मैदान पर अपने खेल से जो ऊर्जा लाते हैं वह अद्भुत है। मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा फील्डर किसी अन्य टीम में देख सकते हैं। मैं उनकी ऊर्जा और उनके जुझारु रवैये से बहुत उत्साहित हूं। उनके इसी रवैये की हमें जरूरत है ह्ल हाल ही में पराग ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आईपीएल के एक सत्र में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने के रिकॉर्ड को भी तोड़ा था। 15वें सीजन में उन्होंने शानदार फील्डिंग की है। आईपीएल 2022 में रियान ने सबसे ज्यादा 16 कैच पकड़े हैं। वहीं बल्लेबाजी में पराग ने आईपीएल के इस सत्र के 16 मैचों में एक अर्धशतक के साथ ही 168 रन बनाए हैं।

कीमती क्रॉकरीज इस तरह करें हैंडल

कई बार हम दिवाली या किसी खास ओकेजन पर महंगे और खूबसूरत क्रॉकरीज खरीदते हैं और शेल्फ में सजा कर रखते हैं। कई लोग इन्हें किचन में रखना पसंद करते हैं तो कई इसे अपने सिटिंग एरिया में शेल्फ पर डेकोरेटर की तरह प्रयोग करते हैं। आमतौर पर इनका प्रयोग किसी खास ओकेजन पर ही किया जाता है। आपको बता दें कि क्रोकरीज में मैकेनिकल स्ट्रेंथ और रेसिस्टेंस होती है लेकिन ये नाजुक भी बहुत होते हैं। यही वजह है कि इसे स्टोर करने में की गई लापरवाही से ये आसानी से टूट भी सकते हैं। ऐसे में इन्हें टूटने और क्रैक्स से बचाने के लिए अधिक केयर की जरूरत होती है। हम आज आपको बताते हैं कि आप किन टिप्स को अपनाकर आपकी क्रॉकरीज को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

इन पर भारी बर्तन न रखें

जब भी आप क्रॉकरीज को रखें तो हमेशा इस बात का विशेष ध्यान दें कि इन पर भारी बर्तन ना रखा जाए। ऐसे में हमेशा भारी और बड़ी प्लेस्ट को सबसे नीचे रखें और इनके ऊपर हल्के बर्तन रखें। यही नहीं अगर आप एक साथ ज्यादा बर्तन रखते हैं तो इससे प्लेट्स और क्रॉकरीज को नुकसान हो सकता है।

पेपर का करें प्रयोग

जब भी क्रॉकरीज को रखें तो इस बात का ध्यान रखें कि ये गीली नही हों। इन्हें पोछने के बाद दो बर्तनों के बीच में पेपर या टीशू पेपर जरूर रखें। ऐसा करने से ये एक-दूसरे में चिपकते नहीं हैं और रगड़ते नहीं हैं।

सफाई में टेंप्रेचर का रखें ख्याल

जब भी क्रॉकरी के बर्तनों को धोएं तो इस बात का ध्यान जरूर रखें कि वे अधिक गर्म या अधिक ठंडा ना हों। ऐसा होने पर ये चटक कर टूट सकते हैं। हमेशा नॉर्मल या गुनगुने पानी में ही इन्हें साफ करें।

सफेद पेपर का करें प्रयोग

अगर आप अखबार से क्रॉकरीज को लपेट कर रखेंगे तो इन पर अखबार का इंक लग सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप बिना प्रिंट वाले पेपर का प्रयोग करें।

टॉवल का करें प्रयोग

जब भी क्रॉकरी को वॉश करना हो तो आप इन्हें साफ कर टॉवल पर उल्टा रखते जाएं। ऐसा करने से ये टूटेंगे नहीं और इनका पानी भी आसानी से साफ हो जाएगा।

बिगड़ा मूड बनाती है खुशबू

जिस तरह अच्छे भोजन से शरीर पुष्ट होता है उसी तरह अच्छी खुशबू मनमस्तिष्क को सेहतमंद बनाती है। अच्छी खुशबू से सोच बदलती है और सोच से जीवन बदल जाता है। यहां तक कि सुगंध हमारे विचारों और भावनाओं को बदलने की भी क्षमता रखती है। यह मनमस्तिष्क में शांति, उत्साह बढ़ा कर जीने का नजरिया बदलती है। यही वजह है कि हम सभी अच्छी खुशबू से महकना चाहते हैं। मगर यह खुशबू सिर्फ हमें ही नहीं हमारे घर को भी महकाए तभी फैस्टिवल्स का असली आनंद है। रिसर्च के मुताबिक फैस्टिवल की तैयारी में व्यस्तता से उपजा तनाव भी भीनीभीनी खुशबू से कम होने लगता है। आइए, जानते हैं कि अलगअलग फ्रैगरैंस हमारे मूड को किस तरह प्रभावित करती हैं:

लैवेंडर: इस की खुशबू हमारे दिमाग को शांत रखने में मदद करती है। भावनात्मक तनाव और अवसाद दूर कर राहत देती है। माइग्रेन और सिरदर्द के असर को कम करती है।

जैस्मिनः इस की खुशबू थकान दूर करने में मददगार है। यह न सिर्फ उत्साह बल्कि शरीर की ऊर्जा भी बढ़ाती है।

रोजमेरी: इस की खुशबू याद्दाश्त बढ़ाने, शारीरिक ऊर्जा वापस लाने, सिरदर्द और मानसिक थकान दूर करने में मददगार होती है।

पिपरमिंट: इस की खुशबू ऐनर्जी बूस्टर है। यह एकाग्रता बढ़ाती है और स्पष्ट सोचने की शक्ति देती है। यह मूड भी अपलिफ्ट करती है।

लैमन: लैमन की खुशबू एकाग्रता बढ़ाती है और मन को शांत करती है। यह सांसों में समा कर तरोताजा

ताजी कटी घास की खुशबू: आस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं के मुताबिक ताजा कटी घास से ऐसे कैमिकल रिलीज होते हैं जो व्यक्ति को रिलैक्स करते हैं। इस की खुशबू उम्र के साथ होने वाले मानसिक क्षय और बुढ़ापे की निशानियों को बढ़ने से रोकती है। तभी तो ऐसे ऐअर फ्रैशनर भी आने लगे हैं जो इस खुशबू का एहसास आप को कहीं भी करा सकें।

वनीला: एक अध्ययन के मुताबिक वनीला की खुशबू आप के मन को खुशी देती है। आप का मूड अच्छा हो जाता है और चिड़चिड़ापन गायब हो जाता है।

यों महकाएं आशियाना

★घर के परदों, कालीनों व चादरों को धो कर धूप में सुखा लें।

★डस्टबिन डिटर्जेंट से रगड़ कर साफ कर दें, क्योंकि डस्टबिन से आने वाली दुर्गंध मेहमानों का मिजाज खराब कर सकती है। मैटल के कूड़ेदान की दुर्गंध हटाने के लिए उस में

★पुराने अखबार डाल कर आग लगा दें। दुर्गंध दूर हो जाएगी।

★ फ्रिज में बेकार पड़े सड़ रहे ऐक्सपायर सामान हटा दें।

★ बाथरूम और टौयलेट अच्छी तरफ साफ कर ऐअर फ्रैशनर से महकाएं।

★ नए पेंट से घर को नया लुक दें। नया पेंट घर में महकता एहसास पैदा करता है।

★ घर के कोनों और छोटी जगहों पर फ्रैगरैंट औइल स्प्रे करें। घर को महकाने के साथसाथ ये मच्छरों को भी भगाते हैं।

★स्ट्राबैरी, लैवेंडर, लैमन, औरेंज जैसी तरहतरह की खुशबू और डिजाइन वाली मोमबत्तियां बाजार में उपलब्ध हैं। इन का प्रयोग रोशनी के साथ दिलअजीज खुशबू के लिए भी किया जाता है।

★घर में चमेली, मोगरा, रात की रानी, लिली

जैसे सुगंधित फूलों के पौधों को डिजाइनर गमलों में लगा कर घर में रौनक और महक दोनों ला सकते हैं। इन्हें आप बरामदे में डाइनिंग टेबल के पास या ड्राइंगरूम में भी रख सकते हैं।

★ दालचीनी को संतरे के छिलके के साथ धीमी आंच में हलका सा भून कर छोड़ दें। घर खुशबू से महक उठेगा।

★ रूम फ्रैशनर, कारपेट पाउडर से आप घर में बिछे कारपेट के जरीए पूरे कमरे को महका सकते हैं। आप लैवेंडर और रोजमैरी पाउडर का प्रयोग भी कर सकते हैं। इस के लिए बेकिंग सोडा, ड्राई रोजमैरी और लैवेंडर औयल की जरूरत पड़ेगी।

ब्रा से जुड़ी कॉमन गलतियां आपको दे सकतीं है ब्रेस्ट कॅन्सर

10 में 7 महिलाएं जब बात ब्रा की आती है तो लापरवाही बरत देती हैं। कपड़ों के मामले में लड़कियां चूजी मानी जाती हैं हर चीज देख परख कर लेती हैं। जबकि बाकी कपड़ों का चुनाव जितना जरूरी है उतना ही सही ब्रा का चुनाव भी जरूरी है। तो चलिए आपको बताते हैं उन कॉमन गलतियों के बारे में जो महिलाएं जाने-अनजाने में करती ही करती हैं।

जब भी ब्रा खरीदने जाएं, उसकी फिटिंग चेक करके ही लें। गलत साइज़ और खराब ब्रा टाइप खरीदने से सिर्फ आपकी ब्रेस्ट शेप तो खराब होगी साथ ही हैल्थ प्रॉब्लम्स भी होगी। वजन बढ़ने, प्रेग्नेंसी के दौरान उम्र के हिसाब से अक्सर ब्रेस्ट साइज चेंज होता है इसलिए साल में 2 बार अपना ब्रा साइज चेक करें।

बहुत सी महिला ब्रा को दो से तीन दिन लगातार पहनती हैं ये सोच कर की इसकी फिटिंग बेहतर हो जाती हैं जबकि ऐसा तो कुछ नहीं हैं बल्कि हाइजीन के लिहाज से भी रोज बदलना जरूरी है।

अब आप सोच रही होगी कि ब्रा की भी क्या एक्सपायरी डेट होती है? तो बता दें कि हां, विशेषज्ञों के अनुसार 6 से 9 महीने रेगुलर इस्तेमाल के बाद ब्रा खराब होने लगती है। हुक में क्रैक, इलास्टिक में ढीलापन और वायर का हिल जाना, आदि संकेत दिखने लगें तो ब्रा बदल डालें। साल में दो बार बदलें।

अभी तक आप भी अगर वॉशिंग मशीन में ब्रा धो रही हैं तो इसे अब से हाथ से धोएं। ब्रा का कपड़ा अन्य कपड़ों की तुलना में अधिक नाजुक होता है इसलिए इसे हाथ से ही साफ करें।

रात को ब्रा पहनकर नहीं सोना चाहिए। खासतौर से teenagers को इस rule को follow करना ही चाहिए। टाइट ब्रा ब्लड सर्कुलैशन में बाधा डालती है।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए जरूर पिएं लेमन टी

नींबू की चाय बनाना बहुत आसान है। यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो नींबू की चाय एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें नींबू होने के कारण शरीर को विटामिन सी मिलता है और विटामिन सी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। नींबू की चाय पीने से शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। शरीर को एनर्जी मिलती है। रिफ्रेश होने के लिए नींबू की चाय पीनी चाहिए। नींबू की चाय पीने के फायदों के बारे में।

सर्दी-जुकाम से बचाता है

नींबू की चाय सर्दी-जुकाम में राहत देती है। यह चाय ठंड और फ्लू के लक्षणों को कम करती है। बेहतर परिणाम के लिए, आप चाय में अदरक डाल सकते हैं। इसके अलावा, यह गले में दर्द व गले में खराश में आराम देती है। नींबू की चाय रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत करती है।

वजन घटाती है

ग्रीन टी की तरह ही नींबू की चाय या लेमन टी पीने से वजन कम होता है। अगर आप अपना वजन कम करने के लिए रोज सुबह नींबू पानी पीते हैं, तो अब नींबू वाली चाय भी पीना शुरू कर दें। लेमन टी भी वजन को नियंत्रित करता है। नींबू में कैलोरी न के बराबर होती है, इसलिए आप नींबू की चाय पीकर अपना वजन घटा सकते हैं।

नैचुरल एंटीसेप्टिक

नींबू एक नैचुरल एंटीसेप्टिक होता है। नींबू की चाय में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। चाय को नियमित रूप से पीने से संक्रमण और बीमारियों के उपचार में मदद मिलती है।

डिटॉक्सीफायर करती है

नींबू की चाय प्रभावी रूप से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल देती है। शरीर से विषाक्त पदार्थों को हटाना जरूरी होता है क्योंकि वह इंफेक्शन और बीमारियों को बढ़ाते हैं। नींबू की चाय पीने से रोग और इंफेक्शन कम होते हैं।

स्किन पर लाए निखार

लेमन टी विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है। विटामिन सी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसके अलावा, इसमें एस्ट्रिंजेंट भी होते हैं जो पिंपल्स और त्वचा की अन्य समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं।

वेट लॉस में हेल्प करेंगी ये पांच तरह की रोटियां

चोकर की रोटी

आप अगर रोटी का पूरा पोषण पाना चाहते हैं, तो आप आटे से चोकर को पूरी तरह अलग न करें। आपकी रोटी में आटे की जगह अगर चोकर की मात्रा ज्यादा होगी, तो आपको ज्यादा पोषण मिल पाएगा।गेहूं की रोटी में कार्ब्स, आयरन, नियासिन, विटामिन बी 6, थायमिन और कैल्शियम होता है जबकि चोकर फाइबर से भरपूर होता है।

मल्टीग्रेन रोटी

आप अगर अपनी रोटी का टेस्ट बढ़ाकर उसे हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो आटे में एक मुट्ठी बेसन मिला दें।चने में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो शरीर में कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया को तेज करता है। अपने गेहूं के आटे में थोड़ा-सा बेसन मिला कर उसे मल्टीग्रेन आटा बनाया जा सकता है।

सत्तू की रोटी

आपने गर्मियों के मौसम में सत्तू घोलकर कई लोगों को पीते हुए देखा होगा, इसके साथ ही सत्तू की रोटी भी सेहत के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। वजन कंट्रोल रखने के साथ यह आपके शरीर को एक्टिव भी बनाए रखती है।

सोया रोटी

शरीर पर जमा फैट कम करने के लिए आपको सोया रोटी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होने के अलावा सोया रोटी में विटामिन और खनिज की काफी मात्रा होती है।सोया रोटी बुर्जुगों के लिए बेहद सेहतमंद मानी जाती है।

जौ की रोटी

आपको अगर बार-बार भूख लगती है, तो आप जौ की रोटी खाना शुरू कर दें क्योंकि इसे खाने के बाद लम्बे समय तक आपका पेट भरा रहता है। जौ की रोटी में प्रोटीन और फाइबर की काफी मात्रा पाई जाती है।

इन होममेड टिप्स से दाग छुड़ाना हो जाएगा आसान

क्लब सोडा : जी हां, वही सोडा, जो हम पीते हैं। यह हर प्रकार के दाग हटाने में कारगर है, खासकर तब जब आप किसी रेस्टोरेंट में खाना खा रहे हों। आप की पार्टी ड्रैस पर किसी भी तरह का दाग लग जाए, उसे फौरन सोडा वाटर से धो लीजिए, कुछ देर बाद उस का नामोनिशान नहीं रहेगा। बरतन साफ करने वाला लिक्विड सोप : चौंकिए मत, बल्कि यकीन कीजिए। यह कपड़ों के लिए बेहतरीन स्टेन रिमूवर साबित हो सकता है, खासकर तेल, घी, मक्खन आदि के दागों के लिए।

अल्कोहल : चाहे मिथाइलेटिड स्प्रिट हो, या नेलपौलिश रिमूवर या हेयर स्प्रे इन के द्वारा आप घास या अन्य कई प्रकार के जिद्दी दाग हटा सकती हैं।

शैंपू : धूलमिट्टी, मेकअप, कालर रिंग्स आदि दाग हटाने में शैंपू बड़ा काम आ सकता है। जरूरी नहीं कि आप कोई महंगा शैंपू ही इस्तेमाल करें, कोई भी शैंपू आप की मदद करेगा।

शेविंग क्रीम : शेविंग क्रीम भी हर तरह के दाग हटाने में मददगार है। यह उस समय बड़ी मददगार साबित होती है, जब आप कहीं बाहर घूमने गए हैं। आखिर गौर से देखें तो आप को मालूम पड़ेगा कि शेविंग क्रीम सिर्फ एक प्रकार का फेंटा हुआ साबुन ही है।

नौलखा साबुन : नौलखा साबुन, टुकड़ा साबुन, देसी साबुन, घोड़े वाला साबुन जैसे नामों से मिलने वाला साबुन हम बेशक आउटडेटेड मान कर छोड़ चुके हैं, पर यह है बड़े काम की चीज। इस से आप के सफेद कपड़े तो चमकते ही हैं, ग्रीस, मैल, चिकनाई आदि दागों पर भी बड़ा कारगर साबित होता है।

नौन जैल टूथपेस्ट: आप के दांतों को चमकाने के साथसाथ आप का नौन जैल टूथपेस्ट कपड़ों पर से इंक के दाग बड़ी सफाई से हटा कर उन्हें भी चमकदार बनाता है।

नीबू का रस व नमक : कपड़ों पर से फफूंदी आदि के दाग हटाने में नीबू का रस बड़ी सहायता करेगा। इंक, हलदी, तेल आदि के दागों पर भी आप नीबू का रस मल सकती हैं। फफूंदी पर नीबू लगा कर उस पर नमक बुरक दें और फिर धूप में रख दें। इसी प्रकार कपड़ों पर से खून के धब्बे साफ करने के लिए उन्हें नमक मिले पानी में भिगो दें।

सिरका : सफेद सिरका भी कपड़े धोते समय आप का मददगार साथी साबित होगा। जिन कपड़ों से रंग निकलता हो, उन्हें सिरके में डुबो कर आप उन के रंग पक्के कर सकती हैं।

चेहरे पर जमी चर्बी को दूर करने के लिए फेस योग

योग एक ऐसी क्रिया है जिससे आप तन और मन दोनों को स्वस्थ रख सकते हैं। खासतौर पर वर्तमान समय में ज्यादतर लोग तनाव का सामना करने के साथ शारीरिक रूप से भी स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं। ऐसे में आपको योग को अपने जीवन का खास हिस्सा बनाना चाहिए। वहीं, बात करें आपके चेहरे की तो आपको अगर फेस डबल चिन की समस्या है, तो हम आपको ऐसे फेशियल योगा बताने जा रहे हैं, जिससे आप अपने चेहरे की चर्बी को कम कर सकते हैं।

- सेल्फी क्लिक करते समय जैसे आप पाउट बनाते हैं, यह योगा कुछ वैसा ही है। इसके लिए आपको बस अपने गालों को अंदर की ओर करना है और 30 सेकंड के लिए स्थिति में रहना है। अब अपने चेहरे को आराम दें और इसे 4-5 बार दोहराएं।
- आपको अगर तेजी से फेस पर जमा चर्बी हटानी है, तो इस तकनीक के लिए, बस अपनी ठोड़ी को ऊपर उठाएं और छत को देखें। अब अपने मुंह को 10-15 सेकंड के लिए लगातार खोलें और बंद करें। आराम करें और अपने चेहरे को नीचे लाएं। अपने चेहरे के फैट को जल्दी से बर्न करने के लिए इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहराएं।
- सबसे आसान योग आसन में आपको केवल पानी से नहीं बल्कि हवा से अपने मुंह को कुल्ला करना होगा। बस अपना मुंह हवा से भरें और कुल्ला करें। हवा को बाईं ओर, फिर दाईं और फिर मध्य की ओर ले जाएं। इसे कम से कम 20-30 सेकंड तक जारी रखें और फिर साँस छोड़ें। इसे 3-4 दोहराव करें।

इस तरीके से न सिर्फ आपके चेहरे की चर्बी कम होती है बल्कि इससे आपकी थकान भी दूर होती है। इस मुद्रा के लिए, पैरों को पीछे की ओर मोड़ें और अपनी हथेलियों को अपनी जांघों पर रखें। अपनी पीठ को सीधा रखें और अपनी जीभ बाहर निकालें। अपनी जीभ को जितना हो सके उतना फैलाएं। याद रखें कि आप मांसपेशियों पर दबाव नहीं डालें। अब एक गहरी सांस लें और जब आप साँस छोड़ते हैं, तो एक ध्वनि होती है। इस क्रिया को 6-7 बार दोहराएं।

बरसात में देखें बुंदेलखंड का सौंदर्य

अगर आप उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखना चाहती हैं तो बुंदेलखंड में पर्यटन का आनंद मॉनसून में लें। बरसात में बुंदेलखंड का सौंदर्य और भी निखर उठता है। बरसात में यहां की नदियां पानी से भर जाती हैं और नदीयों में उठती लहरें बहुत खूबसूरत लगती हैं। बरसात के दिनों में झांसी का किला, महोबा की वीर भूमि, चित्रकूट, कालिंजर किला, देवगढ़ और बरुवासागर घूमने के लिए अच्छी जगहें हैं।

झांसी का किला

मौनसून पर्यटन की शुरुआत झांसी से ही करें। रानी लक्ष्मीबाई का किला इस शहर की सब से खास घूमने वाली जगह है। 1857 में आजादी की लड़ाई में अंगरेजों ने जिस किले पर गोले बरसाए थे वह आज भी वैसा का वैसा खड़ा है। बंगरा कीपहाड़ियों पर बना यह किला 1610 में राजा वीर सिंह जूदेव द्वारा बनवाया गया था। 18वीं शताब्दी में झांसी और उस के किले पर मराठों का अधिकार हो गया था। मराठों के अंतिम शासक गंगाधर राव थे, जिनकी 1853 में मृत्यु हो गई थी। इस के बाद रानी लक्ष्मीबाई ने शासन की बागडोर संभाली। झांसी का किला अपनी अद्भुत कला के लिए जाना जाता है। इस किले में 'कड़क बिजली' और 'भवानी शंकर' नामक 2 तोपें आज भी रानी लक्ष्मीबाई की वीरता का बखान करती नजर आती हैं।

कालिंजर का किला

झांसी के बाद कालिंजर का किला इतिहास की झलक दिखाता है। यह उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में बना है। चंदेल शासकों के द्वारा बनवाया गए इस किले मुगलों को हमेशा चुनौती दी। बड़ी मुश्किल से अकबर ने इसे जीतने में कामयाबी पाई थी। जीत के बाद अकबर ने इसे बीरबल को दे दिया था। उन के बाद यह किला राजा छत्रसाल के अधीन हो गया। यह किला चारों ओर से ऊंची दीवारों से घिरा था।

आज भी 3 द्वार कामता द्वार, पन्ना द्वार और रीवां द्वार यहां जस के तस खड़े हैं। विंध्य की पहाड़ियों पर 700 फुट की ऊंचाई पर बने इस किले के अंदर शानदार राजा महल और रानी महल बने हैं। किले में ही नीलकंठ मंदिर बना है। इस के अलावा यहां वनखंडेश्वर महादेव मंदिर भी बना है।

महोबा

महोबा की वीर भूमि आपको रोमांच से भर देगी। महोबा का नाम यहां के रहने वाले आल्हा उदल की वीरतापूर्ण कहानियों के लिए मशहूर है। यहां चंदेल राजाओं का शासन था। चंदेल राजाओं के बाद परिहार राजाओं ने यहां शासन किया। आल्हा उदल यहां के प्रमुख लड़ाके थे। बरसात के दिनों में आज भी गांव-गांव में आल्हा उदल की लड़ाइयों के प्रसंग सुने और गाए जाते हैं। आल्हा गाने वाले लोकगायकों को सरकार की तरफ से प्रोत्साहन मिलता है।

गोरखगिरी पर्वत

गोरखगिरी पर्वत एक खूबसूरत पिकनिक स्पौट है। यहां का सूर्य मंदिर भी आपको बहुत अच्छे एक्सपीरियंस देगा। यह राहिला सागर के पश्चिम दिशा में स्थित है।

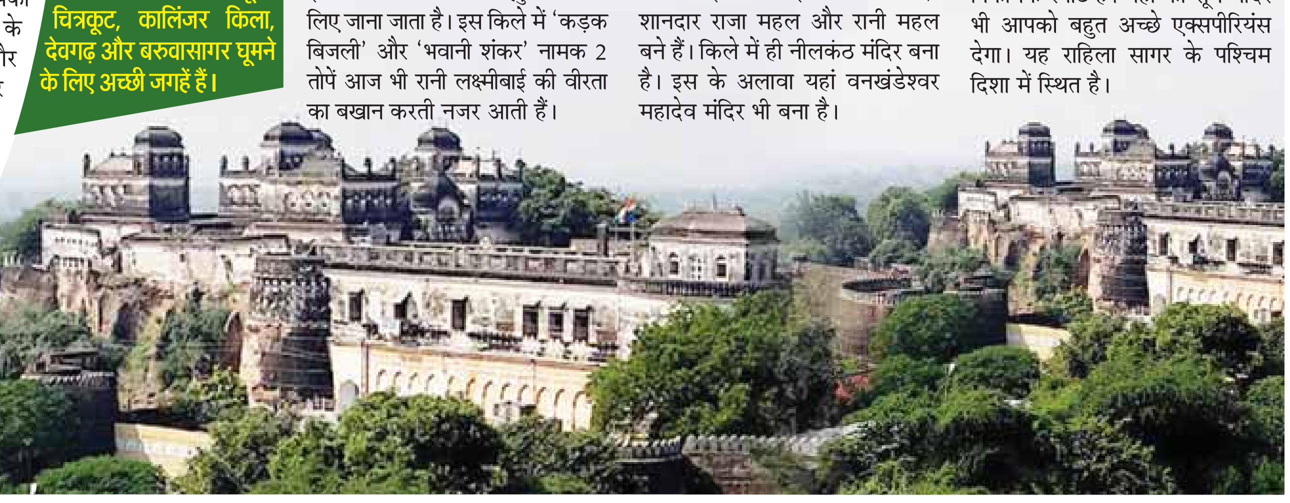

आज की रेसिपी

ढोकला सैंडविच

सामग्री :

■ 1 कप सूजी, 1 कप दही, 1 हरी मिर्च, 1 नींबू का रस, 5-6 कढी पत्ता, 1/2 टी स्पून सरसों के बीज, एक चुटकी हींग, 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर स्वादानुसार नमक, 1/2 टमाटर, 1/2 कप पनीर, 1/2 शिमला मिर्च और प्याज

विधि :

- एक बाउल लें और उसमें सूजी, दही, हरी मिर्च, नमक, हल्दी पाउडर और नींबू का रस मिलाएं. इसे अच्छी तरह मिला लें और एक बैटर बना लें.
- फिर एक पैन को ग्रीस करके उसमें घोल डालें. ढोकला बनने तक भाप में पकाएं.
- एक बार जब यह हो जाए, तो इसके ऊपर करी पत्ते, राई और हींग का तड़का डालें.
- सैंडविच भरने के लिए टमाटर का एक टुकड़ा, कटा हुआ पनीर, शिमला मिर्च और प्याज लें.
- इसे अपनी पसंद के मसालों में टॉस करें.
- फिर ढोकला के 2 टुकड़े लें, एक तरफ हरी चटनी की एक परत डालें और दूसरी तरफ चटनी की चटनी डालें.
- बीच में फिलिंग डालें और भुजिया से सजाएं और मजा लें!